दहकती खबरें

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

E-Mail: dahaktikhabrain2011@gmail.com

अन्याय के विरुद्ध आम आदमी की आवाज

DAVP CODE: 132457 RNI. NO. UPHIN/2011/39283 (लखनऊ से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में प्रसारित)

वर्ष-14 अंक-43 लखनऊ,गुरुवार 24 अक्टूबर 2024 पृष्ठ-8 मूल्य-01 रूपए

आजाद बिजनेस सेंटर

हमारे यहाँ सभी प्रकार के समाचार पत्र एवं पत्रिका की कम्पोजिंग का कार्य उचित दर पर किया जाता है।

अच्छी छपाई एवं आकर्षक कम्पोजिंग के लिए सम्पर्क करें।

इम्तियाज अहमद सम्पर्क: 9044777902

E-Mail: azadbusiness0786@gmail.com

नोट: छपाई एवं बण्डल लगाने की सुविधा उपलब्ध है।

वायनाड लोकसभा उपचुनावः प्रियंका ने दाखिल किया नामांकन, सोनिया-राहुल और खड़गे रहे साथ

संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ उनकी मां सोनिया गांधी, भाई राहुल गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई अन्य नेता मौजूद रहे। इससे पहले उन्होंने स्थानीय नेताओं की मौजूदगी में नामांकन पर्चा भरा था। नामांकन पर्चा भरने के बाद उन्होंने अपने भाई राहुल गांधी के साथ एक रोड-शो किया। बता दें कि वायनाड उपचुनाव में प्रियंका गांधी का सामना भाजपा उम्मीदवार नव्या हरिदास से होने वाला है।

कांग्रेस महासचिव और वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया। ज्म्ैग्ी.म्दस/3श्ण्ळ08्रिराहुल गांधी के अलावा प्रियंका के इस रोड शो में उनकी मां सोनिया गांधी और पति रॉबर्ट वाड्रा भी मौजूद रहे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल समेत पार्टी के अन्य नेता भी इस रोड शो में शामिल हुए।रोड-शो में प्रियंका गांधी ने लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा, 'पिछले 35 सालों से मैं अलग-अलग चुनावों के लिए प्रचार कर रही हूं। यह पहली बार है जब मैं आपके समर्थन की मांग अपने लिए कर रही हूं। यह एक बहुत ही अलग एहसास है। मैं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझे वायनाड से उम्मीदवार बनने का सौभाग्य दिया।'उन्होंने आगे कहा, 'सत्य और अहिंसा ने मेरे भाई (राहुल गांधी) को एकता और प्रेम के लिए देशभर में 8000 किमी पैदल चलने के लिए प्रेरित किया। जब पूरी दुनिया उनके खिलाफ थी, तब आप उनके साथ खड़े थे। मेरे भाई को लड़ने के लिए आपलोगों ने साहस दिया। मेरा पूरा परिवार आपका कर्जदार है। मुझे मालूम है कि उसे (राहुल गांधी) आपलोगों को छोड़ना पड़ा और मैं आपसे वादा करती हूं कि मैं आपके और उसके बीच के संबंधों को मजबूत करूंगी। उन्होंने मुझे बताया कि आप किन बड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। मेरे भाई ने मुझे बताया कि आपलोगों की क्या तकलीफ है। मैं आपके घर आना चाहती हूं और आपसे सीधे समझना चाहती हूं कि आपकी समस्याएं क्या हैं और हम उनसे कैसे निपट सकते हैं।'कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी रोड-शो को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'वायनाड देश का ऐसा निर्वाचन क्षेत्र है जहां से दो सांसद हैं, एक आधिकारिक सांसद और दूसरा अनौपचारिक सांसद। प्रियंका गांधी के नामांकन पर कांग्रेस सांसद जेबी माथेर ने कहा, 'आप जो ऊर्जा यहां देख रहे हैं, यह कुछ ऐसा है, जिसका हम सभी इंतजार कर रहे थे। हम चाहते थे कि प्रियंका गांधी किसी भी सीट से चुनाव लड़े, लेकिन हमने कभी ऐसा नहीं सोचा था कि किस्मत हमारे पास चलकर आएगी। हम सभी उत्साहित हैं। हर तरफ उत्साह है। यह वायनाड और केरल के लिए दोहरा सौभाग्य है, क्योंकि इसे अब स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा।

ब्रिक्स सम्मेलनः भारत युद्ध नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति का समर्थन करता है-पीएम मोदी

संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में कहा कि भारत युद्ध नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति का समर्थन करता है। उन्होंने रूस-यूक्रेन संघर्ष को शांतिपूर्ण वार्ता के माध्यम से हल करने का आह्वान करते हुए एक स्पष्ट संदेश दिया।

उन्होंने कहा, हम युद्ध नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति का समर्थन करते हैं। और जिस तरह हम कोविड जैसी चुनौती से मिलकर पार पा सके, उसी तरह हम निश्चित रूप से भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित, मजबूत और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए नए अवसर पैदा करने में सक्षम हैं। बता दें कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग समेत ब्रिक्स देशों के शीर्ष नेताओं ने भाग लिया।इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद से निपटने के लिए ठोस वैश्विक प्रयासों की भी वकालत की और कहा कि इस खतरे से लड़ने में कोई दोहरा मापदंड नहीं होना चाहिए। आतंकवाद और आतंकी वित्तपोषण का मुकाबला करने के लिए हमें सभी के एकजुट और दृढ़ समर्थन की आवश्यकता है। इस

गंभीर मामले में दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस-यूक्रेन विवाद का समाधान शांतिपूर्ण वार्ता के माध्यम से करने का स्पष्ट रूप से आह्वान करते हुए बुधवार को यहां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में कहा कि भारत युद्ध का नहीं बल्कि संवाद और कूटनीति का समर्थन करता है। अपने संबोधन में मोदी ने युद्ध, आर्थिक अनिश्चितता, जलवायु परिवर्तन और आतंकवाद जैसी चुनौतियों पर चिंता जताई और कहा कि ब्रिक्स विश्व को सही रास्ते पर ले जाने में सकारात्मक भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा, "हम युद्ध का नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति का समर्थन करते हैं। और जिस तरह हम एक साथ मिलकर कोविड जैसी चुनौती से पार पाने में सक्षम हुए, उसी तरह हम भावी पीढ़ियों के वास्ते सुरक्षित, मजबूत और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए नए अवसर पैदा करने में निश्चित रूप से सक्षम हैं।'

' रूस के कजान शहर में 22 से 24 अक्टूबर तक 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग सहित ब्रिक्स देशों के शीर्ष नेता भाग ले रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद से निपटने के लिए ठोस वैश्विक प्रयासों की भी वकालत की और कहा कि इस खतरे से लड़ने में कोई "दोहरा मापदंड" नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा "आतंकवाद और इसके वित्तपोषण का मुकाबला करने के लिए, हमें सभी के एकनिष्ठ, दृढ़ समर्थन की आवश्यकता है।

इस गंभीर मामले पर दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं है। साथ ही मोदी ने कहा कि समूह के देशों को युवाओं में कट्टरपंथ को रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा "हमें अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र में व्यापक समझौते के लंबित मुद्दे पर मिलकर काम करना होगा।" उन्होंने कहा कि इसी तरह "हमें साइबर सुरक्षा, सुरक्षित और संरक्षित एआई के लिए वैश्विक नियमन के वास्ते काम करने की आवश्यकता है।"

मोदी ने कहा कि भारत भागीदार देशों के रूप में ब्रिक्स में नए देशों का स्वागत करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, "इस संबंध में सभी निर्णय सर्वसम्मति से लिए जाने चाहिए और ब्रिक्स के संस्थापक सदस्यों के विचारों का सम्मान किया जाना चाहिए।" मोदी ने कहा, "जोहान्सबर्ग शिखर सम्मेलन के दौरान अपनाए गए मार्गदर्शक सिद्धांतों, मानकों, मानदंडों और प्रक्रियाओं का सभी सदस्यों और भागीदार देशों द्वारा अनुपालन किया जाना चाहिए।" प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और अन्य वैश्विक निकायों में सुधार की भी वकालत की। उन्होंने कहा, "हमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, बहुपक्षीय विकास बैंकों और विश्व व्यापार संगठन जैसे वैश्विक संस्थानों में सुधारों पर समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ना चाहिए।" मोदी ने कहा, "जब हम ब्रिक्स में अपने प्रयासों को आगे बढ़ा रहे हैं, तो हमें यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहना चाहिए कि इस संगठन की छवि ऐसी न बने कि यह वैश्विक संस्थानों को बदलने की कोशिश कर रहा है, बल्कि यह समझा जाए कि यह संगठन उन्हें सुधारने की इच्छा रखता है।" मोदी ने यह भी तर्क दिया कि 'ग्लोबल साउथ' के देशों की आशाओं, आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। 'ग्लोबल साउथ' शब्द 1960 के दशक में चलन में आया। यह शब्द आम तौर पर लैटिन अमेरिका, एशिया, अफ्रीका और ओशिनिया के क्षेत्रों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। खासकर इसका मतलब, यूरोप और उत्तरी अमेरिका के बाहर, दक्षिणी गोलार्द्ध और भूमध्यरेखीय क्षेत्र में स्थित ऐसे देशों से है जो ज्यादातर कम आय वाले हैं और राजनीतिक तौर पर भी पिछड़े हैं। 'ब्रिक्स' संगठन की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने इसे ऐसा संगठन बताया जो समय के अनुसार खुद को बदलने की इच्छाशक्ति रखता है।

पराली जलाने वालों के आंकड़ों के बारे में झूठ बोला जा रहा-सुप्रीम कोर्ट

संवाददाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा सरकार की जमकर खिंचाई की। अदालत ने कहा कि दोनों राज्यों ने पराली जलाने वालों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की। अदालत ने कहा कि अगर ये सरकारें सच में कानून को लागू करने में रुचि रखती हैं तो कम से कम एक अभियोजन जरूर होगा। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब के मुख्य सचिव से कहा कि करीब 1080 उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई, लेकिन आपने सिर्फ 473 लोगों से मामूली जुर्माना वसूला है। आप 600 या उससे ज्यादा लोगों को बख्श रहे हैं। हम आपको साफ-साफ बता दें कि आप उल्लंघनकर्ताओं को यह संकेत दे रहे हैं कि उनके खिलाफ कुछ नहीं किया जाएगा। यह पिछले तीन सालों से हो रहा है।हरियाणा के मुख्य सचिव ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 400 फसल जलाने की घटनाएं हुईं। साथ ही राज्य में 32 एफआईआर दर्ज की गई हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि पराली जलाने वालों के आंकड़ों के बारे में झूठ बोला जा रहा है। आंकड़े हर मिनट बदल रहे हैं।शीर्ष अदालत ने कहा कि हरियाणा लोगों का चयन कर रहा है। उसके अनुसार कुछ लोगों से मुआवजा लिया जा रहा और कुछ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा रही है। पीठ ने कहा, 'हम कुछ पर एफआईआर दर्ज करने और कुछ पर मामूली जुर्माना लगाने को लेकर चिंतित हैं।'सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा के मुख्य सचिव से पूछा, पराली के बारे में क्या किया जा रहा है और क्या किसानों को कुछ प्रदान किया गया है इस पर मुख्य सचिव ने कहा कि पराली के निस्तारण के लिए करीब एक लाख मशीनें दी गई हैं।

मलिन बस्तियों को दी गई राहत, कई प्रस्तावों को भी मिली मंजूरी

संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में करीब 30 प्रस्ताव

आए। इस दौरान सीएम ने बताया कि योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंच सके, यही सरकार का प्रयास रहता है। बैठक में प्रस्तावों को मंजूरी मिली, जिससे आमजन को फायदा होगा। वहीं कैबिनेट ब्रीफिंग के दौरान यूसीसी नियमावली को लेकर पूछे गए सवाल पर सीएम के सचिव शैलेश बगौली ने कहा यूसीसी मैनुअल को प्रशिक्षण के लिए विधायी विभाग को भेजा गया है।पशुपालन : पहाड़ की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए योजना बनी।10 हजार भेड़ बकरी पालक आईटीबीपी को मटन देंगे।1000 कुकुर पालक, 500 फिशरमैन आईटीबीपी को ट्राउट फिश उपलब्ध कराएंगे।2000 करोड़ की कमाई होगी।चमोली, पिथौरागढ़ और उत्तरकाशी से। सहकारी समितियां ये सप्लाई देंगी।सीएम धामी ने गत वर्ष ये इच्छा जताई थी। शासन 5 करोड़ का रिवोल्विंग फंड मिला है।दो दिन के भीतर पैसा मिलेगा। गैप फिलिंग के लिए 4 करोड़ देगा शासन मानव वन्य जीव संघर्ष निधि नियमावली को मंजूरी-मानव वन्य जीव संघर्ष वितरण, आयुष्मान और आर्थिक लाभ साथ मिलेंगे।पालतू जानवर के मारे जाने की पुष्टि ग्राम प्रधान और वन अधिकारी करेंगे तो माना जाएगा।उत्तराखंड मानव वन्य जीव संघर्ष निधि नियमावली को मंजूरी। दो करोड़ का फंड।एक साल में जीपीएफ में पांच लाख तक ही जमा कर पाएंगेसिविल न्यायालय विकासनगर 358 वर्ग मीटर भूमि एक रुपए की दर पर दी गई।-उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा विभाग की नियमावली में सीएस डीएस तकनीशियन को ओटी में डिग्री या डिप्लोमा होने पर भी चयन हो सकेगा।

कांग्रेस ने भारत-चीन गश्त समझौते पर खड़े किए सवाल, पूछा-हमारे जवान पुराने पेट्रोलिंग पॉइंट्स तक जा पाएंगे

संवाददाता

नई दिल्ली। भारत और चीन पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त के लिए एक समझौते पर सहमत हुए थे। अब विपक्षी दल कांग्रेस ने एलएसी पर गश्त को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। इस समझौते को लेकर कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि उसे उम्मीद है कि सैनिकों के पीछे हटने से मार्च 2020 जैसी यथास्थिति बहाल हो जाएगी। कांग्रेस ने सरकार से इस मामले में भारत के लोगों को विश्वास में लेने की बात भी कही है। कांग्रेस पार्टी का यह बयान रूस में आयोजित हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की द्विपक्षीय वार्ता से पहले आया है।

कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि मोदी सरकार की इस घोषणा को लेकर कई सवाल बने हुए हैं कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर पेट्रोलिंग की व्यवस्था को लेकर चीन के साथ समझौता हो गया है। विदेश सचिव ने कहा है कि

इस समझौते से 'सैनिकों की वापसी हो रही है और अंततः 2020 में इन क्षेत्रों में पैदा हुए गतिरोध का समाधान हो रहा है। हम आशा करते हैं कि दशकों में भारत की विदेश नीति को लगे इस झटके का सम्मानजनक ढंग से हल निकाला जा रहा है। हम उम्मीद करते हैं कि सैनिकों की वापसी से पहले जैसी स्थिति बहाल होगी, जैसी मार्च 2020 में थी ।कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि, यह दुखद गाथा पूरी तरह से चीन के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नासमझी और भोलेपन का नतीजा है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में, मोदी जी की चीन ने तीन बार भव्य मेजबानी की थी। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने चीन की पांच आधिकारिक यात्राएं कीं और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ 18 बैठकें कीं। इसमें उनके 64वें जन्मदिन पर साबरमती के तट पर बेहद दोस्ताने अंदाज में झूला झूलना भी शामिल है।कांग्रेस नेता ने पीएम मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि, भारत का पक्ष 19 जून 2020 को तब सबसे अधिक कमजोर हुआ जब प्रधानमंत्री ने चीन को बेशर्मी से क्लीन चिट देते हुए कहा, न कोई हमारी सीमा में घुस आया है, न ही कोई घुसा हुआ है। यह बयान गलवान में हुई झड़प के चार दिन बाद ही दिया गया था। जिसमें हमारे 20 बहादुर सैनिकों ने सर्वोच्च दान दिया था। उनका यह बयान न सिर्फ हमारे शहीद सैनिकों का घोर अपमान था बल्कि इस चीन की आक्रामकता को भी वैध ठहरा दिया। इसके कारण ही एलएसी पर गतिरोध के समय समाधान में बाधा उत्पन्न हुई।

उन्होंने अपने बयान में कहा कि, इस बीच, संसद को सीमा की चुनौतियों से निपटने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प को प्रतिबिंबित करने के लिए बहस और चर्चा करने का कोई अवसर नहीं दिया गया। पिछली सरकारों में इस तरह के गंभीर मुद्दों पर चर्चा और बहस की परंपरा रही है। अब जब चीन के साथ यह समझौता हुआ है तब, सरकार को भारत के लोगों को विश्वास में लेना चाहिए और निम्न महत्वपूर्ण सवालों के जवाब देने चाहिएः जयराम रमेश ने पूछा कि, क्या भारतीय सैनिक डेपसांग में हमारी दावे वाली लाइन से लेकर बॉटलनेक जंक्शन से आगे के पांच पेट्रोलिंग पॉइंट्स तक पेट्रोलिंग करने में सक्षम होंगे जैसा कि वे पहले करने में सक्षम थे क्या हमारे सैनिक डेमचोक में उन तीन पेट्रोलिंग पॉइंट्स तक जा पाएंगे जो चार साल से अधिक समय से हमारे दायरे से बाहर हैं हमारे सैनिक पैंगोंग त्सो में फिंगर 3 तक ही सीमित रहेंगे।

जातिगत समीकरणों पर सीएम योगी और मोहन भागवत की चर्चा

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत से मुलाकात कर दो घंटे तक विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की है। मथुरा में गौतम कुटीर में हुई इस मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं। हम आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश में जल्द ही नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है।लोकसभा चुनावों में प्रदेश में भाजपा को करारा झटका लगने के बाद यह उपचुनाव योगी सरकार के लिए राजनीतिक रूप से बहुत मायने रखते हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि योगी की मोहन भागवत के साथ पिछली मुलाकात 16 जून को गोरखपुर में हुई थी। लोकसभा चुनाव परिणाम के तुरंत बाद योगी और भागवत की मुलाकात लगभग

आधे घंटे चली थी। हम आपको यह भी बता दें कि लोकसभा चुनावों के बाद योगी और उनके दोनों उपमुख्यमंत्री के बीच का विवाद दिल्ली तक भी पहुँचा था और आलाकमान को हस्तक्षेप कर नेताओं के बीच संबंध सामान्य करवाने पड़े थे। विवाद खत्म कराने के लिए आरएसएस के पदाधिकारियों ने लखनऊ में नेताओं को आमने सामने बिठाकर बात कराई थी और मुद्दों का हल किया था। हम आपको यह भी बता दें कि अभी बीते रविवार को ही वाराणसी दौरे पर गये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपी सरकार के कामकाज की तारीफ करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक के परिश्रम को सराहा था।जहां तक योगी और भागवत की ताजा मुलाकात की बात है तो आपको बता दें कि इस बारे में संघ के एक पदाधिकारी ने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने भागवत के साथ कुछ राष्ट्रीय समस्याओं और सामान्य मुद्दों पर चर्चा की। हम आपको बता दें कि सरसंघचालक गौतम कुटीर में ठहरे हुए हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले से भी मुलाकात की और सप्त कुटीर में करीब ढाई घंटे रहे। हम आपको बता दें कि मथुरा में आरएसएस की अखिल भारतीय कार्यकारिणी की बैठक हो रही है जिसमें वरिष्ठ पदाधिकारी कई समकालीन मुद्दों पर चर्चा करेंगे और संगठन की भविष्य की योजनाओं का खाका तैयार करेंगे। बैठक में संगठनात्मक लक्ष्यों पर भी चर्चा होगी जिन्हें अगले वर्ष तक हासिल किया जाएगा। हम आपको बता दें कि संघ अगले वर्ष अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे करेगा। यह मुलाकात अनायास नहीं थी। पूरी कार्ययोजना एवं विजन के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आरएसएस प्रमुख डा. मोहन भागवत से मुलाकात की। दो घंटे तक गौतम कुटीर में गहन चर्चा चली। पिछले चुनाव से लेकर आगामी रणनीति पर बात हुई और केंद्र बिंदू में मिशन 2027 ही रहा। यह बैठक कितनी सफल रही

बॉम्बे हाईकोर्ट से छोटा राजन को बड़ी राहत, उम्रकैद की सजा निलंबित होने के बाद मिली जमानत

संवाददाता

नई दिल्ली। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 2001 के जया शेट्टी हत्या मामले में गैंगस्टर छोटा राजन को जमानत दे दी। उसे इस साल की शुरुआत में दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। हालांकि अब अदालत ने सजा निलंबित कर दी।

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चव्हाण की खंडपीठ ने उसे एक लाख रुपये के मुचलके पर जमानत दी है।अदालत ने राजन की उम्रकैद की सजा बुधवार को निलंबित कर दी और उसे इस मामले में जमानत दे दी। बहरहाल, राजन अन्य आपराधिक मामले के संबंध में अभी जेल में ही रहेगा। बता दें, जया शेट्टी मध्य मुंबई के गामदेवी में गोल्डन क्राउन होटल की मालकिन थीं। मुंबई की एक मकोका कोर्ट के विशेष न्यायधीश एम एम

पाटिल ने राजन को दोषी ठहराया था।छोटा राजन गिरोह की ओर से जबरन वसूली की धमकियों का सामना कर रहीं जया शेट्टी को गिरोह के दो कथित सदस्यों ने चार मई 2001 को होटल की पहली मंजिल पर गोली मार दी थी। छोटा राजन गिरोह से जबरन वसूली की धमकी मिलने की सूचना के बाद होटल व्यवसायी को पुलिस सुरक्षा प्रदान की गई थी। लेकिन हमले से दो महीने पहले शेट्टी के अनुरोध पर उनकी सुरक्षा वापस ले ली गई थी। छोटा राजन का नाम राजेंद्र सदाशिव निकालजे है। उसका जन्म 13 जनवरी 1960 को हुआ था।2001 को फिरौती देने से इनकार करने पर ग्रांट रोड के गोल्डन क्राउन होटल में राजन के गुर्गों ने जया शेट्टी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। राजन गैंग ने रवि पुजारी के जरिए जया शेट्टी से 50 करोड़ की फिरौती मांगी थी। इस मामले में अन्य आरोपी अजय मोहिते, प्रमोद धोंडे और राहुल पावसरे को वर्ष 2013 में दोषी ठहराया गया

विश्व में भारत की शक्ति और सामर्थ्य का प्रभाव दिखने लगा है : राज्यपाल आनंदीबेन

कार्यालय संवाददाता

झांसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय का 29वां दीक्षांत समारोह महामहिम कुलाधिपति एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में गांधी सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ जीवन और पर्यावरण के पांच तत्वों-आकाश, वायु जल, पृथ्वी और अग्नि पर काव्य पाठ से हुआ। अतिथियों का स्वागत कुलपति प्रोफेसर मुकेश पाण्डेय ने एकल पुष्प एवं चंदन, रुद्राक्ष, शमी, एवं नीम के पौधे देकर किया गया। कार्यक्रम के उपरांत श्रीराम वाटिका में अर्पित किया जाएगा। कुलाधिपति एवं अतिथियों द्वारा विभिन्न स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों के सर्वोच्च छात्रों को मेडल प्रदान किए गए।

राज्यपाल महोदया जी ने झांसी जिलाधिकारी श्री अविनाश कुमार एवं ललितपुर जिलाधिकारी श्री अक्षय त्रिपाठी को आंगनवाड़ी हेल्थ किट प्रदान करते हुए कहा कि इस प्रकार की हेल्थ किट हर आंगनबाड़ी केंद्र पर हर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के पास रहे। आंगनबाड़ी हेल्थ किट के अंदर-टॉवल, कंघी, नेलकटर, सुई-धागा, रंग-बिरंगे बटन, शीशा, डेटॉल साबुन, डिटॉल लिक्विड, सोफ्रेमायसिन क्रीम, विटामिन डी की टेबलेट सामग्री शामिल है। इस किट का उद्देश्य छात्रों के रहन-सहन के तरीके, उनके स्वास्थ्य में सुधार

एवं छोटी मोटी चोटों से उपचार करना है।कुलाधिपति द्वारा पत्रिकाओं का विमोचन, पुस्तकों एवं आंगनबाड़ी किट के साथ उन्नत भारत के बच्चों को प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। मा0 राज्यपाल महोदया जी के द्वारा इस अवसर दीक्षांत स्मारिका स्वर्णदीप्ति, कला और संस्कृति को समर्पित पत्रिका चितेरी एवं विश्वविद्यालय की गृह पत्रिका संचारिका का विमोचन किया गया। इसके साथ ही कुलाधिपति ने अपनी ओर से 200 पुस्तकें झांसी एवं ललितपुर के विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को प्रदान की। आंगनबाड़ी केंद्र की विभिन्न कार्यकर्ताओं को आंगनबाड़ी किट जिसमें छात्रों के लिए कई प्रकार के खिलौने सहित किट प्रदान की। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत चयनित 5 ग्रामों में छात्रों के मध्य करायी गई, प्रतियोगिताओं के विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र वितरित किये।राज्यपाल महोदया ने जल सहेलियों, ड्रोन पायलट ग्रामीण महिलाओं एवं अन्य महिलाओं द्वारा किए जा रहे है, कार्यों की प्रशंसा करते हुये कहा कि 21वीं सदी भारत के साथ ही महिलाओं की भी सदी है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड की जल सहेलियां अपने द्वारा किए गए जल संरक्षण के कार्यों के लिए आज भी मिसाल बनी है। ऐसे ही ग्रामीण महिलाओं के समूह द्वारा तालाब खोदने का कार्य, लोगों को शराब छुड़वाने एवं गांव में चल रहे जुओं को बंद कर बच्चों को स्कूल भेजने में महिलाएं एक जुट होकर कार्य कर रही है। ऐसे प्रयास ही किसी भी देश को आगे ले जाने में साधन बनते हैं। मा0 प्रधानमंत्री जी की पहल से आज ड्रोन तकनीक का कृषि में इस्तेमाल हो रहा है, ड्रोन दीदी की संकल्पना एवं ड्रोन पायलट ग्रामीण महिलाएं आज कृषि में आधुनिकता का मिसाल बनकर उभरी है। यह नए विकसित ग्रामीण भारत की पहचान है।

राज्यपाल महोदया ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि डिफेंस कॉरिडोर से जुड़े कार्यों के साथ ही छात्रों को शोध एवं नवाचार से जोड़ें। विश्वविद्यालय में अर्जित ज्ञान अपने आर्थिक उपार्जन के साथ ही देश के विकास में योगदान दें। सदैव सीखने की प्रवृत्ति को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी की अभिप्रेरणा से केंद्र सरकार द्वारा डिफेंस कॉरिडोर का झांसी, ललितपुर, लखनऊ, चित्रकूट एवं कानपुर में प्रगति पर है। क्षेत्र के विश्वविद्यालयों की जिम्मेदारी है, कि वह छात्रों को इससे जोड़ें। उन्होंने कहा कि विभिन्न विश्वविद्यालयों के पुस्तकालयों में पांडुलिपियां जर्जर हो रही हैं, उनके डिजिटलाइजेशन के साथ ही छात्रों को उन पर शोध कर भारत के पुरातन ज्ञान को सबके सामने प्रस्तुत करना चाहिए।कुलाधिपति महोदया ने कहा कि भारत आज वैश्विक शक्ति है। ब्रिक्स सम्मेलन से पूर्व रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने मा0 प्रधानमंत्री मोदी जी से कहा कि आप हमारा मार्गदर्शन कीजिए। हाल ही में मा0 प्रधानमंत्री की अमेरिकी यात्रा पर वहां भारत से चुराई गई 300 सांस्कृतिक धरोहरों को वापस किया गया। पूर्व में हुए जी 20 के आयोजन में भारत वैश्विक नेतृत्व का अग्रणी होकर उभरा है। मा0 प्रधानमंत्री जी की संकल्पना मेक इन इंडिया से आगे आकर हम मेकिंग फॉर वर्ल्ड की ओर बढ़ रहे हैं। विश्व की प्रमुख पांच आर्थिक महा शक्तियों में आज भारत शामिल है। एफडीआई के निवेश में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। नालंदा विश्वविद्यालय पुनः आकार ले रहा। सांस्कृतिक पुनर्जागरण के साथ ही भारत मिसाइल उत्पादन के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। यह सब इस बात का इशारा कर रहे हैं कि भारत आज वैश्विक महाशक्ति है। मा0 प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत की शिक्षा, शोध, कौशल एवं नवाचार पर किए जा रहे कार्यों का प्रमुख योगदान है।राज्यपाल महोदया ने कहा कि कुछ ही दिनों में दीपावली उत्सव आने वाला है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम स्थानीय कुम्हारों द्वारा बनाए गए दीपक खरीदें, स्थानीय बुनकरों से निर्मित कपड़ों एवं अन्य सामग्री एवं अन्य स्थानीय कामगारों के बनाए गए उत्पादों का ही प्रयोग करें। उन्होंने राष्ट्रीय नायक सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर उनके द्वारा किए गए राष्ट्रीय एकता के कार्यों पर छात्रों को जागरूक करने वाले कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि भारत की 500 रियासतों को जोड़कर अखंड भारत बनाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान है।

सीएचसी का अधीक्षक बन ऑपरेटर पैसे लेकर बांट रहा नौकरी

कार्यालय संवाददाता

कौशांबी। चायल कस्बा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात एक संविदा कर्मी इन दिनों अधीक्षक की भूमिका में है। कंप्यूटर ऑपरेटर पद पर तैनात इस संविदा कर्मी को वैसे तो जन्म प्रमाण पत्र निर्गत करने की जिम्मेदारी दी गई है लेकिन यह सीएचसी में इलाज के लिए आने वाले लोगों को अपने जाल में फंसा कर मोटी रकम ऐंठ रहा है। स्थिति यह है कि नौकरी पाने की लालसा रखे लोग इस संविदा कर्मी के जाल में फंस रहे हैं। इतना ही नहीं तय समय पर नौकरी नहीं मिलने पर जब लोग अपना पैसा वापस मांगते है तो झगड़ा फसाद पर उतारू हो जाता है। पैसा डूबने के डर से सीएचसी के अधीक्षक बने इस ऑपरेटर के खिलाफ कोई मुंह तक नहीं खोल पाता है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात यह संविदा कर्मी हरफन मौला किस्म का दलाल है। स्वास्थ्य सेवाओं की इतर हटकर जब लोग इसके पास अपने बच्चों का जन्म प्रमाण पर बनवाने जाते है तो यह ऑपरेटर आवेदक की कुंडली खोजने लग जाता है। जन्म प्रमाण पत्र कहां लगाना है से लेकर आप क्या करते हैं और अगर आप बेरोजगार है तो आपको इसी अस्पताल में संविदा पर नौकरी दिलाने तक का भी ठेका लेने लगता है। कुछ लोग हैं जो इसके झांसे में आकर फंस जाते हैं लेकिन जब लोग नौकरी लेने पर रुचि नहीं दिखाते है तो उनसे यह ऑपरेटर सस्ते दाम में टीवी, फ्रिज और एसी दिलाने का मोल भाव करने लगता है। गजब और हंसने की बात तो यह है कि यदि कोई आदमी इस ऑपरेटर से सुई से लेकर जहाज की डिमांड करता है तो वह उसको भी वह दिलाने का टेंडर ले लेता है। इसके बाद फिर पैसा लेकर झांसे में आए हुए व्यक्ति को कई साल तक टहलाता है। अभी हाल ही में क्षेत्र के एक युवक ने बताया कि अस्पताल में संविदा पर नौकरी दिलाने के लिए उक्त ऑपरेटर ने साठ हजार रुपया रिश्वत के रूप में लिया है। लेकिन न तो उसकी नौकरी लगी और न ही उसका दिया हुआ रुपया वापस किया जा रहा है। पैसा वापस मांगने पर ऑपरेटर द्वारा झगड़ा फसाद और फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी जा रही है। सीएचसी का अधीक्षक बन बैठे इस ऑपरेटर की पत्नी इसी अस्पताल में सरकारी ए एन एम के रूप में तैनात है। एक ही आप्त में पत्नी ए एन एम और स्वयं कंप्यूटर ऑपरेटर बन कर यह संविदा कर्मी लोगों को बेवकूफ तो बना ही रहा है साथ में अस्पताल के नियमों को धता बताकर सरकार को भी चूना लगा रहा है। अस्पताल के विश्वस्त सूत्रों की माने तो यदि इस संविदा कर्मी की कारगुज़ारियों के बारे में बारीकी से छानबीन की जाए तो अस्पताल में बढ़ रही भ्रष्टाचार की जड़ों की मजबूत कड़ी में इसका नाम उभर कर आएगा।

योग जिज्ञासु परमार्थ निकेतन में विगत 15 दिनों से कर रहें ध्यान व योग

कार्यालय संवाददाता

ऋषिकेश, 23 अक्टूबर। प्रसिद्ध योगाचार्य माइकल मिलर के मार्गदर्शन में परमार्थ निकेतन में पिछले 15 दिनों से विशेष योग प्रशिक्षण शिविर चल रहा है। इसमें अमेरिका, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, इटली, आयरलैंड, पोलैंड सहित विभिन्न देशों से आए योग जिज्ञासु शामिल हुए हैं। योग जिज्ञासुओं को परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और साध्वी भगवती सरस्वती जी का पावन सान्निध्य और आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

योग जिज्ञासु, प्रातःकालीन प्रार्थना, योग, यज्ञ, गंगा जी की आरती, सत्संग और विभिन्न आध्यात्मिक गतिविधियों का दिव्य आनंद ले रहे हैं। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने योग के साथ-साथ प्रकृति योग का संदेश देते हुये कहा कि प्रकृति के साथ सामंजस्य और एकता का अनुभव करना ही वास्तव में योग है।योगाचार्य माइकल मिलर, अपनी विशिष्ट योग शैली और गहन अनुभव से प्रतिभागियों को योग और ध्यान की गहन विधाओं का अनुभव कर रहे हैं। वे प्रतिभागियों को योग के माध्यम से न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक और आत्मिक विकास की दिशा में भी प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने कहा वे विगत कई वर्षों से विश्व के कई देशों के योग जिज्ञासुओं के दल के साथ परमार्थ निकेतन आते हैं और 15 दिनों तक यहां के दिव्य वातावरण में रहकर योग के माध्यम से आत्म व परमात्मा से जड़ने की साधना करते हैं। परमार्थ निकेतन के दिव्य वातावरण में रहकर योग व ध्यान की ऊर्जा का विलक्षण प्रभाव देखने को मिलता है। इस दिव्यता से युक्त वातावरण में योग का प्रभाव और अधिक स्पष्ट व तीव्र होता है। परमार्थ निकेतन का दिव्य वातावरण यहां आने वालों को एक नई दृष्टि और ऊर्जा से भर देता है। यहां आकर केवल योग की ऊर्जा ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक ऊर्जा भी प्राप्त होती है।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि योग न केवल एक शारीरिक अभ्यास है, बल्कि यह आत्मिक उन्नति और आत्मा की शुद्धि का एक सरल व सहज मार्ग है जो भीतर की शांति और मानसिक संतुलन प्रदान करता है। स्वामी जी ने योग जिज्ञासुओं को संदेश दिया कि अब योग तो करें साथ ही धरती योग भी करें क्योंकि पेड़ होगे तो पानी होगा, पानी होगा तो जीवन होगा और जीवन बचेगा तभी तो योग होगा इसलिये आईये मिल कर पेड़ लगायें, पर्यावरण बचायें क्योंकि प्रकृति बचेगी तो संस्कृति बचेगी और संतति बचेगी। अब समय आ गया कि योग की ज्योति, मशाल बनकर पूरे विश्व को प्रकाशित करती रहें ताकि आने वाली पीढियों को भी मार्गदर्शन प्राप्त होता रहें।

साध्वी भगवती सरस्वती जी ने कहा, कि योग हमें न केवल हमारे शरीर के प्रति जागरूक करता है, बल्कि यह हमें प्रकृति और समाज के प्रति भी जागरूक करता है। योग के माध्यम से हम एक स्वस्थ और सामंजस्यपूर्ण जीवन जी सकते हैं। योग केवल एक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह जीवन की एक पद्धति है। योग हमें अपने शरीर, मन और आत्मा को संतुलित रखने की प्रेरणा देता है। परमार्थ निकेतन में योग का अभ्यास एक दिव्य और समृद्ध अनुभव है।योग जिज्ञासुओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि परमार्थ निकेतन में योग करना एक जीवन बदलने वाला अनुभव है। अमेरिका से आई एक प्रतिभागी ने कहा, 'मैंने कई योग स्टूडियो में अभ्यास किया है, लेकिन यहाँ परमार्थ निकेतन में योग करना एक अद्भुत अनुभव है। यहाँ की दिव्यता और शांति ने मुझे आत्मिक शांति प्रदान की है। गंगा जी के तट पर स्थित होने के कारण यह स्थान आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर है। इस दिव्य स्थान पर योग और ध्यान करने से मन और आत्मा को एक विशेष शांति प्राप्त होती है। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य और शांत वातावरण जीवन को और भी समृद्ध बनाता है।इंग्लैंड से आये योग प्रेमी ने बताया, परमार्थ निकेतन आकर योग का वास्तविक मतलब समझ में आया। यह केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि आत्मा की शुद्धि और मानसिक शांति का मार्ग है।

युवाओं में नशे की लत और मादक द्रव्यों के सेवन पर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कार्यालय संवाददाता

गोरखपुर। नेहरू युवा केन्द्र द्वारा मेरा युवा भारत अभियान के अंतर्गत बुधवार को गंगोत्री देवी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर में नशीली दवाओं की लत और मादक द्रव्यों के सेवन पर जागरूकता और शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गोरखपुर के जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिनव कुमार मिश्रा और विशिष्ट अतिथि जिला युवा कल्याण अधिकारी अमित सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. पूनम शुक्ला ने की। कार्यक्रम की शुरुआत मंचासिन अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। मुख्य अतिथि डॉ. अभिनव मिश्रा ने युवाओं को संबोधित करते हुए बताया कि नशे की लत केवल व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि उसके परिवार और समाज के लिए भी अभिशाप है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे नशे से दूर रहें और अपने जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाकर अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करें।

सलाहकारों को मिलेगा मासिक भत्ता-चेयरमैन

लखनऊ। सामाजिक न्याय एवं बाल अधिकार संरक्षण परिषद् के केंद्रीय चेयरमैन करुणेश पांडेय ने परिषद् के सलाहकार समिति के सदस्यों को मासिक भत्ता देने की घोषणा की है । परिषद् के चेयरमैन करुणेश पांडेय ने कहा कि विगत माह परिषद् की मासिक बैठक में केंद्रीय परिषद् की सलाहकार समिति ने भत्ते हेतु अपना प्रस्ताव प्रस्तुत किया था जिस पर केंद्रीय टीम द्वारा बैठक में सर्वसम्मति से पारित किया गया है। सलाहकारों को प्रतिमाह 7500 रुपए भत्ता दिया जाएगा । केंद्रीय चेयरमैन श्री पांडेय ने बताया कि परिषद् एक अधिसूचना जारी कर के राज्य सलाहकार परिषद का गठन करेगी, जिसके सदस्यों की संख्या 15 से अधिक नहीं होगी। सदस्यों की नियुक्ति उन लोगों में से होगी जिन्हें सामाजिक न्याय, प्राथमिक शिक्षा और बाल विकास के क्षेत्र में अनुभव हो और इसी क्षेत्र में काम करने वाले हों साथ ही परिषद् में लंबे समय से जुड़े लोगों को भी वरीयता दी जाएगी । यह कदम सामाजिक न्याय एवं बाल अधिकार क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों को प्रोत्साहित करेगा और परिषद् के उद्देश्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

18 वर्ष से कम आयु के बच्चों (नाबालिग बच्चों) से बाल श्रम कराने पर होगी कठोर कार्रवाई

प्रतापगढ़। मिशन शक्ति फेज-5 के अन्तर्गत संचालित आपरेशन मुक्ति के तहत जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देशानुसार बाल भिक्षावृत्ति एवं बाल श्रम उन्मूलन, मानव तस्करी एवं नशा मुक्ति अभियान चलाया गया। अभियान में वन स्टाप सेंटर से मैनेजर नीरजा कुमारी, थाना ए0एच0टी0यू0 प्रभारी संजय सिंह द्वारा प्रतिभाग किया गया। अभियान के दौरान दुकानदारों, होटलो, ढाबों, आदि को चेक किया गया जिसमे जांच के दौरान दुकानो एवं ढाबों पर कोई बच्चा नहीं मिला तथा बच्चों से भविष्य में बाल श्रम न कराने के संबंध में सेवायोजकों को हिदायत दी गई कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों (नाबालिग बच्चों) से बाल श्रम कराने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी एवं नाबालिक बच्चों से बाल मजदूरी न कराने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गऐ इस दौरान जन जागरूकता अभियान भी चलाया गया जिसमे आम जनमानस को बच्चों के अवैध परिवहन एवं मानव तस्करी को रोकने हेतु जागरूक किया गया तथा इमरजेंसी सहायता हेतु शासन एवं प्रशासन द्वारा जारी टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 102, 112, 1090, 1098, 181, 1076 आदि के संबंध में जानकारी दी गई।

लक्ष्मणपुर में 25 अक्टूबर को लगेगा रोजगार मेला

प्रतापगढ़। जिला सेवायोजन अधिकारी अनुभव त्रिपाठी ने बताया है कि जिला सेवायोजन कार्यालय प्रतापगढ़ के द्वारा दिनांक 25 अक्टूबर 2024 को पूर्वान्ह 10 बजे से विकास खण्ड कार्यालय लक्ष्मणपुर परिसर में रोजगार मेले का आयोजन किया गया है जिसमें निजी क्षेत्र की 05 कम्पनियों द्वारा एफ एंड बी सर्विस असिस्टेंट, सिक्योरिटी कार्ड, टेड्डनी आपरेटर, आफिस असिस्टेंट/टेलीकॉलर व एरिया आफिसर के विभिन्न पदों पर बेरोजगार अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा। इच्छुक अभ्यर्थी मेले में अपने साथ आई0डी0, मूल शैक्षिक अभिलेख एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ सम्मिलित हो सकते है। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिये सर्वप्रथम अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल पर आनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। आनलाइन पंजीयन के लिये सबसे पहले रोजगार संगम पोर्टल को अपने ब्राउजर में खोले। इसके बाद साइन अप/लागिन मेन्यू में जाकर जॉबसीकर आप्शन का चयन करें। जॉब सीकर आप्शन पर क्लिक करने के उपरान्त साइन अप पेज दिखाई देगा। इस पेज पर समस्त वांछित सूचनायें भरनी है। रजिस्टर फॉर में दो ऑपशंस मिलेगें, पहला कैम्पस स्टूडेन्ट और दूसरा जनरल जॉब सीकर का है, अगर वर्तमान समय में किसी कैम्पस, इन्स्टीट्यूट या यूनिवर्सिटी के अंतिम वर्ष के छात्र है तो कैम्पस स्टूडेन्ट ऑप्शन सेलेक्ट करना है। यदि पास आउट है तो जनरल जॉब सीकर आप्शन सेलेक्ट करना है। यहां से अपनी समस्त सूचनायें जैसे पर्सनल डिटेल, परमानेन्ट एड्रेस, फिजिकल डीटेल्स, करियर प्रोफाइल, एजुकेशनल क्वालीफिकेशन, एक्सपीरियंस, लैंग्वेज और स्किल आदि भरेगें। एक्सपीरियंस भरने के लिये न्यू एक्सपीरियंस बटन पर क्लिक करना होगा। समस्त डॉक्यूमेन्ट अपलोड करने है। प्रिन्ट रजिस्ट्रेड्शन कार्ड बटन पर क्लिक करके आप अपना जॉब कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल पर रिज्यूम बनाने की सुविधा भी दी गई है। अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल तवरहंतेंदहंउण्नचण्हवअण्पद पर आनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य है।

रबी उत्पादकता गोष्ठी-2024 का आयोजन आज

झांसी। उप कृषि निदेशक श्री एमपी सिंह ने अवगत कराया है कि कृषि निदेशक उत्तर प्रदेश कृषि भवन लखनऊ के निर्देशानुसार 'जनपद स्तरीय रबी उत्पादकता गोष्ठी- 2024, जनपद स्तरीय किसान मेला (तिलहन एवं मक्का) एवं जनपद स्तरीय जागरुकता अभियान' का आयोजन जिलाधिकारी की अध्यक्षता में दिनांक 24 अक्टूबर 2024 को पूर्वान्ह 11 बजे पं0दीनदयाल उपाध्याय सभागार, झाँसी में आयोजित किया जा रहा है। जिससे कृषकों को एक ही स्थान पर समस्त विभागों की जानकारी प्राप्त होगी एवं उनकी समस्याओं का समाधान वैज्ञानिकों से संवाद कराते हुये किया जाएगा।उन्होंने जनपद के किसानों से अधिक से अधिक संख्या में गोष्ठी में प्रतिभाग करने आह्वान किया। उन्होंने बताया कि गोष्ठी में वैज्ञानिकों द्वारा आधुनिक खेती के अतिरिक्त खेत में फसल अवशेष में आग लगाने पर होने वाले नुकसान की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।उन्होंने बताया की किसानों की आय को दोगुना करने के उद्देश्य से कम लागत में फसल से कैसे अधिक से अधिक मुनाफा कमाया जाए विषय में आधुनिक खेती और आधुनिक यंत्रों का उपयोग करते हुए कैसी खेती किसानो की जाए की भी जानकारी दी जाएगी।उप कृषि निदेशक ने बताया कि इस अवसर पर समस्त विभाग एवं अन्य कृषक उत्पादक संगठन द्वारा उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी,जिसमें उनके द्वारा उत्पाद की जानकारी तथा विभागों द्वारा किसानों के हित लिए सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

महाकुम्भ 2025 से पहले हर हाल में पूरा करें गंगा एक्सप्रेसवे कैरिजवे का निर्माण-नंदी

कार्यालय संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने बुधवार को पर्यटन भवन लखनऊ में उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) के विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। जिसमें मंत्री नन्दी ने महाकुम्भ 2025 के दृष्टिगत गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य की प्रगति धीमी मिलने पर रफ्तार बढ़ाने के निर्देश दिए। कहा कि हर हाल में महाकुम्भ 2025 से पहले गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य पूरा किया जाए, ताकि महाकुम्भ के दौरान लाखों लोगों को पुण्य अर्जित करने का लाभ मिल सके। साथ ही मंत्री नन्दी ने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के बचे हुए डेढ़ प्रतिशत कार्य को जल्द से जल्द पूरा कर नवम्बर या फिर दिसम्बर महीने में उद्घाटन कराने के निर्देश दिए।

मंत्री नन्दी ने कहा कि मेरठ को प्रयागराज और बीच में पड़ने वाले 12 जनपदों को आपस में जोड़ने और यात्रा की अवधि कम करने के लिए ही 594 किलोमीटर लम्बे गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। ताकि महाकुम्भ 2025 के दौरान लाखों लोगों को पुण्य अर्जन में इसका लाभ मिल सके। मंत्री नन्दी ने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य की प्रगति जानी। जिसके सम्बंध में अधिकारियों ने अब तक 98.5 प्रतिशत कार्य पूर्ण होने और 30 अक्टूबर 2024 कार्य समाप्ति की निर्धारित तिथि की जानकारी दी। जिस पर मंत्री नन्दी ने बचे हुए डेढ़ प्रतिशत कार्य को जल्द से जल्द पूरा कराने के निर्देश दिए। जिस पर अधिकारियों ने कहा कि नवम्बर या फिर दिसम्बर में 7,283 करोड़ की लागत से निर्मित 91.35 किलोमीटर लम्बे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का लोर्कापण कराया जा सकता है।

समीक्षा बैठक में बताया गया कि गाजीपुर से मांझीघाट 131 किलोमीटर लम्बे ग्रीन फील्ड परियोजना एनएच 31 का निर्माण कार्य कराया जाना है। जिसके लिए 822.05 हेक्टेयर भूमि के सापेक्ष 744 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण एवं क्रय करने का कार्य पूरा कराया जा चुका है। जल्द ही अब आगे की प्रक्रिया को अपनाया जाएगा। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे व गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे 28 जनपदों में 29 स्थलों पर औद्योगिक कॉरिडोर विकसित किए जाने हैं, जिसके लिए 12,000 एकड़ भूमि एकत्रित करने का लक्ष्य है। जिसके सापेक्ष 8000 एकड़ भूमि क्रय की जा चुकी है। जिस पर मंत्री नन्दी ने शेष भूमि को भी जल्द से जल्द क्रय करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर के सभी 6 नोड में 1649 हेक्टेयर भूमि चिह्नित की गई है। जिसमें से 1301 हेक्टेयर भूमि अलॉट की जा चुकी है। अभी तक 8000 करोड़ का इन्वेस्ट हो चुका है। पांच प्लांट से प्रोडक्शन भी शुरू हो गया है। कानपुर नोड में इजराइल की कम्पनियां इनवेस्ट के लिए आ रही हैं।मंत्री नन्दी ने एक्सप्रेसवे पर चलने वाले सभी वाहन तथा एम्बुलेंस, कैटल कैचर क्रेन, जिनमें जीपीएस की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग अध्यक्ष राजेश वर्मा ने विभिन्न जनपदों से प्राप्त शिकायतों पर सुनवाई की

कार्यालय संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने मंगलवार को इंदिरा भवन, लखनऊ में विभिन्न जनपदों से प्राप्त शिकायतों पर सुनवाई की और कई मामलों का समाधान किया। आयोग ने पिछड़े वर्गों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए।

प्रकरण 1: करूणेश चंद्र बनाम निदेशक, बाल विकास पुष्टाहार--सेवानिवृत्त चालक करूणेश कुमार के लंबित मानदेय का भुगतान कर मामले का निस्तारण किया गया। विभाग को निर्देशित किया गया कि इस तरह की शिकायतों का शीघ्र निस्तारण हो।

प्रकरण 2: शिवकुमार, जनपद बाराबंकी-- शिवकुमार के पुश्तैनी पेड़ कटवाने और पुलिस प्रताड़ना के मामले में सुनवाई हुई। पुलिस अधीक्षक बाराबंकी के प्रतिनिधि की अनुपस्थिति पर नाराजगी जताते हुए उपजिलाधिकारी और क्षेत्राधिकारी रामसनेहीघाट को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया गया।

प्रकरण 3: कंवरपाल सिंह बनाम गृह विभाग व पुलिस अधीक्षक, शामली-- शामली जिले में हत्या के मामले में परिवार को फंसाने के आरोप पर मुजफ्फरनगर के क्षेत्राधिकारी द्वारा की गई जाँच रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। प्रथम दृष्टया शामली पुलिस की कार्रवाई में खामियां पाई गईं। गृह विभाग को निर्देश दिए गए कि मामले की विवेचना उच्च अधिकारी द्वारा जनपद से बाहर कराई जाए।

प्रकरण 4: मसुरियादीन व अन्य, प्रयागराज--दखल दीहानी/पैमाइश के मामले में तहसीलदार सोरांव ने आयोग को सूचित किया कि प्रकरण का निस्तारण हो चुका है, जिस पर शिकायतकर्ता ने संतोष व्यक्त किया।

प्रकरण 5: वीना कुशवाहा-वीना कुशवाहा के मामले में राज्य सम्पत्ति अधिकारी को निर्देश दिया गया कि 5 वर्षों से आवास की प्रतीक्षा कर रहे कर्मी को शीघ्र आवास आवंटित किया जाए।

प्रकरण 6: राम स्वरूप, 80 वर्षीय वृद्ध--राम स्वरूप को उनके पुत्र द्वारा मारपीट और उपेक्षा किए जाने के मामले में मकान खाली कराने की मांग पर सुनवाई हुई। पुलिस कमिश्नर लखनऊ के प्रतिनिधि की अनुपस्थिति पर नाराजगी जताते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

अध्यक्ष राजेश वर्मा ने सुनवाई के दौरान अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की सिफारिश की और कहा कि पिछड़े वर्गों की समस्याओं के निस्तारण में लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर आयोग द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महाकुम्भ 2025 को दिव्य,भव्य, स्वच्छ और सुगम यातायात के प्रति दिया गया प्रशिक्षण

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज।महाकुंभ 2025 प्रयागराज में पर्यटकों एवं तीर्थ यात्रियों की सुविधा हेतु गाइड ,वोटमैन, वेंडर्स, एवं टैक्सी ड्राइवरों को यातायात प्रशिक्षण कार्यक्रम मान्यवर कांशीराम पर्यटन प्रबंधन संस्थान लखनऊ द्वारा प्रयागराज में होटल राही सिविल लाइंस में महाकुम्भ में सरल सुगम यातायात हेतु पुलिस उपायुक्त यातायात नीरज पाण्डेय वा अपर पुलिस उपायुक्त कुलदीप सिंह के निर्देशन में यातायात निरीक्षक पवन कुमार पाण्डेय द्वारा यातायात के नियमों के बारे में जागरूक किया गया। उनके द्वारा बताया गया की जो भी श्रद्धालु जिस भी मार्ग से आ रहे हो उन्हे सुगमता पूर्वक संगम या अन्य स्नान घाट तक पहुंचाए और मेले में वाहनों को चैराहों से उचित दूरी पर खड़ा होने के लिए उनके ड्राइवरों को बताए और स्नेहपूर्वक श्रद्धालुओं से चौराहे पर न खड़े होने को बताएं। मेले के निकटतम रेलवे स्टेशन के नाम वा दूरी की जानकारी अवश्य रखें साथ ही साथ क्षेत्र में ड्यूटी लगाई जाए उस सर्किल के एसएचओ,चौकी प्रभारी का नंबर जरूर सेव रखें मेले में किसी भी तरह के अफवाह को न फैलने दें जिससे भगदड़ की संभावना न होने पाए।

आज्ञात पापी दरिंदे ने चार वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ किया दुष्कर्म

(दहकती खबरें ब्यूरो)

इटवा(सिद्धार्थनगर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के एक गांव

निवासी लगभग चार वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ आज्ञात पापी दरिंदा दुष्कर्म कर फरारा हो गया। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन किया। पीडिता को चिकित्सा हेतु सदर अस्पताल भेजा गया। जानकारी के अनुसार स्थानीय थाना क्षेत्र के एक गांव में आज्ञात पापी दरिंदा लगभग चार वर्षीय एक बच्ची के साथ दुष्कर्म किया और फरार हो गया। इस पापी दरिंदे के दिमाग में कानून और पुलिस का बाल बराबर भय नहीं था। बताया जाता है कि इस पापी दरिंदे ने मंगलवार की रात दो बजे के लगभग बच्ची को घर से उठाकर ले गया। परिजन बच्ची को बिस्तर पर न पाकर उसे तलाश करते घर से बाहर निकले तो उसे बाग में रोते बिलखते घायल अवस्था में पाए। उसे इटवा सीएचसी पर इलाज के लिए ले गए। प्राथमिक चिकित्सा के बाद उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया। इस हृदय विदारक घटना से क्षेत्रीय लोगों में काफी रोष व्याप्त है। दोषी को जल्द पकडने और कडी सजा दिलाए जाने की लोगों ने पुसि प्रशासन से मांग की है। घटना के सम्बंध में अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर सिद्धार्थ ने अपने वीडियो बाइट में बताया कि घटना की सूचना पाकर तत्तकाल पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन किया। पीडिता को चिकित्सकीय सहायता हेतु सदर अस्पताल भेजा गया है। मौके पर शान्ति व्यस्था बनी है। पीडिता की हालत स्थित बतायी जा रही है। घटना के अनावरण के लिए दो टीमें गठित की गयी हैं। जल्द ही घटना का अनावरण किया जाएगा।

अपराधियों की गिरफ्तारी पुलिस ने 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

दहकती खबरें

ज़िला ब्यूरो चीफ मोहम्मद राशिद–सैय्यद

अंबेडकरनगर ! टाण्डा कोतवाली पुलिस द्वारा अपराधों के रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत 2 आरोपियों विपिन गुप्ता और अभिषेक राजभर को गिरफ्तार किया । ये आरोपी थाना कोतवाली टाण्डा के मुकदमा अपराध संख्या 348/24 में शामिल थे।

दिनांक–22.10.24 पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराधों के रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी के सम्बन्ध मे चलाये जा रहे अभियान के अनुक्रम मे व श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) के मार्गदर्शन में व क्षेत्राधिकारी टाण्डा शुभम कुमार सिंह के पर्वेक्षण, प्रभारी निरीक्षक के निर्देशन मे वरिष्ठ उपनिरीक्षक वेदप्रकाश यादव,उपनिरीक्षक राकेश खरवार, उपनिरीक्षक जयप्रकाश यादव, मय टीम के थाना हाजा पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 348/24 धारा 3 5 /118(2)/352/351(3) बीएनएस मे प्रकाश में आये अभियुक्तगण विपिन गुप्ता उर्फ़ अवनीश पुत्र दिनेश गुप्ता निवासी ग्राम चिंतौरा थाना कोतवाली टांडा जनपद आंबेडकरनगर, अभिषेक राजभर उर्फ गोलू राजभर पुत्र राजेश्वर राजभर निवासी– बलया जगदीशपुर थाना कोतवाली टांडा जनपद आंबेडकरनगर को थाना क्षेत्र के रामपुर कला हाईवे के किनारे से दिनाक 22/10/24 को समय–20.10 बजे गिरफ्तार किया गया जिसमे आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्त उपरोक्त को माननीय न्यायालय भेजा गया है उपरोक्त अभियोग में अब तक कुल 07 अभियुक्तगण की गिरफ़्तारी की जा चुकी है। वादिनी मेवाती देवी पत्नी स्वर्गीय मिठाई लाल

निवासी ग्राम हसनपुर सुन्थर, पोस्ट देवीपुर, थाना कोतवाली टाण्डा, अम्बेडकरनगर ने तहरीरी सूचना दिया कि वह अपने गांव में दिनांक 21/10/24 समय लगभग शाम 07रू00 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपनी बेटी पूजा के साथ समिति के बाहरी कलाकारों के लिए संजय पुत्र श्यामलाल के साथ भोजन बना रही थी और कड़ाही में तेल डालकर पूड़ी निकाल रही थी उसी समय शोलू उर्फ अविनाश वर्मा पुत्र सियाराम वर्मा निवासी ग्राम हसनपुर सुन्थार (चकसंसारीपुर) थाना कोतवाली टाण्डा,सूरज यादव उर्फ गोलू पुत्र वेद प्रकाश यादव निवासी ग्राम बहोरापुर थाना कोतवाली टाण्डा,राज यादव पुत्र अज्ञात निवासी पकड़ी भोजपुर थाना कोतवाली टाण्डा, प्रदीप पुत्र मिठाईलाल निवासी चिन्तौरा थाना कोतवाली टाण्डा, गुड्डू पता अज्ञात, नवनीत यादव पुत्र कुलदीप निवासी बहोरापुर थाना टाण्डा अपने 3 – 4 अन्य अज्ञात साथियों के साथ आकर गांव के प्रदीप राजभर उर्फ दीपू पुत्र रामकेवल को ढूढ़ते हुए गाली देते हुए खोजने लगे न मिलने पर मुझसे पूछा कि दीपू कहां है तो मैने बताया कि मैं नही जानती तभी सभी लोग नाराज होकर मुझे और मेरी पुत्री को भद्दी–भद्दी गालियां देने लगे मेरे व मेरी पुत्री के द्वारा विरोध करने पर सभी लोग आक्रोशित होकर कहने लगे कि अभी इसी कड़ाई में तुम दोनो को डाल देंगे। इतना कहते हुए कड़ाई में खौलते हुए तेल को उटाकर मेरी पुत्री पूजा के ऊपर फेंक दिये। जिससे मेरी पुत्री के दाहिने कन्धे से लेकर पैर तक आधा शरीर बुरी तरीके से जल गया है। मेरे द्वारा हल्ला गोहार करने पर शोलू उर्फ अविनाश वर्मा व उसके साथी लोग जान से मारने की धमकी देते हुए चले गये मेरी पुत्री पूजा को इलाज के लिए मेडिकल कालेज सद्दरपुर भेजा गया है। वादिनी की तहरीर पर मुकदमा अपराध संख्या 348/24 धारा 3/5 /118(2)/352/351(3) बीएनएस थाना को० टाण्डा पर पंजीकृत किया गया है। जिसकी विवेचना वरिष्ठ उपनिरीक्षक वेदप्रकाश यादव द्वारा संपादित की जा रही है। वर्तमान समय मे मजरुबा श्रीमती पूजा जिला चिकित्सालय अ०नगर के बर्न वार्ड मे बेड नंबर 08 पर वास्ते इलाज भर्ती हैं। पूछताछ–अभियुक्तगण उपरोक्त से मु0अ0सं0 348/24 धारा 3 (5) /118(2)/352/351(3) बीएनएस के संबंध मे पूछताछ की जी रही है। गिरफ्तार अभियुक्त– विपिन गुप्ता उर्फ़ अवनीश पुत्र दिनेश गुप्ता निवासी ग्राम चिंतौरा थाना कोतवाली टांडा,अभिषेक राजभर उर्फ गोलू राजभर पुत्र राजेश्वर राजभर निवासी– बलया जगदीशपुर थाना कोतवाली टांडा, गिरफ्तारी का दिनांक 22.10.2024 आपराधिक इतिहास विपिन गुप्ता उर्फ़ अवनीश पुत्र दिनेश गुप्ता निवासी ग्राम चिंतौरा थाना कोतवाली टांडा मुकदमा अपराध संख्या – 348/24 धारा 3(5)/118/2 /352/351(3) बीएनएस थाना टाण्डा मुकदमा अपराध संख्या –72/21 धारा 147/148/308/323/325/504/506 प्च्थाना टाण्डा मुकदमा अपराध संख्या – 31/24 धारा–489 – ठ 489 – सीआईसीपीसी(जाली नोट) थाना लालपुर पांडेयपुर जनपद वाराणासी मुकदमा अपराध संख्या –300/24 धारा–3 (1) 30 प्र0 गैंग एक्ट थाना लालपुर पांडेयपुर जनपद वाराणासी अभिषेक राजभर उर्फ गोलू राजभर पुत्र राजेश्वर राजभर निवासी– बलया जगदीशपुर थाना कोतवाली टांडा जनपद आंबेडकरनगर

मुकदमा अपराध संख्या – 348/24 धारा 3 (5) /118(2)/352/351(3) बीएनएस थाना टाण्डा

गिरफ्तारकर्ता पलिस टीम– वरिष्ठ उपनिरीक्षक वेदप्रकाश यादव, निरीक्षक सोया यादव, कांस्टेबल अजीत प्रजापति, कांस्टेबल अभय गुप्ता,

जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन, टाण्डा की आजाद टीम ने जीत हासिल की

दहकती खबरें

जिला ब्यूरो चीफ मोहम्मद राशिद–सैय्यद

अंबेडकरनगर ! के मुबारकपुर में आयोजित जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन हुआ, जिसमें टाण्डा की आजाद टीम ने जलालपुर की फरीदिया टीम को तीन गोल से पराजित किया। बतादे टाण्डा तहसील क्षेत्र के तिवारी चौराहा मुबारकपुर में आयोजित जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का मंगलवार का भव्य समापन किया गया। नगर के प्रसिद्ध उद्दमी हाजी जावेद अंसारी व स्थानीय सभासद मोहम्मद नसीम खान ने दोनों टीमों को पुरस्कार भेंटकर सम्मानित किया। वही आज़ाद टीम के खिलाड़ी अन्नू,इरफान व शादान ने एक एक गोल मार कर जलालपुर की फरीदिया टीम को तीन गोल से पराजित कर दिया। फाइनल विजेयता टीम आज़ाद के खिलाड़ियों को कृषि उद्दमी चेयरमैन हाजी जावेद अहमद अंसारी एवं अधिवक्ता संघ के संयुक्त मंत्री एवं समाजवादी पार्टी के तेज तर्रार जोन प्राभरी जिला सचिव अब्दुल माबूद एडवोकेट ने पुरस्कृत किया। उक्त अवसर पर कमेटी के पदाधिकारियों के अलावा भारी संख्या में फुटबॉल प्रेमी मौजूद रहे।

एस ए वी कॉलेज में तीन दिवसीय प्रथम सोपान, जांच शिविर का हुआ समापन

व्यूरो प्रमुख बंशीलाल के साथ दीलीप कुमार तीवारी की रिपोर्ट दैनिक दहकती खबरें

कौशाम्बी । सैनी कस्बे में स्थित एस ए वी इण्टर कॉलेज में भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश जनपद कौशांबी के तत्वावधान में प्रथम सोपान, जांच शिविर के तीन दिवसीय प्रशिक्षण का बुधवार को समापन हुआ । कार्यक्रम समापन के मुख्य अतिथि के रूप में जिला सचिव भारत स्काउट गाइड कौशाम्बी राम सुंदर सिंह रहे व विशिष्ट अतिथि विद्यालय के प्रबंधक राजेश कुमार पांडे, प्रधानाचार्य सतीश चंद्र शुक्ल रहे। स्काउट मास्टर कैप्टन कनौजिया ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि को स्कार्फ पहना करके स्वागत किया। साथ ही साथ स्काउट प्रभारी ऋषभदेव त्रिपाठी ने सभी अतिथियों को बैच लगाकर स्वागत किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि व जिला संगठन कमिश्नर स्काउट श्याम बाबू यादव को अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने स्काउट गाइड को बताया कि स्काउटिंग गाइडिंग से छात्र–छात्राओं का शारीरिक मानसिक शैक्षिक का सर्वांगीण विकास होता है और निस्वार्थ भाव से सहयोग की भावना रहती है। विशिष्ट अतिथि मैनेजर राजेश कुमार पांडे ने बताया कि किसी भी प्रकार की आपदाओं में स्काउट गाइड सहयोग करने में पूरी तरह से तत्पर रहते हैं और कम से कम संसाधनों में अच्छी से अच्छी व्यवस्था बना रखते हैं। कार्यक्रम में जिला संगठन कमिश्नर श्याम बाबू यादव ने स्काउट गाइड को प्राथमिक चिकित्सा, गांठे, बंधन, सीटी के संकेत, खोज के चिन्ह आदि विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया। ट्रेनिंग काउंसलर अमित कुमार ने सैल्यूट, शिविर के नियम, ड्यूटी, रोटा चार्ट आदि के बारे में बताया विद्यालय के स्काउट मास्टर कैप्टन कनौजिया, गाइड कैप्टन कीर्ति कोटार्य ने स्काउट गाइड को झंडा गीत, प्रार्थना, नियम, प्रतिज्ञानआदि के बारे में प्रशिक्षित किया। कार्यक्रम का संचालन श्याम बाबू यादव जिला संगठन कमिश्नर स्काउट ने किया। कार्यक्रम का समापन ध्वज अवतरण कर राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम में विवेक शुक्ला, संगम लाल, लालचंद विकास पांडे सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

पुलिस ने मिशन शक्ति अभियान के तहत 5 वैवाहिक जोड़ों के विवाद सुलझा कर विदा किया

दहकती खबरें

ब्यूरो इन चीफ मोहम्मद राशिद–सैय्यद

अंबेडकरनगर ! पुलिस ने मिशन शक्ति अभियान के तहत

परिवार परामर्श प्रकोष्ठ के माध्यम से 5 वैवाहिक जोड़ों के पारस्परिक परिवारिक विवाद को सुलझाया। प्रभारी परिवार परामर्श प्रकोष्ठ महिला उपनिरीक्षक शिवांगी त्रिपाठी और महिला आरक्षी सोनी गौतम, महिला आरक्षी पूनम शर्मा के प्रयास से पति–पत्नी के बीच चले आ रहे विवाद को सुलझाया गया और उन्हें आपसी सहमति से एक साथ रहने के लिए समझाया गया। सभी हॅसी खुशी अपने घर के लिये वापस हुये ।

वकील का घर के अंदर बेड पर मिला जला हुआ शव

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की संभावना

दहकती खबरें।

शाहाबाद हरदोई। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला चौक में रहने वाले डीआईओएस के वकील पुत्र की घर के अंदर कर सर्किट से करंट लगने के बाद जलकर मौत हो गई। पूरे

दिन जब शैलेश ने जब अपने पिता का फोन नहीं उठाया तो आसपास के लोगों ने देखा दरवाजा अंदर से बंद था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो अंदर बेड पर शैलेश का जला हुआ शव पड़ा था। शैलेश के पिता मुरादाबाद में तैनात है। शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला चौक निवासी श्यामा कुमार राजकीय इंटर कॉलेज मुरादाबाद में प्राचार्य थे। अभी जल्दी ही उनका डीआईओएस के पद पर प्रमोशन हुआ है । वह अपनी पत्नी के साथ मुरादाबाद में रहते हैं। उनका बेटा शैलेश कुमार उर्फ दीपक उम्र 28 वर्ष जिला मुख्यालय पर वकालत की प्रैक्टिस करता है। और चौक स्थित अपने आवास पर अकेला रहता था। पिता श्यामा कुमार लगातार सुबह से शैलेश को फोन कर रहे थे। शैलेश का फोन नहीं उठ रहा था। उन्होंने आसपास के लोगों को फोन पर सूचना दी कि शैलेश से बात करवा दें। आसपास के लोगों ने बताया कि शैलेश ने आज दरवाजा नहीं खोला। श्यामा कुमार ने अपने मित्र उमेश चौधरी को सूचना दी। उमेश चौधरी बुधवार शाम तकरीबन 4:00 बजे उनके आवास पर पहुंचे और देखा दरवाजा बंद है। अभी आवाज देकर दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया परंतु दरवाजा नहीं खुला। उसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। उसके बाद दरवाजा काटकर पुलिस अंदर पहुंची तो कमरे में बेड के ऊपर शैलेश का जला हुआ शव पड़ा था। बेड पर ही बिजली का प्रेस रखा था। कयास यह लगाया जा रहा है कि प्रेस करते वक्त या तो शैलेश के करंट लगा और शैलेश गिर गया और प्रेस बेड पर रखी रही जिससे बेड जल गया या फिर शैलेश लगी हुई प्रेस छोड़कर सो गया। कमरे का सारा सामान और कुर्सियां जली हुई थी। शैलेश भी पूरी तरह से जल चुका था। शैलेश घर में अपनी बहन के साथ रहता था। एक साल पहले उसकी बहन की भी बीमारी के चलते मौत हो गई थी। शैलेश इस वक्त घर में अकेला रहता था। उसकी मां उसके पिता के साथ में रहती है। छोटा भाई बाहर पढ़ रहा है। समाचार लिखे जाने तक डीआईओएस श्यामा कुमार अपने घर नहीं पहुंच सके थे।

पांच दिन बाद लापता बालक का गन्ने के खेत में मिला शव, क्षेत्र में हड़कंप एसपी ने मौके पर पहुंच मौका मुआयना किया

दहकती खबरें।

शाहाबाद हरदोई। पांच दिन पूर्व खेलते समय लापता हुए कक्षा 5 के छात्र का शव गन्ने के खेत में मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पाकर क्षेत्राधिकारी अनुज कुमार मिश्रा और प्रभारी निरीक्षक मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना किया। बालक के शव मिलने के बाद हत्या का संदेह जताया जा रहा है। फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच चुकी है और जांच पड़ताल कर रही है। पुलिस अधीक्षक ने घटनास्थल पर पहुंचकर मौका मुआयना कर पुलिस को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लालपुर निवासी नेतराम के अनुसार 18 अक्टूबर को उसका 11 वर्षीय पुत्र आयुष रात्रि तकरीबन 9:00 बजे घर के बाहर खेल रहा था और वहीं से अचानक लापता हो गया। परिजनों ने आयुष की काफी तलाश की परंतु उसका पता नहीं चल सका। दूसरे दिन आयुष के पिता ने कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई। बुधवार को दोपहर 1रू00 बजे गन्ने के खेत में आयुष का क्षत–विक्षत शव मिलने के बाद हड़कंप मच गया। मौके पर भारी भीड़ एकत्रित हो गई। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पाकर क्षेत्राधिकारी अनुज कुमार मिश्रा, प्रभारी निरीक्षक निर्भय सिंह फोर्स बल के साथ मौके पर पहुंचे और मौका

मुआयना किया। घटना से उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन मौके और बारीकी से घटनास्थल का निरीक्षण किया और पुलिस को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर रही है। बालक की हत्या की संभावना जताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने बताया बालक की हत्या किए जाने की संभावना है लेकिन बालक का शव जो क्षत विक्षत हुआ है। वह किसी जानवर द्वारा क्षत–विक्षत किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया परिवार के लोगों से बातचीत की गई लेकिन परिवार के लोगों ने अभी किसी पर भी हत्या का संदेह नहीं जताया लेकिन पुलिस बारीकी के साथ घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद अपने स्तर से जांच कर रही है और जल्दी इसका खुलासा किया जाएगा।

चक्रवात 'दाना' के प्रभाव को कम करने के लिए रेलवे सक्रिय कदम उठा रहा है

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज।ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों पर आने वाले भीषण चक्रवात 'दाना' के मद्देनजर रेल मंत्रालय में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें संबंधित जोनल रेलवे यानी ईस्ट कोस्ट रेलवे और साउथ ईस्टर्न रेलवे की तैयारियों की समीक्षा की गई।केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ, सभी बोर्ड सदस्य, पूर्वी तट रेलवे और दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक, खड़गपुर, चक्रधरपुर, आद्रा और खुर्दा रोड के मंडल रेल प्रबंधकों ने भाग लिया था। रेल मंत्री ने न्यूनतम व्यवधान के साथ अधिकतम तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी सलाह दी कि यात्रियों को न्यूनतम असुविधा सुनिश्चित करने का ध्यान रखा जाना चाहिए।

बैठक में ईस्ट कोस्ट रेलवे और साउथ ईस्टर्न रेलवे के महाप्रबंधकों ने रेलवे की तैयारियों के संबंध में विवरण प्रदान किया, जो इस प्रकार हैः राज्य मुख्यालय यानी भुवनेश्वर और गार्डन रीच (कोलकाता), खुर्दा रोड, विशाखापत्तनम, संबलपुर, चक्रधरपुर, आद्रा, रांची, खड़गपुर और बालेश्वर के मंडल कार्यालयों में चौबीसों घंटे चलने वाले 9 समर्पित वॉर रूम स्थापित किए जाएंगे। अधिकारियों द्वारा संचालित किए जाएंगे ताकि चक्रवात के कारण कोई भी त्वरित निर्णय लिया जा सके और सेवाओं तथा बुनियादी ढांचे की शीघ्र बहाली सुनिश्चित की जा सके। रेलवे वास्तविक समय पर अपडेट प्राप्त करने और आवश्यकतानुसार संसाधन जुटाने के लिए मौसम विभाग के साथ निरंतर संपर्क बनाए हुए हैजब भी आवश्यक हो सोरो, जलेश्वर और अन्य महत्वपूर्ण स्टेशनों जैसे विभिन्न स्थानों पर पटरियों, सिग्नलिंग प्रणाली और विद्युतीकरण की त्वरित बहाली के लिए विशेष टीमों को तैनात किया जाता है। बिजली कटौती होने पर रेलगाडी संचालन सुनिश्चित करने के लिए डीजल इंजन भी तैयार रखे गए हैं।भोजूडीह, बोकारो स्टील सिटी, सोरो, नीमपुरा, आद्रा, राजगोड़ा, बछरावां, केंदुआ, कालाघर, तपांग, छतरपुर, पलासा, हिंडोल रोड, राधाकिशोरपुर, केंद्रपाड़ा, रघुनाथपुर, हरिदासपुर जैसे सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर पर्याप्त संख्या में 600 से अधिक

खेत चराने का विरोध करने पर दबंगो ने की मारपीट,केस दर्ज

व्यूरो प्रमुख बंशीलाल के साथ दीलीप कुमार तीवारी की रिपोर्ट दैनिक दहकती खबरें

कौशाम्बी । सैनी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में खेत चराने का विरोध करना पीड़िता को महंगा पड़ गया , पीड़िता का आरोप है कि दबंगों ने महिलाओं , बच्चो के साथ गाली गलौच करते हुए मारपीट की और जातिसूचक शब्दो का इस्तेमाल किया , पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने दबंगो के विरुद्ध केस दर्ज कर कार्यवाही में जुट गई है । सैनी कोतवाली क्षेत्र के कोरियो गांव की राजरानी ने सैनी पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि गांव के कुछ दबंग उसके धान को चराते है , विरोध करने पर गाली गलौच व जातिसूचक शब्दो का इस्तेमाल करते है। राजरानी का आरोप है कि खेत चराने का विरोध करने पर आधा दर्जन के करीब दबंग रविवार को मारपीट करने लगे जिसमें उसके पुत्र चमन , अमन विपिन व पुत्री रोशनी सहित राजरानी जख्मी हो गए ।पीड़िता की शिकायत पर सैनी पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज कर कार्यवाही ने जुट गई है ।

डीआईओएस सहित विद्यालय परिवार ने छात्रा को दी बधाई

कौशाम्बी । विकास खंड कड़ा के केन कनवार में स्थित धर्मा देवी इंटर कालेज की छात्रा का भारोत्तोलन प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित किया गया है । प्रयागराज के सी ए वी इंटर कॉलेज में आयोजित 68वीं प्रदेशीय विद्यालयीय भारोत्तोलन प्रतियोगिता में धर्मा देवी इंटर कॉलेज की छात्रा शकुन ने 65 किलोग्राम भारवर्ग में सबसे अधिक 151 किलोग्राम वजन उठाकर गोल्ड मेडल अर्जित कर अपने मण्डल, जनपद एवं विद्यालय का नाम रोशन करते हुए राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिये चयनित हुयी ।

दबंग ने ग्रामसभा की जमीन पर किया अवैध कब्जा, प्रधान ने एसडीएम से खाली कराए जाने की मांग

व्यूरो प्रमुख बंशीलाल के साथ दीलीप कुमार तीवारी की रिपोर्ट दैनिक दहकती खबरें

कौशाम्बी । सिराथू तहसील के एक गांव ने ग्रामसभा की भूमि पर दबंग ने अवैध कब्जा कर रखा है , ग्राम प्रधान के दखल के बाद अब तक ग्रामसभा की जमीन को दबंग के चंगुल से खाली नहीं कराया गया , जिसके बाद ग्राम प्रधान ने एसडीएम से ग्रामसभा की जमीन को खाली कराए जाने की मांग की है।

सिराथू तहसील के रूप नारायणपुर गोरियों की ग्राम प्रधान पायल पटेल ने एसडीएम सिराथू को शिकायती पत्र देकर बताया कि ग्रामसभा की भूमि पर गांव के एक दबंग अवैध कब्जा कर रखा है तहसील प्रशासन के दखल के बाद भी दबंग उक्त जमीन को खाली नहीं कर रहा है , प्रधान ने एसडीएम से उक्त जमीन को खाली कराए जाने की मांग की है ।

सरकारी हैंडपंप में दबंग ने डाला मोटर, एसडीएम से शिकायत

व्यूरो प्रमुख बंशीलाल के साथ दीलीप कुमार तीवारी की रिपोर्ट दैनिक दहकती खबरें

कौशाम्बी । सिराथू तहसील क्षेत्र के एक गांव में एक दबंग ने सरकारी हैंडपंप में मोटर डालकर स्टाटर घर के अंदर लगा रखा है , ग्रामीणों ने जब इस बात का विरोध किया तो दबंग गाली गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा , पीड़ित ने एसडीएम से शिकायत कर कार्यवाही की मांग की है । कड़ा धाम थाना क्षेत्र के अंबाई बुजुर्ग निवासी आकाश कुमार पुत्र राम विशाल ने एसडीएम सिराथू को शिकायती पत्र देकर बताया कि उसके घर के पास सरकारी हैंडपंप लगा है , आकाश का आरोप है कि मोहल्ले का एक दबंग जबरन सरकारी हैंडपंप ने मोटर डालकर स्टाटर घर के अंदर लगा लिया । जब इस बात का विरोध किया तो दबंग गाली ग़लौच करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगा । पीड़ित ने एसडीएम से कार्यवाही की मांग की है।

देवर देवरानी पर मारपीट का आरोप

व्यूरो प्रमुख बंशीलाल के साथ दीलीप कुमार तीवारी की रिपोर्ट

कौशाम्बी । कोखराज थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली एक महिला के साथ मामूली बात को लेकर देवर देवरानी ने मारपीट करने लगे , पीड़िता ने मामले की शिकायत पुलिस से करते हुए कार्यवाही की मांग की है । कोखराज थाना क्षेत्र के पलटीपुर निवासी मुर्दी देवी पत्नी सियाराम ने कोखराज पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि मंगलवार की शाम मामूली बात को लेकर उसके देवर व देवरानी मारपीट करने लगे । पीड़िता ने मामले में कोखराज पुलिस से शिकायत कर कार्यवाही की मांग की है।

महाप्रबंधक ने किया पंडित दीनदयाल उपाध्याय-प्रयागराज रेल खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण

अमृत भारत स्टेशन के अंतर्गत चयनित सोनभद्र, चुनार, मिर्जापुर और विंध्याचल स्टेशनों के विकास कार्य का किया निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे, उपेंद्र चंद्र जोशी ने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित किए जा रहे सोनभद्र, चुनार, मिर्जापुर और विंध्याचल स्टेशनों, चोपन-चुनार रेल खण्ड का दोहरीकरण एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय-प्रयागराज खण्ड के मध्य तीसरी रेल लाइन के कार्य प्रगति का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान प्रधान मुख्य इंजीनियर/उत्तर मध्य रेलवे, एस सी जैन; मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, विपिन कुमार; मण्डल रेल प्रबंधक/प्रयागराज, हिमांशु बडोनी, अपर मंडल रेल प्रबंधक/इंफ्रा नवीन प्रकाश सहित मुख्यालय और मण्डल के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक ने सर्वप्रथम अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चयनित सोनभद्र स्टेशन पर चल रहे विकास कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक/इंफ्रा, नवीन प्रकाश ने सोनभद्र स्टेशन की कार्य प्रगति, भावी स्वरूप एवं यात्री सुविधाओं के बारे में महाप्रबंधक को विस्तार पूर्वक अवगत कराया। महाप्रबंधक ने निरीक्षण के अगले क्रम में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चुनार जंक्शन, मिर्जापुर एवं विंध्याचल स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया । इन स्टेशनों पर विकसित की जा रही यात्री सुविधाओं की समीक्षा की । निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने कार्य को गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए और कहा सभी संबंधित कर्मचारी कार्य के दौरान कार्यस्थल पर संरक्षा नियमों का पालन किया जाना सुनिश्चित करें। चोपन-चुनार रेल खण्ड के दोहरीकरण एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय-प्रयागराज के मध्य तीसरी लाइन के कार्यों के निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक महोदय ने मुख्यालय और मण्डल के सभी संबंधित विभागों को भविष्य की योजनाओं को ध्यान में रखते हुए प्लानिंग करने और कार्य के कार्यान्वयन करने के निर्देश दिए। उन्होंने आने वाले 2-3 सालों में किए जाने वाले कार्यों के अनुसार वर्तमान के कार्यों को किए जाने हेतु सभी विभागों को बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्य करने के दिशानिर्देश भी दिए।

महाप्रबंधक ने निरीक्षण के दौरान स्टेशनों पर उपलब्ध सुविधाओं, व्यवस्थाओं एवं स्वच्छता को बारीकी से देखा। महाप्रबंधक ने चुनार-चोपन एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय - प्रयागराज रेल खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण भी किया । ज्ञात हो कि विंडो-ट्रेलिंग निरीक्षण भारतीय रेल में एक विशेष निरीक्षण है, जिसमें चलती ट्रेन से निरीक्षण कार की पिछली खिड़की से ट्रैक और उसके आसपास के प्रतिष्ठानों जैसे सिग्नल, ओएचई, प्लेटफॉर्म आदि का निरीक्षण किया जाता है। निरीक्षण के दौरान, मार्ग में पड़ने वाले स्टेशनों की सफाई, यात्री सुविधाएं और समग्र स्थिति, विशेष रूप से प्वाइंट और क्रॉसिंग पर ट्रेन की सवारी की गुणवत्ता, ट्रैक ज्योमेट्री इंडेक्स (टीजीआई) में सुधार, ओएचई स्थिति, समपार फाटकों की स्थिति, सिग्नल दृश्यता, सिग्नल बाक्स की स्थिति, जैसे महत्वपूर्ण पैरामीटर आदि महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे द्वारा देखे गए।

सीडीओ ने की इंदिरा मैराथन की तैयारियों के सम्बंध में बैठक

सीडीओ ने सभी विभागों के अधिकारियों को अपने विभागों से सम्बंधित तैयारियों पूर्ण करें

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित संगम सभागार में 19 नवम्बर, 2024 को होने वाली 39 वीं अखिल भारतीय प्राइजमनी इंदिरा मैराथन की तैयारियों के सम्बंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने सभी विभागों के अधिकारियों को अपने विभागों से सम्बंधित तैयारियों को समय से सुनिश्चित कराने के निर्देश

दिए।मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों को मैराथन रूट में किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाये। उन्होंने मैराथन मार्ग पर सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती करने, अधिशाषी अभियंता पीडब्लूडी को मैराथन रेस मार्गों की मरम्मत कराने तथा नगर निगम को साफ-सफाई कराने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य विभाग को चिकित्सकों, दवा की किटों के साथ-साथ एम्बुलेंस की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक यातायात को ट्रैफिक की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने तथा जिला विद्यालय निरीक्षक को अधिक से अधिक खिलाड़ियों की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा मैराथन के समापन के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किए जाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक मुक्त, हरित कुंभ, स्वच्छ कुंभ के बैनर पोस्टर इंदिरा मैराथन के रास्ते में लगाए जाये, जिससे कि महाकुंभ 2025 के आयोजन को लेकर स्वच्छ कुंभ ग्रीन महाकुंभ का प्रचार प्रसार हो सके। उन्होंने कहा कि समापन स्थल पर वीडियोग्राफी/ तकनीकी व्यवस्था कराई जाए ताकि प्रथम, द्वितीय, तृतीय आने वाले खिलाड़ियों का सही से निर्धारण/चिन्हांकन किया जा सके, जिसको लेकर कोई समस्या ना हो। क्रीड़ा अधिकारी द्वारा बताया गया

डीएम की अध्यक्षता में त्यौहारों को सकुशल ढंग से सम्पन्न कराये जाने के सम्बंध में बैठक सम्पन्न

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। अपर पुलिस आयुक्त एन0 कोलांची एवं जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में धनतेरस, दीपावली, भैया दूज, डाला छठ पर्व, अक्षय नवमी, हरिप्रबोधनी एकादशी, कार्तिक पूर्णिमा त्यौहारों को पवित्रता, सौहार्दपूर्ण व शांतिपूर्ण तरीके से सकुशल ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु प्रशासन की तैयारियों के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी अधिकारियों से इन आगामी महत्वपूर्ण त्यौहारों के सकुशल आयोजन कराये जाने के सम्बंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था व नागरिकों को कोई समस्या व असुविधा न होने पाये। जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी नगर से कलेक्टेड्रट में त्यौहारों के अवसर पर किसी भी आपात कालीन स्थिति के दृष्टिगत एक कंट्रोल रूम की स्थापना किए जाने व कंट्रोल रूम में प्रशासन, पुलिस, विद्युत, स्वास्थ्य व अग्निशमन विभाग के अधिकारियों की तैनाती करने के लिए कहा, जिसपर अपर जिलाधिकारी नगरी ने बताया कि आपदा कंट्रोल रूम की स्थापना कर दी गयी है, जिसका नं0-0532-2641577 व 0532-2641578 है। इन नंबरों पर कोई भी नागरिक आपात स्थिति की जानकारी दे सकता है।जिलाधिकारी ने नगर निगम, पीडब्लूडी, पीडीए, के सम्बंधित अधिकारियों से गड्ढ़ा मुक्ति कार्य की प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि सभी अवशेष कार्यों को 28 अक्टूबर तक अवश्य पूर्ण कर लें और इसके सम्बंध में प्रमाणपत्र भी कंट्रोल रूम को उपलब्ध करा दें। जिलाधिकारी ने नगर निगम के अधिकारियों से इस अवसर पर मंदिरों, बाजारों, भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था व नाइट पेट्रोलिंग कर सभी खराब रोड़ लाईटों को चिन्हित कर 28 तारीख के पूर्व ही सही कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि फागिंग, एण्टी लार्वा, नाली-नालों की सफाई

नियमित रूप से करायी जाती रहे, कहीं पर भी जल-जमाव की स्थिति न होने पाये।उन्होंने विकास प्राधिकरण के अधिकारियों से चौराहों पर सौन्दर्यीकरण व लाइटिंग की व्यवस्था कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने बाजार समितियों के साथ बैठक कर उनसे सम्बंधित समस्याओं का निराकरण कराये जाने के लिए कहा है।जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के नोडल अधिकारी को विद्युत की निर्बाध आपूर्ति कराये जाने हेतु खराब ट्रांसफार्मर व जर्जर तारों को बदलने तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थायें समय से कराये जाने के साथ 26 तारीख तक सभी व्यवस्थायें सुनिश्चित होने सम्बंधी प्रमाणपत्र भी उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया है।

बैठक में जिलाधिकारी ने पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों को पटाखे की बिक्री हेतु निर्धारित किए गए स्थल पर लाइसेंस प्राप्त दुकानों के माध्यम से ही बिक्री सुनिश्चित कराये जाने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने पटाखों की ब्रिकी करने वाली दुकानों पर सभी मानकों व दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराये जाने के लिए कहा है। पटाखा बिक्री स्थलों पर फायर सेफ्टी की व्यवस्था व फायर ब्रिगेड वाहन को एलर्ट मोड में रखने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने प्रवर्तन की प्रभावी कार्यवाही कराते हुए पटाखे निर्माण की अवैध फैक्ट्री के संचालन पर रोक लगाये जाने के लिए कहा है।जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से इस अवसर पर दवाओं की उपलब्धता, एम्बुलेंस व अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थायें कराये जाने के सम्बंध में एक प्लान बनाकर उसे 25 तक कंट्रोल रूम में उपलब्ध कराये जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों सहित अस्पतालों में इमरजेंसी बर्न यूनिट व अन्य सभी आवश्यक व्यवस्था बनाये रखने के लिए कहा है।जिलाधिकारी ने खाद्ध सुरक्षा विभाग के अधिकारियों से लगातार छापे की कार्यवाही कर खाद्ध पदार्थों के नमूने संकलित करने व मिलावटी मावा व दूध की आपूर्ति पर रोक लगाये जाने हेतु कड़ी कार्यवाही करने के लिए कहा है।जिलाधिकारी ने धनतेरस व दीपावली के पर्व पर देर रात तक खरीददारी के दृष्टिगत महिलाओं की सुरक्षा, चेन स्नैचिंग व छेड़छाड़ की घटनाओं को रोकने हेतु देर रात तक पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने बाजारों में अतिक्रमण से जाम की स्थिति न उत्पन्न हो, इसके लिए यातायात व्यवस्था को चुस्त-दूरूस्त बनाये रखने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने छठ पूजा के अवसर पर घाटों पर प्रकाश, पीएस सिस्टम की व्यवस्था, साफ-सफाई, चेंजिंग रूम, पेयजल, मोबाइल टॉयलेट, गोताखोर, बैरिकेटिंग सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को समय से सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिया है। उन्होंने विद्युत विभाग को घाटों पर प्रकाश की समुचित व्यवस्था एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये है। उन्होंने सफाई की व्यवस्था के लिए नगरीय क्षेत्रों में नगर निगम एवं नगर पंचायतों में अधिशाषी अधिकारी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के घाटों पर जिला पंचायतराज अधिकारी को निर्देशित किया है कि साफ-सफाई की मुकम्मल व्यवस्था सुनिश्चित रहे। साथ ही साथ पुलिस प्रशासन को निर्देशित किया है कि महिलाओं की सुरक्षा हेतु महिला पुलिस की तैनाती किए जाने, यातायात व पार्किंग की व्यवस्था आदि की व्यवस्थायें समय से पूर्ण कर ली जाय। उन्होंने गहरें पानी में साइनेज एवं बैरिकेटिंग लगाये जाने के निर्देश दिये है। अपर पुलिस आयुक्त एन0 कोलांची ने आगामी त्यौहारों की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी लोग त्यौहारों को सामाजिक सौहार्द, एकता व भाई-चारे के साथ मनाये। यदि कोई भी व्यक्ति सामाजिक कटुता व वैमन्स्यता फैलाने का कार्य कर रहा है या अवैध गतिविधियों में संलिप्त है, तो उसकी सूचना सबसे पहले 112 पर दें, जिससे कि असामाजिक तत्वों के विरूद्ध समय से प्रभावी कार्यवाही हो सके और सामाजिक सौहार्द एवं आपसी भाईचारा को कायम रखा जा सके। उन्होंने बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशनों, सर्राफा की दुकानों सहित अन्य स्थानों पर विशेष चौकसी बरतने व दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों को क्रियाशील रखने के लिए कहा है।

उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निरंतर भ्रमणशील रहकर चॉक-चौबंद व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर डीसीपी नगर श्री अभिषेक भारती, अपर जिलाधिकारी नगर मदन कुमार, उपजिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारीगण, छठ पूजा समिति के अध्यक्ष अजय राय, सिविल डिफेंस व जिला अपराध निरोधक समिति के सदस्यगण सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

उर्वरक की कमी नहीं-जिला कृषि अधिकारी

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। वर्तमान में रबी फसलों की बुवाई प्रारम्भ होने के दृष्टिगत जनपद के कृषकों द्वारा

फास्फेटिक उर्वरकों(डी0ए0पी0/एन0पी0 के0) की अधिक मॉग के दृष्टिगत जिलाधिकारी महोदय, प्रयागराज के द्वारा नियमानुसार उर्वरक के बिक्री के लिए दिये निर्देशः-

जनपद में 30014 मै0टन यूरिया, 4842 मै0टन डी0ए0पी0, 7378 मै0टन एन0पी0के0, 5850 एम0ओ0पी0 तथा 2980 मै0 टन एस0एस0पी0 उपलब्ध है। हाल ही में 2000 मै0टन फास्फटिक उर्वरक जनपद को प्राप्त हुई है, अगले 2-3 दिनों में फरस्फैटिक उर्वरक की और रैक आने की सम्भावना है, साथ ही जिला कृषि अधिकारी के0के0 सिंह द्वारा अवगत कराया गया कि सहकारी एवं निजी विक्रेताओं द्वारा बिक्री किये जाने वाले उर्वरकों के मूल्य एवं गुणवत्ता में कोई अन्तर नहीं है। जनपद के कृषकों को संसूचित करना है कि डी0ए0पी0 के विकल्प के रूप में एन0पी0के0 उपयोग को बढ़ावा दें। इस उर्वरक में नाइट्रोजन, फास्फोरस के अतिरिक्त पोटैशियम और सल्फर भी पाया जाता है, जो फसलों में बढ़वार के लिए अत्यन्त लाभदायक है। उक्त के अतिरिक्त डी0ए0पी0 के विकल्प के रूप में एस0एस0पी0 एवं यूरिया का प्रयोग एक साथ बुवाई के समय करने से कृषकों के उत्पादन लागत में कमी आयेगी और अत्यधिक उत्पादन भी प्राप्त होगा। जनपद के सभी सहकारी एवं निजी उर्वरक बिक्री केन्द्रों द्वारा कृषकों को उनके जोत के आधार पर आवश्यक उर्वरक की मात्रा निर्धारित करते हुये, पी0ओ0एस0 मशीन से शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिये गये हैं। जिलाधिकारी द्वारा उर्वरक बिक्रय केन्द्रों पर सहकारिता. कृषि एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम गठित करते हुये निर्धारित मूल्य पर नियमानुसार बिक्री कराये जाने हेतु सतत निगरानी किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी प्रकार अर्न्तराज्यीय सीमावर्ती क्षेत्रों में कृषि विभाग एवं पुलिस की गठित संयुक्त टीमों के द्वारा उर्वरक के अवैध परिसंचरण की सतत् निगरानी की जा रही है।

सवा लाख दीपो से श्रीरामघाट को सजाने की तैयारी मे दिया बनाने मे जुटे कुम्हार

कार्यालय संवाददाता

श्रृंग्वेरपुरधाम। श्रृंगी ऋषि की तपोभूमि एवं प्रभु श्रीराम की कर्मभूमि श्रृंग्वेरपुर धाम मे आगामी 29 अक्टूबर से जय श्रीराम सेवा समिति के तत्वाधान मे आयोजित होने वाले तीन दिवसीय श्रृंग्वेरपुर महोत्सव की तैयारियो के लिए कुम्हार दिया बनाने मे जुटे हुए है। धनतेरस से दीपावली तक चलने वाले श्रृंग्वेरपुर महोत्सव मे विभिन्न सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इसी क्रम मे श्रृंग्वेरपुरधाम मे सवा लाख दीपो की तैयारियां जोरो पर है। श्रृंग्वेरपुरधाम के श्रीराम घाट की सीढ़ियों की साफ सफाई, शांता श्रृंगी ऋषि मंदिर का रंगरोगन एवं झालरों की लड़ी से श्रृंग्वेरपुरधाम को सजाया जायेगा। श्रृंग्वेरपुर स्थित श्रीरामघाट वही स्थल है जहाँ भगवान श्रीराम ने पत्नी सीता एवं अनुज लक्ष्मण के साथ गंगा पूजन दो बार किया था। इसलिए यह

भूमि मानौती को पूर्ण करने वाली भूमि मानी जाती है। मान्यताओं के अनुसार वनवास के दौरान प्रभु श्रीराम ने मां गंगा का पूजन करके दीप जलाकर वनवास को प्रस्थान किये थे। एवं माता सीता ने पति देवर के साथ सकुशल वापस लौटने की मानौती भगवती गंगा से मांगी थी। जब माता सीता वापस श्रृंग्वेरपुरधाम पहुंची तो उन्होंने दीपक जलाकर मां गंगा का पूजन पुनः किया। इसी क्रम मे श्रृंग्वेरपुरधाम के श्रीरामघाट पर आगामी 30 अक्टूबर को दिव्य दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। जिसमे सवा लाख दीपक की ज्योति भगवान श्रीराम के त्रेता युगीन के दृश्यों की साक्षी बनेगी। श्रृंग्वेरपुर महोत्सवके अध्यक्ष संजय तिवारी एवं महोत्सव के संचालक अरुण द्विवेदी ने बताया कि श्रृंग्वेरपुरधाम मे महोत्सव की झंकियों के साथ सवा लाख दीपक का कार्यक्रम रखा गया है। इस वर्ष श्रृंग्वेरपुर महोत्सव का यह पांचवा वर्ष है। वर्ष 2020 मे श्रृंग्वेरपुर महोत्सव का शुभारम्भ किया गया था। संचालक अरुण द्विवेदी का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संकल्प को पूर्ण करने के उद्देश्य से श्रृंग्वेरपुर महोत्सव का शुभारम्भ किया गया था। वर्ष 2017 मे शासन द्वारा श्रृंग्वेरपुर महोत्सव कराया जाना सुनिश्चित किया गया था। लेकिन किन्ही कारणों से नहीं हो सका था। वर्ष 2020मे श्रृंग्वेरपुर महोत्सव का शुभारम्भ इस संकल्प को पूर्ण करने के उद्देश्य से किया गया था।

श्रृष्टि वेस्टै मेनेजमेंट द्वारा चला विशेष स्वच्छता अभियान

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। नगर निगम के तत्वावधान मे श्रृष्टि बेस्ट मैनेजमेंट ने शहर को साफ स्वच्छ बनाए रखने के लिए स्वच्छता के प्रति जागरुक करना और अपने सफाई कर्मचारियो के द्वारा घर घर कुडा को नगर निगम के गाडी आने पर दरवाजा खटखटा कर कुडा लेने के साथ जागरुक कर कहना घर मे दो डस्टवीन रखना एक मे सूखा कूड़ा दूसर मे गिला कूड़ा रखने कै लिये जागरुक करना स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 महाकुम्भ के लीये विषेश सफाई अभियान के प्रति नम्बर वन बना रहे लोगो से सहयोग करने हेतू जागरुक करना वही नगर-निगम के स्वच्छता ब्राण्ड एम्बेसडर राजेंद्र कुमार तिवारी दुकानजी स्लोगन लिखे तख्ती को लेकर आने वाले महाकुम्भ मे प्रयागराज को स्वच्छता के प्रति और पॉलिथिन थर्मोकोल प्लास्टिक के

सामग्री के जगह कागज के कप ग्लास पत्तल ये मिट्टी के चाय कप पानी के लिये कुल्हण का प्रयोग करे महाकुम्भ मे स्वच्छा बनाये रखने के लिये प्रयागराज की गरिमा बनाये रखने के लीये नगर निगम मे कमर कसी अब सभी सम्मानित नागरिक स्वच्छता को अब मजबूरी नही संस्कार मे लाया प्रयागराज को साफ स्वच्छ बनाए जानकारी दुकानजी ने दिया।

उर्वरकों के रूप में एनपी के का फसल बुआई के समय करें प्रयोग

कार्यालय संवाददाता

रायबरेली। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि पौधों के लिए जरूरी पोषक तत्वों में नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश आते हैं। अगर तीनों को एक साथ उपयोग किया जाये तो पौधों को यह सभी पोषक तत्व आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं तथा भूमि में इनका संतुलन भी बना रहता है। इस उर्वरक के प्रयोग से फसलों के विकास एवं उनकी उत्पादकता को बढ़ाया जा सकता है। यह उर्वरक बीज अंकुरण और प्रारंभिक विकास में सहायता करता है तथा जड़ों की मजबूत वृद्धि को सुगम बनाता है, फूलों एवं फलों के विकास में मदद एवं गुणवत्ता में सुधार करता है, जल में घुलनशील एवं पौधों द्वारा आसानी से अवशोषित होता है, मिट्टी में पोषक तत्वों का संतुलन बनाए रखता है, सभी प्रकार की फसलों के लिए उपयोगी तथा फास्फोरस की उच्च आवश्यकता वाली फसलों के लिए उपयुक्त है। एन.पी. के. में मौजूद नाइट्रोजन पौधों के वानस्पतिक विकास, जड़ों की तेजी से वृद्धि, प्रोटीन व विटामिन के निर्माण के लिए सहायक है, फास्फोरस पौधों के जड़ प्रणाली को विकसित करने, स्वस्थ्य बीज निर्माण व वजन बढ़ाने, फूल व फल के बनने में, दलहनी फसलों में जड़ों की ग्रंथियों के निर्माण के लिए उपयोगी है। पोटाश पौधों के कीट/रोगों से लड़ने में, प्रकाश संश्लेषण में, शर्करा के निर्माण एवं स्थानान्तरण में, पौधों के गिरने से बचाने में एवं जल के अवशोषण को बढ़ाने में उपयोगी है।जनपद में वर्तमान में विभिन्न ग्रेड के एन.पी.के. जैसे- 20:20:0, 20:20:0:13, 19:19:19, 10:26:26, 16:16:16 एवं 12:32:16 आदि फास्फेटिक उर्वरक के रूप में किसानों को उपलब्ध कराये जा रहे है। किसान भाई अपनी सुविधानुसार डी.ए.पी. के स्थान पर इन ग्रेड के उर्वरकों को फास्फेटिक उर्वरक के रूप में प्रयोग कर सकते है।

मानव श्रृंखला से दिया स्वच्छ महाकुंभ स्वच्छ प्रयागराज का संदेश

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। मेला प्रशासन के निर्देशानुसार आज 22 अक्टूबर 2024 को नगर निगम प्रयागराज की छिं टीम श्रृष्टि वेस्ट मैनेजमेंट सर्विस के संयोजन में शहीद स्मृति दिवस पर शाहिद चंद्रशेखर आजाद पार्क में सुबह 9:00 बजे एक 15 फिट चौड़ी और 30 फिट लंबी रंगोली और मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छ महाकुंभ के लिए लोगों को जागरूक किया गया।प्रयागराज के विभिन्न स्कूल के स्वच्छ सारथी क्लब द्वारा स्वच्छ महाकुंभ के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम, यातायात पुलिस की ओर से बैंड प्रस्तुति और पार्क में आए लोगों से प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ और प्रयागराज के लिए जागरूक किया गया।कार्यक्रम के संयोजक कृष्ण कुमार मौर्य ने बताया कि नगर निगम प्रयागराज स्वच्छ महाकुंभ के लिए पूरे शहर में कोने कोने में स्वच्छ विभिन्न प्रकार के आयोजन किया जा रहा हैं जिसमें शहरवासियों को शामिल करके श्रमदान, नुक्कड़ नाटक , वॉल पेंटिंग, हर दुकान दस्तक अभियान इत्यादि किया जा रहा है।

"भारत को जानो" क्विज़ प्रतियोगिता में राम जूनियर व जे के पब्लिक स्कूल के छात्र रहे अव्वल

दहकती खबरें।

हरदोई। भारत विकास परिषद हरदोई द्वारा "भारत को जानो" क्विज प्रतियोगिता

का आयोजन, जे.के. सीनियर सेकेंडरी स्कूल हरदोई के सभागार में किया गया। परिषद के प्रान्तीय मार्गदर्शक डॉ सुरेश अग्निहोत्री ने बताया कि ये राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता प्रतिवर्ष भारत विकास परिषद अयोजित कराती है जिसका उद्देश्य छात्रों को भारत की सभ्यता, संस्कृति, संस्कार, प्राचीन विरासत के साथ–साथ भारत के प्रमुख मानबिन्दु तथा सामान्य ज्ञान की जानकारी प्राप्त कराना है। मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान करते हुए बच्चों को जीवन में सामान्य ज्ञान के महत्व की जानकारी दी एवं प्रतिदिन पुस्तकों को पढ़ने के लिए पुस्तकालय में निरंतर स्वाध्याय करने की सलाह दी। परिषद के संगठन सचिव गौरव भदौरिया ने बताया कि इसी स्थान पर 08 दिसंबर को प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राम जूनियर हाई स्कूल के छात्र शौर्य अवस्थी, आदित्य मिश्रा ने तथा द्वितीय स्थान सरस्वती विद्या मंदिर के अनवरुल खान, शैलेश कुमार एवं श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल की वर्तिका शुक्ला, अनिमेष गुप्ता तथा तृतीय स्थान जे.के. पब्लिक स्कूल की आयुषी शुक्ला, आराध्या गुप्ता ने प्राप्त किया। सीनियर वर्ग का प्रथम पुरस्कार जे.के. पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल के आर्यन मिश्रा, मधुशैल पांडे को तथा द्वितीय पुरस्कार श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल के उज्जवल कुमार चौबे, सूर्यांश त्रिवेदी तथा तृतीय स्थान सरस्वती विद्या मंदिर के लक्ष्य शुक्ला, सुशांत शुक्ला को मिला। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक राजीव मोहन अवस्थी, अध्यक्ष अवध बिहारी मिश्रा, सचिव कैप्टन राम किशोर शुक्ला, अनूप पुरी, नृपेंद्र सिंह, राजवर्धन श्रीवास्तव, श्रवण कुमार राही, प्रदीप गुप्ता एवं संजय टंडन उपस्थित रहे। संचालन विद्यालय प्रवक्ता शुभा दीक्षित, प्रीति सिंह, इन्जिला तबस्सुम, शुभम गुप्ता, सुशील आदि ने किया।

आवश्यक सूचना
विक्रय जमीन को लेकर पछकार के तरफ से सर्वसाधारण को सूचना जारी!

दहकती खबरें

ब्यूरो रिपोर्ट तारा शुक्ला सोनभद्र

सोनभद्र, घोरावल विकासखंड अंतर्गत ग्राम जोगनी , परगना बड़हर, तहसील घोरावल, जिला सोनभद्र उत्तर प्रदेश की खाता संख्या 00530 आराजी नंबर 2 ग, मि, में रकबा 0.1260 हेक्टेयर को लेकर सर्वसाधारण को एक सूचना जारी की जा रही है, कि उक्त अरजियत के स्वामित्व पर आधारित स्वतत्व स्वामित्व एवं आधिपत्य का अविकसित भूमि जिसका गाटा संख्या एवं रकबा ऊपर लिखा जा चुका है के ऊपर अधिवक्ता फखरे आलम ने सर्वसाधारण को समाचार पत्र के माध्यम से यह सूचना जारी किया है, कि उक्त जमीन पर पछकार के द्वारा क्रय करने हेतु अनुबंध के माध्यम से(बयाना) राशि कर दिया गया है! इसके बाबत यदि किसी भी व्यक्ति या वित्तीय संस्थान, बैंक, सरकारी संस्थान या किसी सोसाइटी या कोई हित बंध पक्षकार हो तो इस

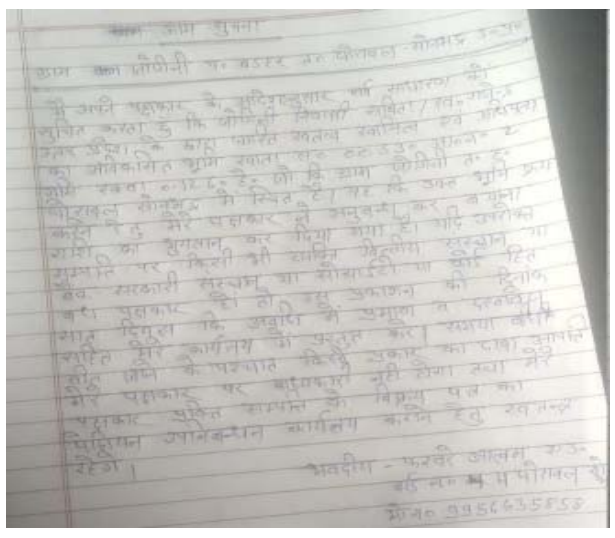

प्रकासन के दिनांक से 7 दिनों के अवधि में यदि संबंधित जमीन से प्रमाण व दस्तावेज अधिवक्ता फखरे आलम के कार्यालय में प्रस्तुत नहीं करता है तो समय अवधि बीत जाने के पश्चात उक्त जय जायदाद से संबंधित किसी भी प्रकार का दवा या आपत्ति मेरे पक्षकार पर बाध्यकारी नहीं होगा! तथा पछकार उक्त संपत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन उप निबंधन कार्यालय में कराने हेतु स्वतंत्र रहेंगे!

जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया सौ शैय्या अस्पताल का निरीक्षण, शिक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

ब्यूरो नीलम सिंह

अयोध्या। जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने बुधवार को अयोध्या जिले के मिल्कीपुर विधानसभा के कुमारगंज स्थित सौ शैय्या अस्पताल और कम्पोजिट विद्यालय कुचेरा का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कुमारगंज के आशा देवी मंदिर पिठला में आयोजित 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में कलश पूजन के बाद कलश यात्रा को भी रवाना किया। अस्पताल निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों और उनके परिजनों से स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। मरीजों ने इलाज को लेकर संतोष जताया, लेकिन अल्ट्रासाउंड की सुविधा के लिए रेडियोलॉजिस्ट की कमी को लेकर शिकायत की। इस पर रोली सिंह ने आश्वासन दिया कि जल्द ही डिप्टी सीएम से वार्ता कर रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती कराई जाएगी।

कम्पोजिट विद्यालय कुचेरा के निरीक्षण में उन्होंने छात्र–छात्राओं से बातचीत कर उनके शैक्षिक स्तर की जांच की। उपस्थिति कम होने पर प्रधानाध्यापिका ने त्यौहारों के कारण उपस्थिति में कमी की बात कही। जिला पंचायत अध्यक्ष ने अध्यापकों को निर्देश दिए कि वे अभिभावकों से मिलकर बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने के लिए प्रोत्साहित करें। रसोईयों ने बताया कि जुलाई माह से उनका वेतन नहीं मिला है, जिस पर रोली सिंह ने बेसिक शिक्षा अधिकारी से बात कर दीपावली से पहले वेतन दिलाने का आश्वासन दिया।आशा देवी मंदिर में आयोजित 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ के दौरान हजारों महिलाओं ने भाग लिया। कलश यात्रा के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सरकार की योजनाओं के माध्यम से जिले में बेहतरीन सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। आयुष्मान भारत योजना के तहत जिले के लोगों को 5 लाख तक का मुफ्त इलाज मिल रहा है, और मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी करवाई जा रही है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित, चन्द्रबली सिंह, प्रधान डीके सिंह, सुरेन्द्र सिंह, भगवती सिंह और अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

संवाद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

ब्यूरो नीलम सिंह

अयोध्या। राजकीय जिला पुस्तकालय अयोध्या में एक संवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका नेतृत्व पुस्तकालय अध्यक्ष प्रिया श्रीवास्तव ने किया इस प्रतियोगिता का शीर्षक वर्तमान भारतीय परिदृश्य में आज के युवा रहा प्रतियोगिता में पुस्तकालय के पाठकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया तथा प्रभावशाली ढंग से अपने व्यक्तवयों को प्रस्तुत किया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अपर पुलिस अधीक्षक क्षेत्र अयोध्या अरुण कुमार सिंह ने भाग लिया मणि शंकर त्रिपाठी प्रधानाचार्य एसएसवी इंटर कॉलेज अयोध्या राजेश प्रवक्ता राजकीय इंटर कॉलेज एवं प्रकृति वर्मा प्रवक्ता हिंदी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज निर्णायक मंडल सदस्य के रूप में उपस्थित रहे प्रतियोगिता में आकाश मिश्रा को प्रथम स्थान फरहान एवं नीलिमा को द्वितीय स्थान तथा गार्गी भारती एवं आंचल तिवारी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ कार्यक्रम का संचालन शाल्वी श्रीवास्तव सोमिल कुमार सुषमा मिश्रा एवं निशांत द्वारा किया गया कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने अपने प्रभावशाली शब्दों से छात्रों एवं छात्राओं का उत्साहवर्धन किया

आज से बाबू सुंदर सिंह इंजीनियरिंग कश्लेज करेगा डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इंटर टेक्निकल यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स फेस्ट 2024-25 की मेजबानी

लखनऊ मोहनलालगंज निगोहां स्तिथ

बाबू सुंदर सिंह इंजीनियरिंग कॉलेज को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (।झज्न्), लखनऊ द्वारा आयोजित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इंटर टेक्निकल यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स फेस्ट 2024–25 (जोनल लेवल) की मेजबानी करने का गौरव प्राप्त हुआ है। यह प्रतिष्ठित खेल महोत्सव 24 अक्टूबर से शुरू होकर 25 अक्टूबर 2024 तक चलेगा। संस्थान के निदेशक (अकादमिक) प्रो. आर.एस. मिश्रा ने जानकारी दी कि इस तीन दिवसीय आयोजन के अंतर्गत विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिनमें टेबल टेनिस, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, शतरंज, एथलेटिक्स (ट्रैक एवं फील्ड इवेंट्स), खो–खो और कबड्डी प्रमुख हैं। इस स्पोर्ट्स फेस्ट में कुल 18 जिलों के 45 कॉलेजों के छात्र–छात्राएं भाग लेंगे, जिनमें अंबेडकर नगर, अमेठी, बहराइच, बांदा, बाराबंकी, इटावा, अयोध्या, लखनऊ, रायबरेली उन्नाव आदि शामिल हैं। कॉलेज के अध्यक्ष श्री आनंद शेखर सिंह ने इस अवसर पर कहा, ष्लखनऊ जोन की मेजबानी का अवसर मिलना हमारे संस्थान के लिए एक बड़ा सम्मान है। हम इस प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं और उम्मीद करते हैं कि हमारे कॉलेज के मैदान पर खेल प्रतिभाएं अपनी उत्कृष्टता का प्रदर्शन करेंगी।

दीपोत्सव की सफलता के लिए अंतिम प्रशिक्षण बैठक 25 अक्टूबर को

दीपोत्सव में वालंटियर सफेद टी–शर्ट व कैप में नजर आयेंगे

सरयू के 55 घाटों पर 25 लाख दीए प्रज्ज्वलित कर बनेगा नया विश्व रिकार्ड

संवाददाता अरविंद कुमार तिवारी

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने रामनगरी के दीपोत्सव–2024 की भव्यता के लिए तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंशानुरूप दीपोत्सव को अलौकिक एवं भव्य बनाने के लिए राम की पैड़ी के 55 घाटों पर 30 हजार वालंटियर के सहयोग से 28 लाख दीपों को सजाने के साथ 25 लाख से अधिक दीए प्रज्ज्वलित कर एक नया विश्व रिकार्ड बनायेंगे। सभी वालंटियर दीपोत्सव के लोगो में सफेद टी–सर्ट व कैप में नजर आयेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन गुरूवार से परिसर, सम्बद्ध महाविद्यालयों, इण्टर कालेज व स्वयंसेवी के वालंटियर को आईकार्ड का वितरण प्रारम्भ कर देगा। विश्वविद्यालय के दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो0 संत शरण मिश्र ने बताया कि अयोध्या के दीपोत्सव को एतिहासिक बनाने के लिए सरयू के 55 घाटों पर एक दर्जन से अधिक पर्यवेक्षक तैनात किए है। इसके अलावा 55 घाट समन्वयक व घाट प्रभारी नियुक्त किए है। इन सभी घाटों पर आवासीय परिसर, संबद्ध महाविद्यालयों, इण्टर कालेज एवं स्वयंसेवी संस्थाओं पदाधिकारी की देखरेख में दीप प्रज्ज्वलित कर सातवीं बार विश्व कीर्तिमान बनेगा। विवि के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि 25 अक्टूबर को पूर्वाह्न 11:30 बजे दीपोत्सव को भव्य एवं दिव्य के लिए अंतिम प्रशिक्षण बैठक स्वामी विवेकानंद सभागार में होगी। जिसमें विश्वविद्यालय के समस्त संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, निदेशक, समन्वयक, जिला विद्यालय निरीक्षक, दीपोत्सव में प्रतिभाग करने वाले समस्त प्राचार्यगण, सम्बद्ध महाविद्यालय, समस्त समन्यकगण, घाट प्रभारी एवं वालंटियर प्रतिभाग करेंगे।

पुलिस नें मिशन शक्ति अभियान फेज-5 के दृष्टिगत स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से चलाया जागरुकता अभियान

ब्यूरो नीलम सिंह

रुदौली–अयोध्या। पुलिस नें मिशन शक्ति अभियान फेज–5 के दृष्टिगत स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से चलाया जागरुकता अभियान, छात्राओं द्वारा नाटक/नृत्य/कविताओं के माध्यम से विभिन्न हेल्पलाइन एवं सरकार द्वारा जन कल्याण हेतु चलायी गयी योजनाओं की दी गयी जानकारी । पुलिस अधीक्षक राजकरन नय्यर के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री बलवन्त एवं क्षेत्राधिकारी रुदौली आशीष निगम के पर्यवेक्षण में व थानाध्याक्ष थाना मवई श्री संदीप कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में थाना मवई अयोध्या पुलिस की महिला सशक्तिकरण टीम म0उ0नि0 पल्लवी श्रीवास्तव, म0उ0नि0 आयुषी पाल , म0उ0नि0 संगीता, उ0नि0 शिवम सिंह, का0 प्रवेन्द्र प्रताप द्वारा श्री लालाराम आदर्श इण्टर कालेज व श्री साहब सरन स्मारक प्रा0आई0टी0आई , नरौली बाजार रुदौली अयोध्या में मिशन शक्ति फेज–5 के दृष्टिगत सरकार द्वारा महिलाओ हेतु चलायी गयी विभिन्न योजनाओं एवं हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जानकारी प्रदान की गयी, एवं स्कूली छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुति के द्वारा लोगों को भी विभिन्न योजनाओं एवं हेल्पलाइन नंबर के बारे में अवगत कराया गया, स्कूल में अपनी–अपनी कक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को क्षेत्राधिकारी रुदौली महोदय द्वारा ट्राफी देकर उत्साहवर्धन किया गया एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देने वाली छात्राओं के मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया एवं उनके उज्जव्वल भविष्य की अग्रिम शुभकामनाएं दी गयीं, इस अवसर पर स्कूल के मैनेजर राकेश यादव, रेनू ,प्रधानाध्यपक राकेश शर्मा, निशा श्रीवास्तव, अध्यापिका पूनम अवस्थी, दीपती वैश,रोशनी,प्रतिभा आदि एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल छात्राऐं–दुर्गा माता स्तुति अंजलि ,गुड टच–बैड टच अनन्या शर्मा, उन्नती यादव,वर्तिका,आमिना बानो,स्वाति,आरजू, नारी–शक्ति शिवांशी मौर्या, पूजा यादव, जिया,रितु, जैनब, सौम्या,रिदा,आरजू, प्ले–1090 सुफिया,छाया,वीना,मानसी,सलोनी,काम्या, सेव गर्ल चाइल्ड– जिक्रा खान,शाबरीन बानों, सदफ खान,अमीना बानों,साक्षी यादव, कोमल है कमजोर नहीं– श्रेया,पुष्पा,अंजलि,निराली,आकांक्षा, शीला आदि मिशन शक्ति जागरुकता मिशन में शामिल रहे ।

कैंटोनमेंट अपडेट सीबीआई ने कैंटोमेंट बोर्ड के जेई और मेट को घूस लेते पकड़

ब्यूरो नीलम सिंह

अयोध्या। अयोध्या कैंट छावनी परिषद कार्यालय एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। मंगलवार को सीबीआई की टीम ने कैंटोमेंट बोर्ड कार्यालय के जेई अमित द्विवेदी और मेट विजय कुमार को 10 हजार घूस लेते पकड़ लिया। सीबीआई टीम आरोपितों को देर रात कार्यालय में पूछताछ के बाद अपने साथ ले गई।

बताया जा रहा है कि एक ठेकेदार की शिकायत पर सीबीआई की टीम ने मंगलवार को दोपहर में ही यहां आ गई थी। टीम ने आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए दोपहर से ही जाल बुनना शुरू कर दिया था और आरोपितों को रंगे हाथ धर दबोचा। बताया जा रहा है मंगलवार को अयोध्या कैंट छावनी परिषद कार्यालय में अचानक कार से सीबीआई टीम और कार्यालय के दोनों गेट को बंद करा दिया। किसी को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई। कार्यालय के सभी कर्मियों को घर जाने की अनुमति दे दी गई और आरोपित दोनों कर्मियों को रोक लिया गया। रात में काफी देर तक दोनों कर्मियों से पूछताछ चलती रही। टीम की जानकारी मिलने पर कैंट थानाध्यक्ष अमरेंद्र बहादुर सिंह भी कैंटोमेंट बोर्ड कार्यालय पहुंचे, लेकिन उन्हें भी अंदर जाने की अनुमति नहीं मिली। उन्होंने बताया कि कार्यालय के गेट पर ताला लगा दिया गया है। टीम की गाड़ी कार्यालय के अंदर खड़ी है, लेकिन हम लोगों को अंदर नहीं जाने दिया गया। मालूम हो कि अभी छह सितम्बर को कैंटोमेंट बोर्ड कार्यालय में करोड़ों रुपए के टेंडर में घपला प्रकरण में सीबीआई टीम का छापा पड़ा था और मामले की जांच प्रचलित है। अभी मामले में किसी पर कारवाई की बात सामने नहीं आई है।

सहायक अध्यापक ने क्लास में चारपाई बिछा बच्चे को लिटाया

संवाददाता अरविंद कुमार तिवारी

अयोध्या। प्रभारी प्रधानाध्यापक ने मोबाइल से फोटो बनाई तो विवाद अयोध्यारू मिल्कीपुर क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय इसौली भारी में सहायक अध्यापक रेनू रस्तोगी में अपने बच्चे को सुलाने के लिए उसी क्लास में चारपाई लगा दी जिसमें छात्र पढ़ने के लिए बैठे थे। सहायक अध्यापक बच्चे को साथ लेकर आती हैं। क्लास में फोल्डिंग (चारपाई) बिछाकर उसे लिटा देती हैं। कभी–कभी स्वयं तो कभी किसी छात्र को उसे खिलाने के लिए चारपाई पर बैठाती हैं। विवाद इसमें तब हुआ जब प्रभारी प्रधानाध्यापक रघुनाथप्रसाद श्रीवास्तव ने ऊपर शिकायत करने के लिए अपने मोबाइल से क्लास में लगी छात्रों के बीच चारपाई पर बैठी उनकी फोटो को कैद कर लिया। चारपाई उन्होंने क्लास में लगायी थी जिस पर उनका बच्चा लेटा था। फोटो डिलीट करने का दबाव बनाने पर जब वह नहीं माने तो उनको धमकाने लगीं। डरे प्रधानाध्यापक ने कहा कि उनको छोड़ सब महिला हैं। विभागीय किसी कार्य के लिए टोकने पर इनसे झूठे आरोप लगाने का डर है। एक पुरुष शिक्षक की जरूरत है। प्रभारी प्रधानाध्यापक ने इसकी लिखित शिकायत मिल्कीपुर क्षेत्र के खंड शिक्षा अधिकारी से की है। सहायक शिक्षक रेनू रस्तोगी के मोबाइल नंबर 9076656078 पर पक्ष जानने के लिए की गई काल को रिसीव कर बोलीं नेटवर्क की समस्या से आवाज साफ नहीं आ रही है, नेटवर्क में आने पर वह बात करेंगी।

शिवाय सेवा समिति का 8वां स्थापना दिवस मनाया गया

लखनऊ मोहनलालगंज शिवायः सेवा समितिष् ने अपने स्थापना के 8 वर्षों का स्वर्णिम जश्न हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया। समारोह का उद्घाटन आशीष चतुर्वेदी गुरुजी द्वारा श्री बंशी बाबा जी की पूजा–अर्चना से हुआ, जिसमें समिति के सचिव रंजीत यादव ने प्रतिमा पर पुष्प और दीप प्रज्वलित किया।

इस वर्ष का विशेष विषय ष्बाल कलाकारों का सम्मानष् रहा। समिति के सदस्यों ने बाल कलाकारों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया, जिसे लेकर वे गर्वित महसूस कर रहे थे। समारोह में समिति के अध्यक्ष आशीष चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष राहुल मिश्रा, कोषाध्यक्ष शिवकुमार सोनी, और अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।समिति ने उन सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने समारोह में भाग लेकर उसे यादगार बनाया। उनके प्रोत्साहन से समिति को नई ऊर्जा मिली है।

युवती के कीमती जेवरों को मिट्टी के भाव खरीदने और रुपया ठगने के मामले की शिकायत एसएसपी से

ब्यूरो नीलम सिंह

अयोध्या ।ऑनलाइन चौटिंग करके झूठे प्रेम जाल में फंसा कर बाबा बाजार थाने की पारा पहाड़पुर गांव की यवती से लाखो रुपए के जेवरात को मिट्टी के भाव स्वर्णकारो के हाथ घर वालों की चोरी से बेचकर रुपए हड़पने के मामले में युवती के भाई बबलू ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर इसमें शामिल अभियुक्त गणों के खिलाफ प्रथम सूचना दर्ज कर कड़ी कार्रवाई करने की शिकायत दर्ज कराई है। मामले की शिकायत में लगभग 8 लाख के कीमती सोने और चांदी के घर के जेवरातो को लगभग 2 वर्षों के ऑनलाइन चौटिंग के अश्विन नाम के गुजरात निवासी व्यक्ति ने अपने झूठ झूठे प्रेम जाल में फंसा कर युवती से धीरे–धीरे कीमती सोने चांदी के जेवरात को घर से चुरा कर मीर मऊ और रुदौली के स्वर्णकारों के हाथ 165000 में बेचवाकर हड़प लिया। जिसकी जानकारी होने पर बाहर रोजगार के सिलसिले में रहने वाले भाई बबलू ने आकर एफ आई आर दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है। इस मामले में स्थानीय रुदौली और मीर मऊ के स्वर्णकारों के नाम आने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। और उनके ऊपर कूट रचना करके चोरी से कम पैसे देकर चोरी के जेवरात खरीदने के मामले में शिकायत होने से स्थानीय ज्वेलर्स के ऊपर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है।

बल श्रम पर रोक लगा पाने में नाकाम साबित हो रहा है श्रम विभाग अयोध्या

संवाददाता अरविंद कुमार तिवारी

अयोध्या। जनपद में श्रम विभाग द्वारा बाल संरक्षण हेतु बाल श्रम अपराध पर लगाम लगाए जाने हेतु टीम बनाकर कार्रवाई करने का केवल और केवल हवा हवाई दावा किया जाता है धरातल पर हकीकत कुछ और है शहर के राम पथ, चौक, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन एवं हाईवे के किनारे के तमाम ढाबों, रेस्टोरेंट में धड़ले से दुकानदारों द्वारा छोटे बच्चों से बाल श्रम कराया जा रहा है । उप श्रम आयुक्त प्रतिभा तिवारी का कहना है कि हमारी तीन टीमें लगातार जनपद में भ्रमण कर बाल श्रम पर निगरानी और कार्रवाई कर रही हैं । उन्होंने ये भी कहा कि शिकायत मिलने पर जानकारी होने पर हम टीम भेजकर करवाई करेंगे। लेकिन सवाल यह उठता है कि इस वर्ष 2024 में सितंबर तक केवल और केवल 49 बच्चों को बाल श्रम से मुक्ति कराया गया है जनपद की पुलिस द्वारा भी जागरूकता अभियान चलाकर जगह–जगह बाल श्रम अपराध के पंपलेट वितरित कर लोगों को जागरुक कर रहे है इसके बावजूद अयोध्याधाम व नगर में फास्ट फूड के ठेले व दुकानों में दर्जनों दर्जन बाल श्रमिक काम करते दिखाई देना श्रम विभाग पर एक बहुत बड़ा सवाल है कि आखिर श्रम विभाग की निगरानी के बावजूद भी धड़ल्ले से बाल श्रम कैसे हो रहा है।

नाबालिग से बहला फुसलाकर वीडियो बनाते समय आई आवाज को पुलिस ने पहचाना

ब्यूरो नीलम सिंह

अयोध्या। पुलिसकर्मी को बदनाम करने की साजिश रचने वाले की पुलिस ने की पहचान। नाबालिग से बहला फुसलाकर वीडियो बनाते समय आई आवाज को पुलिस ने पहचाना। रेस्टोरेंट से वसूली करने की बात को लेकर गोसाईगंज पुलिस पर भ्रामक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर लगाए थे आरोप। सूत्रों के मुताबिक थाना महाराजगंज अंतर्गत रामपुर मया रमन पट्टी निवासी दधिबल उर्फ डीके तिवारी नामक युवक की साजिश कर्ता के रूप में हुई है पहचान। जिले के कई थानों से उक्त के आपराधिक मामलों में वांछित होने के चलते पुलिस पर दबाव बनाने व पकड़े जाने पर न्यायालय में पुलिस द्वारा खुद की रंजिश साबित करने की कोशिश में था युवक। पुलिस द्वारा वायरल वीडियो पर की गई आपत्ति के बाद से फरार चल रहा है युवक।

दीपोत्सव की तैयारी में जुटा नगर निगम नगर,निगम ने दीपोत्सव के प्रति अपनी जिम्मेदारी मीडिया से किया साझा

संवाददाता अरविंद कुमार तिवारी

अयोध्या। दीपोत्सव की तैयारी में जुटा नगर निगम नगर,निगम ने दीपोत्सव के प्रति अपनी जिम्मेदारी मीडिया से किया साझा, वहीं महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी व नगर आयुक्त संतोष शर्मा ने मीडिया कै बताया कि, नगर निगम के सभी वार्ड में मनाया जाएगा दीपोत्सव, दीपोत्सव में सफाई के लिए 2247 सफाई कर्मियों को लगाया गया, निगम के सभी वार्ड में पार्षद के नेतृत्व में जलाए जाएंगे 1500 दिए, गौशाला में बने गोबर के दिए से गुप्तार घाट पर होगा दीपो का प्रज्वलन, राम पथ सहित मुख्य मार्गो की दोनों छोर पर रेलिंग पर होगी फूलों की सजावट, संपूर्ण मेला क्षेत्र को व्यवस्था के लिए 5 जोन व 20 सेक्टर में किया गया विभाजित, राम पथ धर्म पाठ जन्मभूमि पर की होगी धुलाई और सफाई, संपूर्ण मेला क्षेत्र में होगी एंटी लारवा छिड़काव का फागिंग की व्यवस्था, अयोध्या नगर क्षेत्र में पेयजल की की जा रही है आधुनिक व्यवस्था, राम पथ पर जगह–जगह बनाए गए हैं पेयजल, नगर क्षेत्र में 983 इंडिया मार्का हैंडपंप की हुई मरम्मत, नगर क्षेत्र में पोल पर स्ट्रिप लाइटिंग प्रमुख स्थलों पर अतिरिक्त प्रकाश की व्यवस्था, सभी चौराहों पर होगी लाइटिंग व फूलों की सजावट, राम पथ पर बने भवनों पर स्थित लाइटिंग व पोल पर स्ट्रिप लाइटिंग की व्यवस्था।

सम्पादकीय

भविष्य के अहम सवाल

हरियाणा-जम्मू-कश्मीर में नयी सरकारों के गठन और महाराष्ट्र-झारखंड में जोर पकड़ रही चुनावी तैयारियों के बीच छत्तीसगढ़ से आई एक जरूरी खबर पर चर्चा की दरकार है। खबर ये है कि सरगुजा जिले के फतेहपुर और साली गांवों के पास करीब 5,000 पेड़ों की कटाई के मामले को लेकर स्थानीय निवासियों और पुलिस प्रशासन के बीच झड़प हो गई, जिसमें दोनों ही पक्षों को चोटें आई हैं। सरकारी ड्यूटी पर तैनात जिन लोगों को शारीरिक चोट पहुंची है, उनका इलाज और मुआवजा दोनों सरकार के जिम्मे पूरा हो जाएगा, लेकिन प्रदर्शनकारियों का भविष्य क्या होगा, ये कोई नहीं जानता। दरअसल ये सारा प्रदर्शन और सरकार के खिलाफ सीधा मोर्चा खोलने का फैसला भविष्य के सवाल से ही जुड़ा है। इंसानों के साथ-साथ जल, जंगल, जमीन और समूची प्रकृति के भविष्य का यह सवाल है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य में पेड़ों को बचाने की लड़ाई लंबे वक्त से चल रही है। 1,500 किलोमीटर क्षेत्र में फैला यह घना जंगल छत्तीसगढ़ के आदिवासी समुदायों का निवास स्थान है। इस घने जंगल के नीचे लगभग पांच अरब टन कोयला दबा है। इस वजह से पूंजीपतियों और पूंजीवादी सरकारों की गिद्ध दृष्टि यहां टिकी हुई है। इस इलाके में खनन बहुत बड़ा व्यवसाय बन गया है, लेकिन स्थानीय लोग इस खनन का लगातार विरोध कर रहे हैं। क्योंकि इसके लिए बड़ी बेदर्दी से जंगल को काटा जा रहा है और यहां की जैव विविधता के लिए बड़ा खतरा बन चुका है।इस समय यहां पर पेड़ों की कटाई राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरआरवीयूएनएल) को दिए गए परसा कोल ब्लॉक खनन परियोजना के तहत की जा रही है। बीते गुरुवार को भी पेड़ों की कटाई होनी थी, लेकिन बुधवार से ही लोग यहां जमा हो गए। ताकि अधिकारियों को कार्रवाई करने से रोका जा सके। सरकार की तरफ से भी पर करीब 400 पुलिस और वन विभाग के कर्मियों को तैनात किया गया था। पुलिस का कहना है कि स्थानीय लोग लकड़ी के डंडे, तीर और कुल्हाड़ी से लैस थे। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पुलिस के लाठी चार्ज के बाद उन्होंने जवाबी हमला किया। जबकि इन आरोपों से इंकार करते हुए सरगुजा के पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल का कहना है 'ग्रामीण हिंसक हो गए और उन्होंने हम पर हमला कर दिया। उन्हें रोकने और तितर-बितर करने के लिए हमने उचित जवाब दिया।'

छत्तीसगढ़ में भाजपा के सत्ता में आते ही पिछले साल दिसंबर में हसदेव अरण्य क्षेत्र में परसा पूर्व और केते बासन (पीईकेबी) के दूसरे चरण विस्तार के तहत कोयला खदान के लिए पेड़ काटने की कवायद बड़े पैमाने पर हुई थी। तब भी यह काम पुलिस के सुरक्षा घेरे में किया गया था। इससे पहले वन विभाग ने मई 2022 में पीईकेबी चरण-2 कोयला खदान की शुरुआत करने के लिए पेड़ काटने की कवायद शुरू की थी।

किसानों की जिंदगी बेहतर करने के दावे और हकीकत

एडवोकेट किशन भावनानी

वैश्विक स्तरपर हर देश में किसान का महत्वपूर्ण दर्ज़ा होता है,क्योंकि वह जीवन यापन करने के लिए अति महत्वपूर्ण खाद्यान्न को कड़ी मेहनत कर बीज रोपण से लेकर मंडी तक बिकवाली के लिए लाने तक अपना पूरा खून पसीना एक कर देता है,परंतु आश्चर्य व खेद की बात है कि उसे उतनी मेहनत की तुलना में मेंहनताना नहीं मिल पाता,इसलिए ही वह एमएसपी के लिए जद्दोजद व आंदोलन पर उतारू हो जाता है। हालांकि भारत सहित हर देश में किसानों पर विशेष ध्यान दिया जाता है, व उन्हें संतुष्ट करने की कोशिश की जाती है।भारत में तोअन्नदाता के लिए कई स्कीमें योजनाएं व उन्हें सुविधा सरकारें देती रहती है परंतु लाख टके की एक बात मैं कहना चाहता हूं कि जिस बागवानी फ़सल या सब्जियों के लिए किसानों को मात्र 5 या 10 रूपए मिलते हैं वह चिल्लर मार्केट में 70 से 80 रुपए तक कैसे बिकता है,बड़ा सोचनीय प्रश्न है यही बात दिनांक 19 अक्टूबर 2024 को हमारे केंद्रीय कृषि मंत्री जो हमारी राइस सिटी गोंदिया के सगे जवाई राजा भी हैं, उनके जेहन में भी यह बात आई और उन्होंने रबी अभियान 2024 को एक दिन क़े राष्ट्रीय सम्मेलन में कही और बताया कि इसकी नब्ज़ पकड़ने के लिए एक समिति बनाई गई है, जो अध्ययन कर अपनी रिपोर्ट देगी उसके अनुसार रणनीति बनाई जाएगी। कृषि मंत्री की मीडिया में यह बात सुनकर,मैं रविवार दिनांक 20 अक्टूबर 2024 को इसकी ग्राउंड रिपोर्टिंग की तो यह बात 100 प्रतिशत सही व सटीक साबित हुई।किसानों ने बताया हम जो सब्जी या बागवानी फसल का रेट मार्केट में देते हैं या नीलामी में बिकता है, वही हमारा माल चिल्लर मार्केट में हमारी बिक्री से 6 से 7 गुना अधिक कीमत में बिकता है जो मैंने सही पाया, इसलिए केंद्रीय कृषि मंत्री का संज्ञान सटीक लगा। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,किसानों से कौड़ियों के रेट में बिका बागवानी उत्पाद यांने सब्जियां उपभोक्ता की थाली तक पहुंचने तक कीमतें आसमान कैसे छूती इसपर तुरंत एक्शन की दरकार है। दिनांक 19 अक्टूबर 2024 को रबी अभियान राष्ट्रीय सम्मेलन 2024 में केंद्रीय कृषिमंत्री के संबोधन की करें तो उन्होंने शनिवार को कहा कि सरकार खेत से लेकर थाली तक बागवानी उत्पाद (सब्जियों) की कीमतों में भारी अंतर को दूर करने के लिए समिति गठित करेगी।राष्ट्रीय राजधानी में कृषि सम्मेलन को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा,किसान 5 रुपये में सब्जियां बेचता है, तो उपभोक्ता 50 रुपये चुकाता है। इस अंतर को कम करने की जरूरत है,और बीच में जो पैसा जाता है, इसकी साइंटिफिक व्यवस्था बन रही है जिससे किसान को उसके हक का पैसा मिले।

खेतों के लिए 6 सूत्र तय करने की करें तो उन्होंने कहा, हमने खेती के लिए 6 सूत्र तय किए हैं।(1)उत्पादन बढ़ाना, इसके लिए अच्छे बीज चाहिए। नया बीज रिलीज तो हो गया लेकिन साइकिल ऐसी है कि तीन चार साल लग जाते हैं किसान तक पहुंचते-पहुंचते।(2)सिंचाई की व्यवस्था चाहिए। खाद की उपलब्धता भी हो। जो फ़ीडबैक आया है, उसपर हमें चिंता से काम करना है।(3)कैमिकल फर्टिलाइजर का उपयोग हम कैसे कम करें, इस पर हमें धीरे-धीरे ध्यान देना होगा।(4)ऑर्गेनिक और नेचुरल फ़ार्मिंग की ओर जब हम बढ़ेंगे, तब हम धीरे-धीरे इसका उपयोग भी कम कर लेंगे।(5)खाद के लिए केंद्र के साथ राज्य जो भी ध्यान देना होगा। भारी सब्सिडी के बाद भी अव्यवस्था के कारण हमारा परिश्रम बेकार हो जाता है।(6)उत्पादन की लागत घटाना हमारा दूसरा लक्ष्य है।पर हेक्टेयर ईल्ड तो बढ़े लेकिन लागत कैसे घटे, इस पर काम हो रहा है।जो चीज हम तय करते हैं, वो कैसे किसान तक जाये, इसके लिए राज्यों का सहयोग चाहिए।उन्होंने बताया कि कृषिचौपाल हम अगले महीने शुरू कर देंगे, इसमें किसान बैठेंगे और वैज्ञानिक बैठेंगे।आगे कहा कि व्यावहारिक रूप से केंद्र और राज्यों के सामने अगर कोई समस्या आती है तो उसे पूरा करने में हम कोई कमी नहीं छोड़ेंगे।पीएम के नेतृत्व में हर कैबिनेट में किसानों के हित में क्रांतिकारी फैसले लिए जा रहे हैं।पीएम ने लाल किले के प्राचीर से कहा था कि तीसरे टर्म में तीन गुणी ज़्यादा शक्ति से काम करना चाहता हूं। कृषि विभाग के अधिकारियों ने भी प्रण लिया कि अकेले पीएम ही तीन गुनी शक्ति से काम नहीं करेंगे बल्कि हम भी कोई कमी नहीं छोड़ेंगे। कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा है। कृषि का भारतीय अर्थव्यवस्था में आज भी 18 से 19 प्रतिशत तक का योगदान है और 55 प्रतिशत से ज्यादा लोगों को कृषि ही रोजगार प्रदान कर रही है। कृषि ने ही कोविड में भी भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित नहीं होने दिया। किसान की सेवा मेरे लिए भगवान की पूजा है और मैं दिन और रात इसे करने की कोशिश करूंगा।

कृषि विभाग के महत्व कोसमझने की करें तो, सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा काम कोई साधारण काम नहीं है। कृषि विभाग का मतलब है देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले किसानों की जिंदगी कैसे बेहतर बने उसके प्रयास करना। उन्होंने कहा कि कृषि राज्य का विषय है। केंद्र सरकार हर संभव सहयोग करने का प्रयास करती है। केंद्र और राज्य दो अलग- अलग नहीं है हमारा संघीय ढांचा है, हम दोनों को ही मिलकर काम करना है। कृषि मंत्री के रूप में मैं आश्वस्त करना चाहूंगा कि कोई भी राज्य हो, सभी हमारे लिए बराबर हैं। हम किसी के साथ भी भेदभाव नहीं करेंगे। केंद्र सरकार अकेले काम नहीं कर सकती है सभी मिलकर काम करेंगे, राज्यों के सहयोग की भी आवश्यकता होती है। इस सम्मेलन का संकल्प यही है कि हम मिलकर काम करेंगे। विभिन्न राज्यों से आए कृषि मंत्रियों को मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि आपके अनेकों ठोस सुझाव हमें मिले हैं और अनेकों समस्यायें भी बताई हैं। मैं अधिकारियों से यह कहना चाहता हूं कि मंत्रियों ने जो समस्याएं रखी हैं उन पर ठोस परिणाम आने चाहिए।राज्यों के मंत्रियों को अधिकारियों के साथ बातचीत के लिए आमंत्रित किया है ताकि समस्याओं पर चर्चा की जा सके। अभी तक हम 17 राज्यों से बात कर चुके हैं और बाकी राज्यों के कृषि मंत्रियों व अधिकारियों को भी हम चर्चा के लिए बुला रहे हैं। किसानों से भी हर सप्ताह संवाद कर रहे हैं। किसानों व किसान संगठनों से प्राप्त राज्यों से संबंधित सुझावों को हम राज्यों को भेजते हैं और केंद्र के विषयों पर विभाग समाधान करते हैं।

कृषि रणनीति के बारे में बात करें तो उन्होंने कहा हम एमएसपी बढ़ा रहे हैं। 2019 से तय हुआ कि उत्पादन की लागत पर 50 प्रतिशत जोड़कर मुनाफा देना है। खरीदी की भी प्रभावी व्यवस्था हो, इस पर काम हो रहा है।हम दलहन और तिलहन के सबसे उत्पादन भी हैं लेकिन आयात भी हम करते हैं। इसका उत्पादन हमें बढ़ाना है, लेकिन किसान दाम भी देखेगा कि किसमें फायदा है।हमने मिनिमम एक्सपोर्ट प्राइस की व्यवस्था खत्म की है, चावल के एक्सपोर्ट पर प्रतिबंध को खत्म किया है। दालों की खरीद की व्यवस्था हमने की है। दालों की पूरी खरीदी होगी, किसन चिंता न करें। हम किसी राज्य में 25 प्रतिशत से ज्यादा भी खरीदेंगे अगर जरूरत पड़ी तो। उन्होंने बताया कि गाँव में टमाटर पैदा हुआ, यहाँ पर आते हुए उसके रेट बढ़ जाते हैं, बीच के ट्रांसपोर्टेशन के खर्च को अगर केंद्र राज्य मिलकर वहन कर लें तो शहर वाले को सस्ती सब्जी मिलेगी और किसान को बेहतर दाम मिल जायेगा। जल्दी खराब होने वाली फसलों विशेष कर सब्जियों को कैसे बचाया जा सके, इसके लिए कमेटी बनाई है। हमें कृषि का विविधीकरण करना है। कई बार किसी फसल का जरूरत से ज्यादा उत्पादन हो जाता है। राज्य और केंद्र एक प्रयोग करे, एक मॉडल फार्म कैसे बने। एक, दो या ढाई एकड़ जमीन में किसान कैसे खेती करे, इस पर काम हो। कई किसानों ने बताया है कि वो एक एकड़ में अच्छा कमा लेते हैं।अलग-अलग राज्यों में प्रयोग होना चाहिए। हमें परंपरागत खेती का स्वरूप बदलना होगा।उन्होंने कहा कि भारत में इतने एग्रो-क्लाइमेटिक ज़ोन हैं कि भारत दुनिया का फूड बास्केट बन सकता है।हम संवेदनशील बनें। किसानों को कई बार नुकसान हो जाता है, उस समय हमें किसानों के साथ खड़े होना है। फसल बीमा योजना का पैसा किसानों को समय पर मिल जाना चाहिए। लगातार रिव्यू हो जिससे अधिक से अधिक पैसे किसानों को मिलें। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करेंतो हम पाएंगे कि किसानों कीजिंदगी बेहतर करने का फंडा-किसानों द्वारा 5 रूपए में बेची सब्जी बाजार में 50 रूपए कैसे बिकती है?केंद्र सरकार ने खेत से लेकर थाली तक बागवानी उत्पाद (सब्जियों) की कीमत में भारी अंतर की नब्ज़ पकड़कर साइंटिफिक व्यवस्था बनाने कमेटी बनाई।

विकसित भारत की ओर बढ़ते देश के कदम

बृजनन्दन राजू

विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ा रहा है। देश को आत्मनिर्भर बनाने, विकास की गति को तेज करने के लिए उठाये गये सकारात्मक परिणामों का असर कई क्षेत्रों में दिखने लगा है। भारत ने जहां 200 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता हासिल कर ली है। 2014 में भारत की अक्षय ऊर्जा क्षमता केवल 75 गीगावाट थी 6 जी तकनीक के पेटेंट में हम विश्व के छह शीर्ष देशों में शामिल हैं। भारत से प्रभावित होकर 11 देशों ने भारत के दवा कानून अपनाए हैं। इसी प्रकार कई अन्य क्षेत्रों में भी अच्छे संकेत मिलने शुरू हो गए हैं। देश की जनता ने यह साबित कर दिया है कि अगर सामूहिक प्रयास किया जाय तो कुछ भी असंभव नहीं है। आज भारत की तेज विकास की गति दुनिया के लिए आश्चर्य का विषय है। प्रत्येक देशवासी यह चाहता है कि अपना देश वैभव सम्पन्न हो। विश्व में अग्रणी हो। भारत विकसित बने। जगद्गुरू का स्थान भारत को फिर से प्राप्त हो। हम आकांक्षा तो रखते हैं लेकिन वर्तमान में वस्तुस्थिति कैसी है इसपर बहुत कुछ निर्भर करता है।2014 से पहले राष्ट्र का ओज क्षीण हो रहा था। जनता आतंकी हमलों से त्रस्त थी। देश भ्रष्टाचार के दलदल में धंसता जा रहा था। मनमोहन सरकार में घोटालों का अंबार लग गया था। देश में निराशा का माहौल था। युवा मन दुर्बल हो गया था। ऐसे समय में देश की बागडोर नरेन्द्र मोदी ने संभाली। मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद देश से निराशा के वातावरण को दूर करने का काम किया।

नरेन्द्र मोदी ने 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद विकसित भारत की आधारशिला रखी। 2014 में विकसित भारत की बात किसी को हजम होने वाली नहीं थी लेकिन मोदी ने उसके लिए आधारभूमि तैयार की। देशवासियों को मिशन के साथ एक विजन दिया और नवाचार के लिए प्रेरित किया।भारत के अंदर क्षमताओं की कमी नहीं थी। कमी केवल आत्मविश्वास और दृढ़ निश्चय की थी। मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के जरिए देशवासियों से सीधे जुड़े। युवाओं को स्टार्टअप के लिए प्रोत्साहित किया। आज प्रत्येक देशवासी के मन में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की लालसा जगी है। हमारे देश के प्रत्येक नागरिक का आत्मविश्वास बढ़ा है। जो जिस स्थिति में है उससे आगे बढ़ने का प्रयत्न कर रहा है। विकास भी विरासत के नारे के साथ सांस्कृतिक पुनर्जागरण का कार्य तेजी से हो रहा है। अपने प्रभावी नेतृत्व से भारत की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को देश की एकता के साथ जोड़ने का काम किया है। आज भारत जाग्रत अवस्था में है। मोदी के नेतृत्व में भारत का भविष्य उज्ज्वल है। आईटी एवं नवाचारों के क्षेत्र में भारत वैश्विक शक्ति बन रहा है।भारत अपने लैंडर को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतारने वाला विश्व का पहला देश बन गया है। कृषि क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन लाने का काम मोदी सरकार ने किया है। 2014 से पहले कृषि क्षेत्र में स्टार्टअप की संख्या शून्य थी जब अब 4000 से अधिक हो गयी है। जिसके कारण देश के किसानों की आय और खुशहाली दोनों बढ़ रही है।सरकार के विकसित भारत 2047 विजन का लक्ष्य भारत को 2047 तक 3.4 ट्रिलियन डॉलर से 30 ट्रिलियन डॉलर तक जीडीपी के साथ विकसित अर्थव्यवस्था में बदलना है। इस लक्ष्य में आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, सुशासन और पर्यावरणीय स्थिरता शामिल है। 2047 के लिए देश के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों में 90इ ग्रीन ग्रिड क्षमता हासिल करना, 2035 तक बेचे जाने वाले सभी वाहनों को इलेक्ट्रिक बनाना और भारी औद्योगिक उत्पादन को ग्रीन हाइड्रोजन और विद्युतीकरण की ओर ले जाना है।भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। इसके लिए जरूरी है कि आज अपना देश जिस स्थित में है उसे उन्नत अवस्था में पहुंचाना है। आज दुनिया के जो विकसित राष्ट्र हैं। क्या हमें भारत को उस तरह का विकसित देश बनाना है। क्या इनमें से कोई एक ऐसा राष्ट्र अपने अनुकरण के लायक नहीं है। इस समय हर प्रकार से उन्नत देश अमेरिका को माना जाता है लेकिन क्या अमेरिकावासी सुखी हैं नहीं। तकनीकी दृष्टि से उन्नत हो रहे हैं लेकिन अन्य समस्याएं विकराल हैं। इसलिए हमें भारत को भारत ही बनाना है अमेरिका नहीं। भारत विकसित बने लेकिन भारत के विचारों और भारत की मेधा शक्ति के आधार पर। आज वैश्विक संकटों से समाधान की खोज में दुनिया भारत की ओर देख रही है। कहीं ऐसा न हो कि हम भारत को इंग्लैंड और अमेरिका न बनाने लग जायें। इसलिए विकसित भारत के लिए भारतीय अवधारणा चाहिए। आजादी के बात से हमारे राजनेताओं से यही भूल हुई थी। पश्चिम से प्रभावित होकर हम अपने दर्शन व ज्ञान की उपेक्षा करने लगे थे।स्वच्छता मिशन के रूप में एक जन आन्दोलन का सूत्रपात किया। जन धन की योजना से सबको जोड़ा। देश में डिजिटल क्रान्ति की शुरूआत की। स्टार्टअप के तहत देश में स्वरोजगार के अवसर खुले। मुद्रा योजना के तहत लोगों को लोन दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाखों लोगों का स्वयं का घर होने का सपना पूरा हुआ है। वर्ष 2016 में उरी में आतंकी हमला हुआ। देश गुस्से में था। सेना ने सर्जिकल स्ट्राइक कर पापी पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। जीएसटी को लागू करके एक बड़ा व्यापारिक सुधार किया।

2014 के बाद भारत का सांस्कृतिक अभ्युदय का मार्ग प्रशस्त हुआ। 500 वर्षों की लंबी प्रतीक्षा के बाद अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, हैदराबाद में स्टैचू आफ इक्वालिटी, काशी विश्वनाथ कारिडोर, मथुरा वृन्दावन कारिडोर, केदारनाथ धाम व चार धाम परियोजना के कार्य से सनातन संस्कृति का पुनरोदय का आभास हो रहा है। मोदी के कार्यकाल में सांस्कृतिक पुनरूत्थान का कार्य सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया के कई अन्य देशों में देखने को मिला। अरब देश, रेत का सागर, इस्लामी कायदे कानून का पालन करने वाले देश अबू धाबी में 27 एकड़ भूमि में जब मोदी हिन्दू मंदिर का उद्घाटन कर रहे थे यह मन को विश्वास ही नहीं हो रहा था। यह भारतवर्ष के नवीन सामार्थ्य और आत्मविश्वास का प्रकटीकरण था। मोदी विश्व में हिन्दू शक्ति के प्रतीक बन गये हैं। योग को मान्यता दिलाई। मोदी सरकार बनने के बाद से 150 से अधिक मूर्तियां विदेश से वापस आयीं। जी-20 शिखर सम्मेलन की सफलता ने विश्व को भारतीय संस्कृति का दर्शन कराया।राष्ट्र की प्रगति के लिए सुशासन महत्वपूर्ण होता है। सरकार की योजनाओं के बारे में मोदी सरकार में आम आदमी की धारणा बदली है। पहले योजनाओं का लाभ लेने के लिए सरकारी दफ्तरों का चक्कर लगाना पड़ता था अब अधिकारी व कर्मचारी खुद गरीबों के घरों तक जाकर योजनाओं का लाभ दे रहे हैं। गरीबों तक योजनाएं पहुंची। मन की बात सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन गया है।उड़ान व विमानन के क्षेत्र में क्रान्ति हुई है। वहीं रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प हुआ है। अयोध्या का रेलवे स्टेशन देखा जाय तो वह एयरपोर्ट को भी पीछे छोड़ता है। लीक से हटकर काम करने वाले नेता हैं। अब भारत की ओर दुनिया की कोई शक्ति आंख उठाकर देखने की हिम्मत नहीं कर सकता। वर्तमान का भारत आत्मनिर्भर बन रहा है। मोदी के परिश्रम का ही परिणाम है कि अब प्रत्येक क्षेत्र में परिवर्तन दिखाई पड़ रहा है। समूचा विश्व भारत की लगातार बढ़ रही प्रतिष्ठा को देख रहा है। मोदी ने पंच प्रण की घोषणा की है। यह पंच परिवर्तन विकसित भारत का आधार बनेगा।वर्तमान समय में भारत एक लंबी छलांग लगाने जा रहा है। हमारे आस-पास ऐसे अनेक देशों के उदाहरण हैं जिन्होंने एक निश्चित समय में इसी तरह की लंबी छलांग लगाकर खुद को विकसित किया है। इसलिए मैं कहता हूं; भारत के लिए भी ये सही समय है। हमें इस स्वर्णिम काल के हर पल का लाभ उठाना है, एक पल भी हमें बर्बाद नहीं करना चाहिए। आज हर व्यक्ति, हर संस्था, हर संगठन को इस संकल्प के साथ आगे बढ़ना है कि मैं जो भी करूँ वो विकसित भारत के लिए हो। स्वच्छ भारत अभियान हो, डिजिटल इंडिया अभियान हो, कोरोना के खिलाफ लड़ाई हो या फिर लोकल के लिए वोकल होना हो, सामूहिक प्रयासों की ताकत हम सभी ने देखी है। सामूहिक प्रयासों से ही विकसित भारत का निर्माण होगा।

महिला सशक्तिकरण के लिए यह सही समय

चेतनादित्य आलोक

महिला के कई रूप होते हैं। वह बेटी, बहू, मां, बहन, पत्नी, दादी, नानी आदि रूपों में हमारे इर्द-गिर्द जन्म से मृत्यु तक साए की तरह मौजूद रहती हैं। देखा जाए तो जीवन और समाज के प्रायः प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका किसी-न-किसी रूप में अवश्य पाई जाती है। इसके बावजूद आधुनिक वैश्विक सामाजिक ढांचे और आर्थिक एवं सांस्कृतिक खांचे में महिलाएं लगातार उपेक्षा, उत्पीड़न, शोषण और दमन का शिकार होती आ रही हैं। घर से लेकर बाहर तक सर्वत्र दमन और शोषण की चक्की में पिसतीं महिलाओं का वास्तविक महत्व समाज को अभी समझना शेष है। यही कारण है कि वैश्विक समाज में महिलाओं के महत्व को प्रतिपादित करने और उन्हें उनका वास्तविक अधिकार दिलाने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 08 मार्च को विश्व भर की महिलाओं के प्रति आभार जताने के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 26 अगस्त महिला समानता दिवस, 22 सितंबर को बेटियों के समर्थन में अंतर्राष्ट्रीय बेटी दिवस एवं 11 अक्तूबर को विश्व भर की बालिकाओं को समर्पित 'विश्व बालिका दिवस' का दुनिया भर में प्रमुखता से आयोजन किया जाता है।दूसरे शब्दों में कहा जाए तो महिलाओं के विविध रूपों के मानवाधिकारों के प्रति समाज में जागरूकता लाने तथा उनके प्रति लोगों को निजी एवं सामूहिक जिम्मेदारियों का स्मरण कराने के लिए ही विश्व इन तमाम दिवसों के आयोजन किए जाते हैं।

हालांकि ऐसे आयोजनों का अब कोई मतलब नहीं रह गया है, क्योंकि ये सब महज रिवाज बन कर रह गए हैं। न तो हमारी बेटियों, बहुओं, माताओं और बहनों के विरूद्ध बलात्कार, सामूहिक बलात्कार और बलात्कार के बाद दरिंदगी करने वाले अपराधियों पर इनका कोई असर होता है और न समाज पर ही इन आयोजनों का कोई सकारात्मक प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई देता है। यहां तक कि कानून, जिसे निर्दोष और मासूम बेटियों, बहुओं और माताओं के लिए रक्षा कवच माना जाता रहा है, की सख्ती और मजबूती भी अब उन्हें अपराधियों से बचाने में असमर्थ साबित होती जा रही है। यदि ऐसा नहीं होता तो क्या दिन-प्रतिदिन महिलाओं के विरूद्ध इस भांति अत्याचार, उपेक्षा, उत्पीड़न, शोषण और दमन की घटनाएं बढ़ती नहीं जातीं। केवल बलात्कार की भी बात करें तो नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार देश में प्रतिदिन कम-से-कम 87 महिलाओं के विरूद्ध बलात्कार के मामले सामने आते हैं।तात्पर्य यह कि प्रत्येक घंटे हमारा देश तीन से भी अधिक महिलाओं के साथ बलात्कार की निर्मम घटनाओं और दरिंदगी का साक्षी बनता है। दुर्भाग्य से यह आंकड़ा भी अंतिम और संपूर्ण नहीं माना जा सकता, क्योंकि यह तो सिर्फ उन घटनाओं को ही रेखांकित करता है, जिनकी रिपोर्ट पुलिस थानों में दर्ज की जाती हैं। निश्चित रूप से इनके अलावा भी देश भर में बलात्कार और दरिंदगी के न जाने कितने ही मामले नित्य प्रति घटित होते रहते होंगे, जिनकी कहीं कोई खोज-खबर लेने वाला नहीं होता है। कई बार तो पीड़िताएं स्वयं ही समाज के भय अथवा लोक-लाज के कारण बलात्कार की घटनाओं को छिपा देती हैं। वहीं, कई बार ऐसा करने के लिए उनके ऊपर माता-पिता और परिवार वालों का भारी दबाव होता है। अनेक बार ऐसा भी होता है कि बलात्कारी ही इतने दबंग होते हैं कि अपने वर्चस्व के कारण बलात्कार करने के बाद पीड़िताओं को डरा-धमकाकर रिपोर्ट दर्ज नहीं कराने देते। वहीं, कई बार तो रिपोर्ट दर्ज करने के मामले में पुलिस की भी बेपरवाही और गैर-जिम्मेदारी सामने आती रहती है। इसलिए महिलाओं के विरूद्ध घटित होती रहने वाली बलात्कार की घटनाओं की सही संख्या बता पाना किसी के लिए भी मुश्किल है। संभव है कि यह संख्या सैकड़ों में हो।देखा जाए तो बलात्कार की घटनाओं को छिपाने के लिए पीड़िताओं के ऊपर माता-पिता और परिवार वाले प्रायः इसलिए दबाव बनाते हैं, क्योंकि उनकी मान्यता यह होती है कि यदि बेटी के बलात्कार की घटना का प्रचार हो गया तो उसका ब्याह नहीं हो पाएगा।

दरअसल, हमारे समाज में आज भी इतनी जागरूकता और संवेदनशीलता नहीं आ पाई है कि 'रील लाइफ' की तरह कोई आगे आकर घोषित तौर पर यह कहने का साहस जुटा सके कि वह किसी बलात्कार पीड़िता को पत्नी के रूप में स्वीकार करने के लिए तैयार है। वैसे संवेदनशीलता की बात करें तो ऐसा प्रतीत होता है कि अब हमारे समाज में इसका कहीं ठौर-ठिकाना बचा ही नहीं है, न तो सार्वजनिक जीवन में और न ही निजी जीवन में... और यही कारण है कि अब पग-पग पर संबंधों की मर्यादाएं टूटने लगी हैं, बल्कि सच कहा जाए तो अब मनुष्य मात्र की मर्यादाएं भी तार-तार हो चुकी हैं। पहले लोग राह चलते किसी अनजान के साथ भी कहीं कुछ गलत होने पर बीच-बचाव कर लेते थे, लेकिन अब तो लोग ऐसी परिस्थिति में मजे लेने और वीडियो बनाने लगते हैं। पिछले ही महीने की बात है। महाकाल की प्राचीन नगरी के एक व्यस्ततम सड़क के किनारे एक महिला के साथ बलात्कार हुआ और लोग तमाशबीन बने रहे. वीडियो बनाते रहे। इसी वर्ष जून में वाइरल 27 सेकंड के एक वीडियों में मुबई की सड़क पर एक युवती को एक युवक ने पीट-पीटकर मार डाला था और वहां मौजूद भीड़ उस घटना का वीडियो बनाती रही। विडंबना यह है

महाराष्ट्र और झारखंड को लेकर विपक्ष की तैयारी

शकील अख्तर

2024 लोकसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी जो कमजोर होते नजर आए थे उसकी कुछ भरपाई उन्होंने हरियाणा जीत कर कर ली और अगर अब महाराष्ट्र, झारखंड में इंडिया गठबंधन उन्हें नहीं रोक पाया तो वे फिर वापस 2024 लोकसभा चुनाव के पहले की मजबूत स्थिति में पहुंच जाएंगे।

यह दोनों विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए मुश्किल हैं। मगर हरियाणा तो करीब-करीब असंभव था। लेकिन कांग्रेस हारी। समझने की बात यह है कि वहां भाजपा नहीं जीती बल्कि कांग्रेस ने खुद अपनी गलतियों से हार को चुना। और यह गलतियां कोई नई नहीं हैं वही पुरानी गुटबाजी, अतिआत्मविश्वास जिसने पिछले दिनों राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ हराया उसी की पुनरावृति है।अगर याद करो तो आप इनसे पहले पंजाब, उत्तराखंड भी इसी तरह हारे थे। गुजरात भी। 2017 में गुजरात में भाजपा को सौ के नीचे रोक दिया था। खुद 182 में से 77 सीटों पर जीती थी। और 2022 में कांग्रेस ने वहां बेमन से चुनाव लड़ा। राहुल केवल एक बार वहां गए। नतीजा बीजेपी ने रिकार्ड 156 सीटें जीतीं। और कांग्रेस 77 से सीधे 17 पर।यह बैक ग्राउन्ड बताना इसलिए जरूरी है कि कांग्रेस ने इन हारों से कुछ नहीं सीखा। वह लोकसभा में 99 सीटें लाकर और भाजपा को 240 पर रोककर बहुत इत्मिनान में है। बीजेपी कमजोर हुई। प्रधानमंत्री मोदी पर इसका असर पड़ा।लोकसभा में राहुल गांधी उनके सामने गरजे। यहां तक कि जो मोदी कभी दखलंदाजी नहीं करते वे भी नेता प्रतिपक्ष राहुल के चर्चित भाषण कि देश को कमजोर किया जा रहा है, नफरत और साम्प्रदायिकता फैलाई जा रही है के बीच में उठकर बोलने की कोशिश की। मगर राहुल ने उन्हें सटीक जवाब देते हुए कहा कि- नो नो नो! हिन्दू नहीं भाजपा और संघ हैं जो साम्प्रदायिकता फैला रहे हैं। प्रधानमंत्री जी गलत बात मत कीजिए।राहुल के उस भाषण ने राजनीति की दिशा बदल दी थी। उसके बाद राहुल ने कहा कि 56 इंच की छाती खत्म हो गई है अब वह मेरे किसी भाषण के दौरान मेरे सामने नहीं बैठेंगे। और निश्चित रूप से उसके बाद जिस तरह लेटरल एंट्री वापस लेनी पड़ी, वक्फ बिल जेपीसी को देना पड़ा, ब्राडकास्ट बिल वापस लिया, बजट में लाया कैपिटल गैन टैक्स वापस लिया उसने बताया कि मोदी जी अब कमजोर हो रहे हैं।लेकिन मोदी का कमजोर होना और कांग्रेस का ताकतवर होना दोनों अलग-अलग बातें हैं। मोदी को कमजोर हुए मगर कांग्रेस अपनी सेहत बनाने के मामले में लापरवाह ही रही। उसकी जीतते जीतते हारने की कमजोरी दूर नहीं हुई।कांग्रेस जम्मू-कश्मीर पर थोड़ा इतराती है। मगर भूल जाती है कि अभी तक की सबसे कम सीटें उसे इस बार मिली हैं। केवल छह। वह तो नेशनल कांन्फ्रेंस ने इज्जत बचाई नहीं तो वहां कांग्रेस कुछ भी नहीं कर पाई। जम्मू जो उसका पुराना कार्यक्षेत्र था वहां वह बुरी तरह साफ हो गई। केवल एक सीट मिली। पांच कश्मीर ने दीं। जम्मू में कांग्रेस 29 सीटों पर चुनाव लड़ी थी जिसमें से एक राजौरी सीट पर जीती और भाजपा ने यहां आज तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 29 सीटों पर जीत हासिल की। और एक मजेदार तथ्य यह कि नेशनल कान्फ्रेंस ने जम्मू संभाग से 6 सीटें जीतीं।

मतलब 2024 लोकसभा के अच्छे प्रदर्शन के बाद कांग्रेस हरियाणा में सरकार बनाने में असफल रही और जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने में ?शनल कान्फ्रेंस की कोई खास मदद नहीं कर पाई। 55 विधायकों का समर्थन है। उमर अब्दुल्ला के पास। कांग्रेस के 6 के बिना भी 90 की विधानसभा में बहुमत। 49 विधायक।

कांग्रेस को सोचना होगा। ईवीएम की गड़बड़ी है। बहुत सवाल हैं मगर सारा दोष उस पर डालकर खुद की गुटबाजी, सही फैसले नहीं लेने, केजुअल एप्रोच, चुनाव पूर्व तैयारी न करने जैसे कई मुद्दों पर भी कांग्रेस को सोचना होगा। वोटर लिस्ट में गड़बड़ियां होती हैं। बीजेपी विपक्ष के वोट कटवाती है, अपने वोट बढ़वाती है यह आरोप पिछले दस सालों से लग रहे हैं। लेकिन कांग्रेस चुनाव से पहले वोटर लिस्ट पर ध्यान नहीं देती। भाजपा के पन्ना प्रमुख पर व्यंग्य करती है, खिल्ली उड़ाती है मगर यह नहीं देखती कि वे कितना काम करते हैं और भाजपा के लिए उपयोगी साबित हुए।बूथ मैनेजमेंट आज के चुनाव की सबसे बड़ी जरूरत बन गए हैं। मगर कभी सुना नहीं कि कांग्रेस बूथ मैनेजमेंट, बूथ के अंदर पोलिंग एजेन्ट, मतदान के दिन काउन्टिंग एजेन्ट के प्रशिक्षण के लिए कुछ करती हो। मतदान के खत्म होने के बाद किस तरह ईवीएम के नंबर लेना है। ईवीएम का क्लोज बटन अपने सामने दबवाना है। इसके बाद उन फार्मों पर जिन पर पोलिंग बुथ पर कितने वोट पड़े की संख्या होती है साइन करना है। उसकी कापी लेना है और मतगणना से पहले तक स्ट्रांग रूम जहां ईवीएम मशीने रखी हैं उनकी निगरानी करना है। यह सारे काम अब करने की जरूरत है। चुनाव आयोग पर आरोप सही हैं। लेकिन विपक्ष को अपनी तरफ से भी कोई कसर छोड़ना नहीं चाहिए। पहले भी बताया कि कांग्रेस ने तो 2018 में दिल्ली में हुए अपने राष्ट्रीय अधिवेशन में ईवीएम के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया था।

मगर उसके बाद दो लोकसभा चुनाव हो गए। और कई विधानसभा। तो जब तक बीजेपी की केन्द्र में सरकार है चुनाव के तौर-तरीकों में बदलाव होना संभव नहीं दिखता। सुप्रीम कोर्ट ने भी ईवीएम के खिलाफ कोई राहत नहीं दी।तो अब दो ही रास्ते हैं।

ईरान के राष्ट्रपति से पीएम मोदी ने की मुलाकात, पश्चिम एशिया की स्थिति को लेकर की बात

संवाददाता

नई दिल्ली। रूस के कजान शहर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से मुलाकात की। दोनों नेताओं से ब्रिक्स सम्मेलन से अलग एक मुलाकात में पश्चिम एशिया की स्थिति को लेकर चर्चा की। इस दौरान पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया में शांति बहाल करने पर जोर दिया। साथ ही ईरान और इस्राइल के बीच बढ़ते तनाव को कम करने के लिए भारत की भूमिका को बात की। इसके अलावा दोनों नेताओं ने चाबहार बंदरगाह और अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (आईएनएसटीसी) सहित प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर भी चर्चा की।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि जुलाई में राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से पीएम मोदी की यह पहली मुलाकात थी। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के बीच सार्थक चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी बात की। प्रधानमंत्री मोदी ने बढ़ते संघर्ष पर गहरी चिंता व्यक्त की। साथ ही नागरिकों की सुरक्षा और नुकसान की रोकथाम के लिए भारत के आह्वान को दोहराया। उन्होंने तनाव करने के लिए बातचीत और कूटनीति की आवश्यकता पर जोर दिया। विदेश सचिव ने कहा कि राष्ट्रपति पेजेशकियन ने भी पश्चिम एशिया में शांति और सद्भाव की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी पक्षों के साथ अपने अच्छे संबंधों को देखते हुए भारत इस संघर्ष को कम करने में भूमिका निभा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पेजेशकियन को उनकी हालिया जीत पर बधाई दी। इसके अलावा ईरान के साथ सदियों पुराने द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने की भारत की प्रतिबद्धता

जताई।मिस्री ने कहा कि दोनों नेताओं ने अपने साझा ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंधों पर जोर दिया और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। इसमें चाबहार बंदरगाह और अंतराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (आईएनएसटीसी) में सहयोग पर बात हुई। जो कनेक्टिविटी और आर्थिक साझेदारी को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है।भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रूस के दो दिवसिय यात्रा पर है। जहां मंगलवार को पीएम मोदी महात्मा गांधी पर एक प्रदर्शनी देखी, जो उनकी कजान की यात्रा के अवसर पर लगाई गई थी। इस विषय में जानकारी देते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कज़ान की अपनी यात्रा के अवसर पर महात्मा गांधी पर एक प्रदर्शनी देखी। बता दें कि कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से मुलाकात की। जुलाई में चुनाव जीतने के बाद ईरान के राष्ट्रपति बने पेजेशकियान और पीएम मोदी के बीच यह पहली मुलाकात थी।जायसवाल ने कहा कि ब्रिक्स सम्मेलन के प्रदर्शनी में अन्य चीजों के अलावा लियो टॉल्स्टॉय के साथ महात्मा के जुड़ाव पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी विशेष महत्व रखती है क्योंकि प्रदर्शनी में अन्य बातों के अलावा लियो टॉल्स्टॉय के साथ महात्मा गांधी के जुड़ाव को भी दर्शाया गया। यह प्रदर्शनी इसलिए भी खास है क्योंकि लियो टॉल्स्टॉय कई वर्षों तक कज़ान में रहे और अध्ययन किया था। रूसी रईस कहे जाने वाले काउंट लियो टॉल्स्टॉय और मोहनदास करमचंद गांधी दो महान नेता थे, जिन्होंने अहिंसा सार्वभौमिक प्रेम, सबसे कमजोर लोगों के लिए चिंता करते थे। उन्होंने एक नैतिक रुख और व्यक्तियों, समूहों, साथ ही राष्ट्रों के बीच संघर्षों का अहिंसक समाधान का उपदेश दिया था। आस्था भारती की पत्रिका डायलॉग के अनुसार गांधीजी टॉल्स्टॉय से न केवल अहिंसा और अहिंसक प्रतिरोध के संबंध में प्रेरित थे बल्कि उनके 'रोटी श्रम' के विचार और गरीबों सहित दूसरों की पीठ से 'उठने' के इसके सहवर्ती विचार से भी प्रेरित थे। उन्होंने टॉल्स्टॉय के 'रोटी श्रम' के सिद्धांत को काम करने के कर्तव्य और अधिकार के एक पूर्ण विकसित सिद्धांत में विकसित किया।द्विपक्षीय बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले एक साल में ँघ्ण्ए की सफल अध्यक्षता के लिए मैं आपको बधाई देता हूं। 15 वर्षों में ब्रिक्स ने अपनी विशेष पहचान बनाई है और अब विश्व के सफल देश इससे जुड़ना चाहते हैं। कल मैं ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए उत्सुक हूं।कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय मुल के नागरिकों से मुलाकात की। इसके साथ ही उन्होंने हाथ जोड़कर उपस्थित लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के 16वें वर्षगांठ में भाग लेने के लिए रूस के कजान पहुंचे पीएम मोदी से मुलाकत करने के लिए भारतीय मुल के नागरिकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। खासकर युवाओं की बात करें तो वहां उपस्थित युवाओं ने पीएम मोदी का हाथजोड़ कर स्वागत किया। कजान में पीएम मोदी का गर्मजोशी के साथ स्वागत हुआ। वहां उपस्थित रूसी लोगों ने भी हाथ जोड़कर पीएम मोदी का स्वागत किया। पीएम मोदी ने भारत और रूस के रिश्ते को लेकर कहा कि रूस के साथ हमारे ऐतिहासिक संबंध हैं। हमारी गहरी मित्रता है। हमारे संबंध और मजबूत होंगे। पीएम मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन को ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर बधाई दी। पीएम मोदी रूस की हेरिटेज सिटी कजान पहुंचे तो एयरपोर्ट पर उनका स्वागत रूसी तातार परंपरानुसार चक-चक मिठाई और ब्रेड-नमक से किया गया। लव्या-लड्डू सी नजर आ रही चक-चक आटे की सेंव को तलकर शहद-शक्कर की चाशनी से बनती है।

रूस को मदद देना बंद करे उ0 कोरिया वरना हम भी यूक्रेन को देंगे हथियार-दक्षिण कोरिया

संवाददाता

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष को दो साल से ज्यादा वक्त हो चुका है। वहीं, अब उत्तर कोरिया पर यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस की मदद के आरोपों के बाद दक्षिण कोरिया ने एक बार फिर चेतावनी दी है। दक्षिण कोरिया ने कहा है कि वह यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति करने पर विचार कर सकता है। दक्षिण कोरिया का यह बयान उत्तर कोरिया द्वारा रूस में सेना भेजने के जवाब में आया है।

दक्षिण कोरिया का बयान जाहिर तौर पर रूस पर दबाव डालने के लिए है। ताकि वह यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में उत्तर कोरियाई सैनिकों को शामिल न करे। दरअसल, दक्षिण कोरियाई अधिकारियों को चिंता इस बात ही है कि रूस यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में मदद के लिए बतौर उपहार उत्तर कोरिया को उच्च हथियार तकनीक दे सकता है। जिससे दक्षिण कोरिया को निशाना बनाने वाले उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को बढ़ावा मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की आपातकालीन बैठक में दक्षिण कोरिया के शीर्ष अधिकारियों ने उत्तर कोरिया द्वारा कथित तौर पर रूस की मदद के लिए सेना भेजने

की निंदा की। उन्होंने इसे दक्षिण कोरिया और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए गंभीर सुरक्षा खतरा बताया। साथ ही कहा कि अगर वह ऐसा करना जारी रखता है तो हम भी यूक्रेन की मदद के लिए मजबूर हैं। इसके अलावा, दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति कार्यालय ने भी अपने एक बयान में उत्तर कोरिया को आपराधिक समूह बताते हुए कहा कि वह अपने युवाओं को अनुचित युद्ध के लिए भाड़े के सैनिकों के रूप में सेवा करने के लिए मजबूर करता है।युद्ध में रूस की मदद के विरोध में दक्षिण कोरिया राजनयिक, आर्थिक और सैन्य कदम उठा सकता है। इसके साथ ही वह यूक्रेन को रक्षात्मक और आक्रामक दोनों हथियार भेजने पर विचार कर सकता है।हाल ही में, दक्षिण कोरियाई जासूसों ने दावा किया था कि उत्तर कोरिया यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध में सहायता के लिए सेना भेज रहा है। वहीं, कुछ महीने पहले ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी उत्तर कोरिया का दौरा किया था और उत्तर कोरियाई तानाशाह के साथ बैठक भी की थी।दक्षिण कोरियाई जासूसों के अनुसार यूक्रेन से जंग में रूस की मदद के लिए उत्तर कोरिया की तरफ से 12,000 सैनिक भेजे गए हैं। दक्षिण कोरिया की योनहाप न्यूज एजेंसी ने राष्ट्रीय खुफिया सेवा (एनआईएस) के हवाले से बताया कि उत्तर कोरियाई सैनिक रूस की सहायता के लिए पहले ही रवाना हो चुके हैं। बता दें कि 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद से, दक्षिण कोरिया मास्को के खिलाफ अमेरिकी नेतृत्व वाले प्रतिबंधों में शामिल हो गया है। उसने कीव को मानवीय और वित्तीय सहायता भेजी है। लेकिन इसने युद्ध में सक्रिय रूप से शामिल देशों को हथियारों की आपूर्ति न करने की अपनी नीति के अनुरूप यूक्रेन को सीधे हथियारों की आपूर्ति करने से परहेज किया है।

कजान में 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर बात की। पीएम मोदी ने कहा कि रूस के साथ हमारे ऐतिहासिक संबंध हैं। हमारी गहरी मित्रता है। हमारे संबंध और मजबूत होंगे। पीएम मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन को ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर हमारा संपर्क बना हुआ है। हर समस्या का हल शांति से ही हो सकता है। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर पीएम ने कहा कि भारत अपने रुख पर कायम है और शांति को लेकर हर संभव सहयोग करेगा। भारत मानवता को प्राथमिकता देने के लिए तैयार है। हम शांति और स्थिरता की बहाली का समर्थन करते हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं रूस की मित्रता, गर्मजोशी भरे स्वागत और आतिथ्य के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए कजान जैसे खूबसूरत शहर में आने का अवसर मिलना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। कजान में भारत के नए वाणिज्य दूतावास के खुलने से दोनों देशों के संबंध और मजबूत होंगे। पिछले 3 महीनों में मेरा दो बार रूस आना हमारे करीबी समन्वय और गहरी मित्रता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में ँघ्ण्ए की सफलता के लिए मैं आपको बधाई देता हूं। 15 वर्षों में ँघ्ण्ए ने अपनी विशेष पहचान बनाई है और अब विश्व के सफल देश इससे जुड़ना चाहते हैं। में ँघ्ण्ए सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए उत्सुक हूं।इससे पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि मुझे याद है कि जुलाई में हमारी मुलाकात हुई थी और कई मुद्दों पर हमारी बहुत अच्छी चर्चा हुई थी। हम कई बार टेलीफोन पर भी बात कर चुके हैं। कजान आने का निमंत्रण स्वीकार करने के लिए मैं आपका बहुत आभारी हूं। आज हम ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे और उसके बाद रात्रिभोज करेंगे।उन्होंने कहा कि आज होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान अन्य नेताओं के साथ मिलकर हमें कुछ बहुत महत्वपूर्ण निर्णय लेने चाहिए। उन्होंने कहा कि अंतर सरकारी आयोग की अगली बैठक 12 दिसंबर को नई दिल्ली में होने वाली है। हमारी परियोजनाएं लगातार विकसित हो रही हैं। आपने कजान में भारतीय वाणिज्य दूतावास खोलने का फैसला किया है। हम इसका स्वागत करते हैं।

ब्रिक्स में शामिल होना चाहते हैं 30 देश-पुतिन

संवाददाता

नई दिल्ली। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन रूस के कजान में किया जा रहा है। ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पीएम मोदी मंगलवार को रूस के कजान गणराज्य पहुंचे थे। मंगलवार को पीएम मोदी ने सम्मेलन के मेजबान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से द्विपक्षीय मुलाकात की। साथ ही ईरान के राष्ट्रपति से भी द्विपक्षीय वार्ता की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान नेताओं की ग्रुप तस्वीर को साझा करते हुए लिखा कि समावेशी और बहुपक्षीय दुनिया के लिए मजबूत और एकजुट। ब्रिक्स के लिए एतिहासिक क्षण। 16वें ब्रिक्स सम्मेलन के लिए ब्रिक्स का विस्तारित परिवार। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान अपने संबोधन में ब्रिक्स के विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समूह बैठक में अपने विस्तार पर चर्चा करेगा, साथ ही कार्यकुशलता बनाए रखने की आवश्यकता को भी ध्यान में रखेगा। पुतिन ने कहा कि उनकी इच्छा है कि 30 से भी ज्यादा देश इस समूह का हिस्सा बनें। कज़ान एक्सपो सेंटर में ँघ्ण्ए शिखर सम्मेलन का पूर्ण सत्र शुरू हुआ। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने विश्व नेताओं को संबोधित किया। ब्रिक्स सम्मेलन शुरू होने से पहले सभी सदस्य देशों के नेताओं ने ग्रुप फोटो सेशन में भाग लिया। इस दौरान पीएम मोदी यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ बातें करते दिखाई दिए। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से अलग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय मुलाकात भी करेंगे। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर हुए समझौते की घोषणा के बाद दोनों नेताओं की इस मुलाकात पर पूरी दुनिया की निगाहें हैं। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने दोनों नेताओं की मुलाकात की पुष्टि की है। दोनों नेताओं के बीच करीब पांच साल बाद द्विपक्षीय वार्ता होगी।

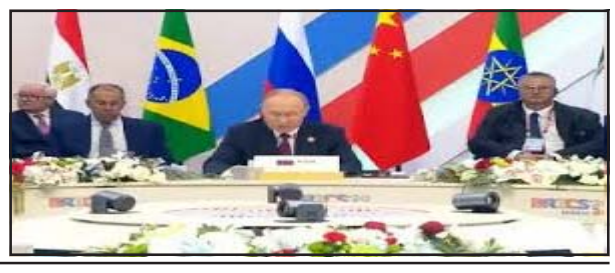

ब्रिक्स में भारत के पहुंचने से नाराज अमेरिका

संवाददाता

नई दिल्ली। खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश रचने के

मामले में लगातार विवाद बना हुआ है। पन्नू की हत्या की साजिश का आरोप भारत पर लगाया गया। हालांकि, भारत इस बात से साफ इनकार कर चुका है। अब एक बार फिर मामला गरमा गया है। अमेरिका ने बताया कि पिछले सप्ताह भारत की जांच समिति के साथ मूल्यवान बातचीत हुई थी। साथ ही इस साजिश के संबंध में अपनी-अपनी जांच को आगे बढ़ाने के लिए सरकारों के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान किया गया था।

अमेरिकी विदेश विभाग के उप मुख्य प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा कि अमेरिका समझता है कि भारतीय जांच समिति अपनी जांच जारी रखेगी और पिछले सप्ताह दोनों देशों के अधिकारियों के बीच हुई बातचीत के आधार पर कोई भी कदम उठाते देखा जा सकता है। पन्नू की हत्या की कथित नाकाम साजिश पर भारत को अमेरिकी सरकार के संदेश के बारे में पूछे जाने पर पटेल ने कहा, 'एक कदम पीछे हटने के लिए, पिछले हफ्ते हालांकि, उसने यह भी कहा कि हम तब तक पूरी तरह से संतुष्ट नहीं होंगे, जब तक कि जांच से सार्थक जवाबदेही नहीं मिलती। भारत की जांच समिति के साथ मूल्यवान बातचीत हुई और हमारी दोनों सरकारों के बीच जांच को आगे बढ़ाने के लिए जानकारी का आदान-प्रदान किया गया। हम समझते हैं कि भारतीय जांच समिति अपनी जांच जारी रखेगी और पिछले सप्ताह की बातचीत के आधार पर हमें उम्मीद है कि आगे के कदम देखने को मिलेंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'हम उस जांच के परिणामों के आधार पर जवाबदेही देखना चाहते हैं। निश्चित रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका तब तक पूरी तरह से संतुष्ट नहीं होगा जब तक कि उस जांच के परिणामस्वरूप सार्थक जवाबदेही नहीं होती है। इसके अलावा, मैं इस पर और अधिक विस्तार से बात नहीं करूंगा, क्योंकि यह एक ऐसा मुद्दा है जो सक्रिय है और हमारे दोनों देशों में इसकी जांच और चल रही है।' भारत की जांच समिति ने एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की नाकाम साजिश में भारत सरकार के पूर्व अधिकारी की संलिप्तता की जांच के लिए अमेरिका का दौरा किया है। पन्नू भारत द्वारा घोषित आतंकवादी है।

5 नवंबर से पहले अमेरिका में कैसे पड़े दो करोड़ से अधिक वोट

संवाददाता

नई दिल्ली। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव होना है। ऐसे में इन आखिरी हफ्तों में डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन उम्मीदवार यानी कमला हैरिस तथा डोनाल्ड ट्रंप चुनावी तैयारी में पूरी ताकत झोंक रहे हैं। जैसे-जैसे इस साल के राष्ट्रपति पद के चुनाव पास आ रहे वैसे-वैसे प्रचार-प्रसार जमकर किया जा रहा है। इस बीच, चुनाव से दो हफ्ते पहले ही दो करोड़ से अधिक लोगों ने अपना वोट डाल दिया है।

फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के इलेक्शन लैब के आंकड़ों के अनुसार, करीब 78 लाख वोट प्रारंभिक व्यक्तिगत मतदान (ींत्ब्गह- जैदह सूप्दे्) के माध्यम से आए, जबकि शेष 1.3 करोड़ वोट डाक-इन-बैलेट (डाक मतपत्रों) के माध्यम से डाले गए। बता दें, भारत और अमेरिका में चुनाव होने की प्रक्रिया एकदम अलग है। जहां, भारत में 36 घंटे पहले प्रचार पूरी तरह से बंद हो जाता है। वहीं वॉशिंगटन में प्रचार और मतदान दोनों कम से कम चार सप्ताह तक एक-दूसरे के समानांतर चलते हैं। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव होना है। राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि विजेता का फैसला सात राज्यों एरिजोना, नेवादा, विस्कॉन्सिन,

मिशिगन, पेंसिल्वेनिया, उत्तरी कैरोलिना और जॉर्जिया में चुनाव के नतीजों के आधार पर किया जाएगा।प्रारंभिक मतदान अमेरिकी मतदाताओं के लिए एक अलग और खास प्रावधान है, जिसमें मतदाता या तो डाक-इन-बैलेट के जरिए या वे कई राज्यों में वास्तविक वोटिंग से कुछ सप्ताह पहले खुलने वाले मतदान केंद्रों पर जाकर अपना वोट डाल सकते हैं। डाक-इन-बैलेट कुछ मायनों में भारत के डाक मतपत्रों की तरह ही होता है। फ्लोरिडा विश्वविद्यालय में इलेक्शन लैब के अनुसार, एशियाई अमेरिकियों के बीच शुरुआत मतदान प्रतिशत सिर्फ 1.7 फीसदी है।हालांकि, कई स्थानों पर कई भारतीय-अमेरिकियों को वोट डालने के लिए कतारों में खड़े देखा गया। 88 वर्षीय चंचल झिंगन और उनकी बेटी वंदना झिंगन 21 अक्तूबर को इलिनोइस के एक उपनगर में मतदान के अधिकार का प्रयोग करने के लिए लाइन में खड़ी हुईं। उन्होंने बताया कि उन्होंने ऐसे व्यक्ति के लिए मतदान किया, जो अमेरिका को फिर से महान बना सकता है।वहीं, टेक्सास में वोट देने गए जितेंद्र आर. दिगंवकर को एक बड़ी लाइन का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'यहां पार्किंग पूरी तरह से भरी हुई है। हर मिनट लोग आ रहे हैं। मैं हर अमेरिकी नागरिक को सलाह देता हूं कि वह दोबारा पंजीकरण करवाए और वोट दें।' मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उम्मीद से अधिक रिपब्लिकन जल्दी मतदान कर रहे हैं। एरिजोना में शुरुआती मतपत्रों पर नजर रखने वाले डेमोक्रेटिक राजनीतिक रणनीतिकार सैम एल्मी ने कहा, 'उन्होंने (रिपब्लिकन) अपने मतदाताओं को जल्दी वोट देने के लिए प्रेरित करने का बेहतर काम किया है। मुझे लगता है कि उन्हें एहसास हो गया है कि जल्दी वोट करना आसान और सुविधाजनक है। इससे आपके मतदाता जल्दी वोट देते हैं ।

साथ ही चुनाव के दिन मतदाताओं का विचार बदलने का खतरा नहीं उठाना पड़ता है।' इलेक्शन लैब के अनुसार, व्यक्तिगत रूप से मतदान करने वाले रिपब्लिकनों में से अब तक 41.3 प्रतिशत ने मतदान किया है, जबकि डेमोक्रेट्स ने 33.6 प्रतिशत मतदान किया है। डाक-इन बैलेट के मामले में दोनों ही पार्टियां डेमोक्रेट्स (20.4 प्रतिशत) और रिपब्लिकन (21.2 प्रतिशत) लगभग बराबरी पर हैं।एक रिपोर्ट के अनुसार, महत्वपूर्ण राज्यों में शुरुआती मतदान के साथ ही बड़ी संख्या में रिपब्लिकन मतदाता मतदान कर रहे हैं, जिससे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जीत का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। जॉर्जिया राज्य में एक-चौथाई मतदाता पहले ही मतदान कर चुके हैं। जॉर्जिया के राज्य सचिव कार्यालय के अनुसार, 18.4 लाख से अधिक जॉर्जियाई लोगों ने अपना मतपत्र डाला है।जॉर्जिया के राज्य सचिव ब्रैड रैफेंसपर्गर ने कहा, 'हम करीब 14 लाख लोगों को शामिल करने की कोशिश कर रहे हैं, जिन्होंने पहले ही मतदान कर दिया है या जिनके अनुपस्थित मतपत्रों को हमने स्वीकार कर लिया है। हम शायद एक रिकॉर्ड मतदान देखने जा रहे हैं। प्रारंभिक मतदान में 65 या 70 प्रतिशत जॉर्जियाई लोग हिस्सा लेंगे, लेकिन उनके पास स्वतंत्र इच्छा है कि वे कैसे मतदान करें।' अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होने में एक महीने से भी कम का समय रह गया है।

नसरल्ला का उत्तराधिकारी हासेम सफीद्दीन 4 अक्तूबर के हमले में ही मारा गया

संवाददाता

नई दिल्ली। इस्राइल ने एलान किया है कि उनके 4 अक्तूबर को किए गए हमले में हसन नसरल्ला का संभावित उत्तराधिकारी और हिजबुल्ला का नया चीफ बनने का दावेदार हाशेम सफीद्दीन भी मारा गया है। हाशेम सफीद्दीन हिजबुल्ला की कार्यकारी परिषद का प्रमुख था और हसन नसरल्ला की मौत के बाद हाशेम ही हिजबुल्ला का नया चीफ बनने वाला था।

इस्राइली सेना ने बताया कि सफीद्दीन के साथ ही हिजबुल्ला की खुफिया डिवीजन का प्रमुख हुसैन अली हजीमा भी 4 अक्तूबर के हमले में ढेर हो गया था। इस्राइली सेना ने बताया कि बीती 4 अक्तूबर को बेरूत स्थित हिजबुल्ला के भूमिगत खुफिया मुख्यालय को निशाना बनाकर हमला किया गया था। यह

मुख्यालय बेरूत के दाहियेह इलाके में स्थित है, जो हिजबुल्ला का गढ़ माना जाता है। आईडीएफ ने कहा कि हमले के वक्त हिजबुल्ला के खुफिया मुख्यालय में 25 से ज्यादा खुफिया विभाग के लोग भी मौजूद थे, जिनमें शीर्ष कमांडर भी शामिल थे। हमले के वक्त हाशेम सफीद्दीन भी खुफिया मुख्यालय में मौजूद था। हमले के बाद भी ऐसी खबरें आईं थी कि इस्राइली हवाई हमले में हाशेम सफीद्दीन भी मारा गया, लेकिन उन खबरों की पुष्टि नहीं हो पाई थी। अब इस्राइली सेना ने इसकी पुष्टि कर दी है। हाशेम सफीद्दीन को अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने साल 2017 में आतंकी घोषित किया था। हाशेम सफीद्दीन, हिजबुल्ला प्रमुख रहे हसन नसरल्ला का चचेरा भाई था। हाशेम सफीद्दीन बेहद धार्मिक स्वभाव का व्यक्ति था और उसे भी हसन नसरल्ला की तरह ही ईरान का करीबी बताया जाता था। हिजबुल्ला की कार्यकारी परिषद का प्रमुख होने के साथ ही वह हिजबुल्ला की जिहाद काउंसिल का भी प्रमुख था, ये जिहाद काउंसिल ही हिजबुल्ला के सैन्य संचालन के लिए जिम्मेदार है। इस्राइली जेट विमानों ने बेरूत में हिजबुल्लाह के मुख्य नौसैनिक अड्डे पर सोमवार रात भर हमला किया, इजराइल रक्षा बलों ने मंगलवार सुबह इसकी जानकारी दी। हमले में अड्डे का मुख्यालय, गोला-बारूद डिपो, भूमिगत अवसंरचना, फाइटर जेट और अन्य संपत्तियां नष्ट हो गईं। आईडीएफ ने कहा, 'हिजबुल्ला के जहाजों को इस्राइल के समुद्री क्षेत्र में नौसेना के जहाजों और नौसेना और रणनीतिक लक्ष्यों पर हमला करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।' हमले से पहले नागरिकों को क्षेत्र खाली करने की चेतावनी दी गई थी।

ईरान समर्थित हिजबुल्ला के पास नौसेना के कमांडो और जहाज-रोधी मिसाइल सिस्टम होने का दावा किया जाता है।

अगले सुप्रीम कोर्ट चीफ जस्टिस होंगे न्यायमूर्ति याह्या अफरीदी, मंजूरी के लिए पीएम के पास भेजा गया नाम

संवाददाता

नई दिल्ली। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के तीन सबसे वरिष्ठ न्यायाधीशों में से अगले चीफ जस्टिस को नामित करने के लिए मंगलवार को विशेष संसदीय समिति की बैठक हुई। इस दौरान समिति ने अगले चीफ जस्टिस के रूप में न्यायमूर्ति याह्या अफरीदी को चुना। कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने कहा कि न्यायमूर्ति अफरीदी का नामांकन दो-तिहाई बहुमत के साथ प्रधानमंत्री के पास भेजा गया है।

हाल ही में किए गए संविधान के 26वें संशोधन ने न्यायपालिका के संबंध में कई बदलाव लागू किए, जिनमें से एक विशेष संसदीय समिति (एसपीसी) द्वारा तीन शीर्ष न्यायाधीशों में से चीफ जस्टिस की नियुक्ति करना शामिल था, जबकि पिछले नियम के हिसाब से सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश को वरिष्ठता सिद्धांत के तहत चीफ जस्टिस नियुक्त किया जाता था।सुप्रीम कोर्ट के अगले चीफ जस्टिस की नियुक्ति के लिए विशेष संसदीय समिति की दो दौर की बैठक बंद कमरे में हुई।

संसदीय पैनल का पहला इन-कैमरा सत्र दिन की शुरुआत में संसद भवन के एक कमरे में आयोजित किया गया था। इस दौरान पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समर्थित सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) सदस्य बैठक में शामिल नहीं हुए, जिसके कारण समिति के सदस्यों को रात में फिर बैठक करनी पड़ी। निवर्तमान चीफ जस्टिस काजी फैज ईसा 25 अक्तूबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। पुराने नियम के तहत वरिष्ठ उप न्यायाधीश, न्यायमूर्ति मंसूर अली शाह अगले प्रमुख बनते।हालांकि, अनुच्छेद-175ए के खंड-3 में किए गए संशोधन के बाद राष्ट्रपति 'शीर्ष अदालत के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश' को चीफ जस्टिस के रूप में नियुक्त नहीं कर सकेंगे। इसके बजाय, अब विशेष संसदीय समिति की सिफारिश के आधार पर सर्वोच्च न्यायालय के तीन सबसे वरिष्ठ न्यायाधीशों में से किसी एक को चीफ जस्टिस के रूप में नियुक्त किया जाएगा।

2050 तक लुप्त हो सकते हैं सतलज घाटी के आधे ग्लेशियर

जलवायु परिवर्तन का हिमालय क्षेत्र के ग्लेशियरों पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। एक नए अध्ययन ने चेताया है कि चरम जलवायु परिवर्तन के परिदृश्य में सतलज नदी घाटी के ग्लेशियरों में से 55 प्रतिशत 2050 तक और 97 प्रतिशत 2090 तक तक लुप्त हो सकते हैं। इससे भाखड़ा बांध सहित सिंचाई और बिजली की कई परियोजनाओं के लिए पानी की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। सतलज नदी घाटी में 1426 वर्ग किलोमीटर में फैले क्षेत्र में छोटे-बड़े कुल 2026 ग्लेशियर हैं। जलवायु परिवर्तन का सबसे पहले प्रभाव छोटे ग्लेशियरों पर पड़ेगा, वे तेज़ी से पिघलेंगे। इस नए अध्ययन से यह निकलकर आया है कि एक वर्ग किलोमीटर से कम क्षेत्रफल वाले ग्लेशियर वर्ष 2050 तक 62 प्रतिशत तक लुप्त हो जायेंगे। सतलज नदी घाटी हिमालय क्षेत्र की दर्जनों घाटियों में से एक है जिसमें हजारों ग्लेशियर हैं। कुछ ग्लेशियर धीरे-धीरे सिकुड़ रहे हैं जबकि कुछ अब तक अप्रभावित हैं। सतलज नदी के वार्षिक प्रवाह का लगभग आधा हिस्सा ग्लेशियरों के पिंघलने से आता है और हिमाचल प्रदेश के भाखड़ा बांध में जा रहे जल का 80 प्रतिशत इसी नदी से आता है। शोधकर्ताओं ने सतलज घाटी में ग्लेशियरों में उपस्थित पानी का अनुमान लगाने के लिए विभिनन्‍ तकनीकों का इस्तेमाल किया और फिर जलवायु परिवर्तन के पूर्वानुमानों के डेटा को कंप्यूटर मॉडलों द्वारा यह देखने के लिए जांचा कि तापमान वृद्धि का ग्लेशियरों पर क्या प्रभाव पड़ेगा। यह अध्ययन भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर के दिवेचा सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया है, और परिणाम शोध पत्रिका 'करेंट साइंस' में प्रकाशित किये गए हैं। सतलज के ग्लेशियरों में संग्रहित पानी की मात्रा का आकलन के लिए, शोधकर्ताओं ने 'वेलोसिटी-स्लोप' और 'वॉल्यूम-एरिया' विधियों का इस्तेमाल किया। इस अध्ययन में एक प्रमुख मापदंड या नियामक आता है जिसे 'इक्विलिब्रियम लाइन एल्टीट्यूड' (ईएलए) कहा जाता है। यह ये दर्शाता है कि कितनी बर्फ पिंघल रही और कितनी नयी बर्फ जमा हो रही है। इस गणना के लिए सतलज नदी घाटी में काजा और रकचाम स्थित मौसम विभाग के केंद्रों के साथ-साथ अन्य स्रोतों से तापमान और वर्षा के डेटा का उपयोग किया गया। लैंडसैट उपग्रह के डेटा का उपयोग बर्फ पड़ने की नयी सीमा-रेखाओं और वर्षा होने की दर का पता लगाने के लिए किया गया था। विश्लेषण से ज्ञात हुआ कि सतलज नदी घाटी में ग्लेशियरों के रूप में कुल 69 घन किलोमीटर पानी था। इसकी लगभग 56 प्रतिशत मात्रा 5 वर्ग किलोमीटर से अधिक बड़े ग्लेशियरों में संग्रहित है और यह 517 वर्ग किमी0 के क्षेत्र में फैले हैं। सबसे बड़ा ग्लेशियर तिब्बत में स्थित है और 66.8 वर्ग किमी0 क्षेत्र में फैला है।इसमें 6.5 गीगाटन बर्फ है। अधिकांश ग्लेशियरों में बर्फ 0.1 गीगाटन से कम होती है। इस नदी घाटी से 1984 और 2013 के बीच 21 प्रतिशत या 16.4 गीगाटन बर्फ नष्ट हो चुकी है। जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियरों के जल भंडार के भविष्य में प्रभावित होने की संभावना है। उत्तरी पश्चिमी हिमालय में सतह के वायु तापमान में वृद्धि 1991-2015 के दौरान 0.65 अंश हुयी थी - जो वैश्विक वृद्धि की दर 0.47 अंश से कहीं अधिक है। भविष्य में तापमान में वृद्धि वर्तमान सदी में कितना कार्बन उत्सर्जन होता है इस पर निर्भर करेगी। शोधकर्ताओं ने 2090 तक जलवायु परिवर्तन के ग्लेशियरों पर प्रभाव का आकलन करने के लिए एक चरम मॉडल, 'जीए फ़डीएल-सीएम3', का उपयोग किया। उन्होंने पाया कि ग्लेशियर क्षेत्र में 33इ (475 वर्ग किमी0) और 81इ (1157 वर्ग किमी) की कमी क्रमशः 2050 और 2090 तक होगी। इस मॉडल के अनुसार, सतलज नदी घाटी में ग्लेशियरों का लगभग 55 प्रतिशत 2050 तक ग़ायब होने की संभावना है, और 2090 तक कुल ग्लेशियरों का केवल 3 प्रतिशत ही बचा रहेगा। 'यदि तापमान 2090 तक 7.9 डिग्री बढ़ जाता है तो सतलज नदी घाटी में ग्लेशियरों के क्षेत्र का 81इ समाप्त हो जाने की संभावना है। संख्यात्मक रूप से, ग्लेशियरों की कुल संख्या का 97 प्रतिशत गायब हो जाएगा। सबसे बड़ा नुकसान एक वर्ग किमी से कम क्षेत्र वाले ग्लेशियरों के लिए अनुमानित है। यह छोटे ग्लेशियरों के अल्प प्रतिक्रिया समय के कारण है, जो उन्हें जलवायु परिवर्तन के प्रति अधिक संवेदनशील बनाते हैं,' अनुसंधान दल का नेतृत्व करने वाले डॉ0 अनिल वी0 कुलकर्णी ने इंडिया साइंस वायर को बताया। ग्लेशियरों के निरंतर पिंघलने से धीरे-धीरे धारा प्रवाह में कमी आएगी। ग्लेशियर के द्रव्यमान और क्षेत्र में बढ़ती कमी, भाखड़ा जलाशय में जाने वाले पानी को प्रभावित करेगी। 'कम ऊंचाई पर स्थित छोटे ग्लेशियरों के गायब होने से सतलज नदी घाटी के निचले इलाकों में स्थित विभिनन्‍ जलविद्युत परियोजनाओं के लिए पानी की समग्र उपलब्धता में बदलाव होगा, जिससे हिमालय क्षेत्र में छोटे समुदायों के लिए नई चुनौतियां उत्पनन्‍ होंगी,' शोधकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे। इससे ग्लेशियर झील के फटने से बाढ़ जैसी आपदाओं की संभावनायें भी बढ़ जाएंगी।

नाखूनों को देखकर जानिए कहीं आपको कैंसर तो नहीं?

शरीर के प्रत्येक अंग की अपनी अलग खासियत होती है। नाखून हमारे शरीर का एक अभिनन्‍ अंग हैं जो हाथ और पैर की उंगलियों की रक्षा करता है। चीजों को उठा पाना, पकड़ना, लिखना, खाना, नाखून के बिना कुछ भी संभव नहीं है। पर क्या आप जानते हैं कि नाखून के माध्यम से शरीर में बन रही कई गंभीर बीमारियों का पता लगाया जा सकता है? जी हां, अध्ययनों से पता चलता है कि नाखून के माध्यम से कैंसर सहित कई अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का पता लगाया जा सकता है।स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अक्सर हम नाखूनों पर ज्यादा ध्यान नहीं दे पाते हैं, हालांकि इनके रंग और बनावट में होने वाले बदलाव पर ध्यान देकर शरीर में पनप रही कई गंभीर समस्याओं का अंदाजा लगाया जा सकता है। आपको भी यह जानकर आश्चर्य होगा कि नाखून, कैंसर तक का निदान करने में मदद कर सकते हैं। कैसे? आइए इस बार में आगे की स्लाइडों में जानते हैं।

नाखून के रंग में बदलाव को लेकर रहें सावधान

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक नाखूनों का रंग सफेद और उसके नीचे हल्का गुलाबी होना सामान्य है। हालांकि अगर आपको इसमें कुछ भी अलग या आसामान्य लगे तो इसे गंभीरता से लेने की आवश्यकता होती है। सामान्यतौर पर नाखूनों का पीला या मोटा होना फंगल संक्रमण का संकेत दे सकता है, जबकि नाखूनों का टूटना या भंगुर होना थायराइड रोग या एनीमिया का संकेत हो सकता है। यदि आप अपने नाखूनों में गड्ढे या छोटी दरारें देखते हैं, तो यह सोरायसिस या एलोपेसिया एरीटा का संकेत हो सकता है। नाखूनों के नीचे सफेद रेखाएं किडनी या लिवर की बीमारी का संकेत हो सकती हैं। हालांकि इसके वास्तविक निदान के लिए डॉक्टर से सलाह लेना आवश्यक माना जाता है।

नाखून के रंग में बदलाव कैंसर का हो सकता है संकेत

अध्ययनों से पता चलता है कि नाखून के रंग में बदलाव गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं और कई स्थितियों में यह कैंसर तक का भी संकेत हो सकता है। नाखून के रंग में बदलाव को सबंगुअल मेलेनोमा नामक त्वचा कैंसर का संकेत माना जाता है। इस स्थिति में नाखूनों के नीचे एक डार्क लाइन दिखाई देती सकता है, जिससे स्वाभाविक तौर पर नाखून का रंग खराब हो सकता है। इसके अलावा नाखून के क्यूटिकल के पास काला दाग हो सकता है। यहां ध्यान देने वाली बात यह भी है कि कैंसर के उपचार के परिणाम के कारण भी नाखून के रंग में इस तरह के बदलाव हो सकते हैं। कैंसर की कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट के कारण भी नाखूनों का रंग काला पड़ सकता है।

कैंसर के इन लक्षणों को भी ध्यान में रखें

सबंगुअल मेलेनोमा कैंसर में उंगली या पैर के नाखूनों पर काले दाग बनने के अलावा नाखूनों में कुछ और परिवर्तनों पर भी गौर करना आवश्यक होता है। नाखूनों के नीचे कालेपन के अलावा अगर नाखूनों में इस तरह की दिक्कत दिखती हो तो इस बारे में विशेष सावधान हो जाने की आवश्यकता होती है। ऐसे लक्षण नजर आने पर तुरंत डॉक्टर से मिलकर जांच कराना आवश्यक हो जाता है।

नाखूनों के आसपास खून बहना या खून के थक्के जैसा नजर आना।

नाखूनों के नीचे की काली-भूरी धारियों का बढ़ते जाना।

नाखूनों का कमजोर होना या भंगुर हो जाना।

नाखून पर चोट जैसे निशान दिखना जो बहुत समय से ठीक न हो रहा हो।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

अमर उजाला से बातचीत में कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ विष्णुदत्त अस्थाना (कैंसर हॉस्पिटल, नासिक) बताते हैं, नाखूनों के रंग में बदलाव या इसका कमजोर होना कई अन्य कारणों से भी हो सकता है, हर स्थिति में इसे कैंसर नहीं माना जा सकता है। हालांकि यदि आपमें नाखूनों से संबंधित दो से अधिक असामान्यता लंबे समय तक बनी रहती है तो इस बारे में डॉक्टर से संपर्क करना आवश्यक हो जाता है। कैंसर का संदेह होने पर फिलकल टेस्ट और बायोप्सी के माध्यम से इसका निदान करने में मदद मिल सकती है। ध्यान देने वाली बात यह है कि कैंसर का यदि समय पर निदान हो जाए तो इसका उपचार और ठीक होने की संभावना बढ़ जाती है।

नोटः यह लेख मेडिकल रिपोर्टस से एकत्रित जानकारियों के आधार पर तैयार किया गया है।

ब्रेस्ट कैंसर के खतरे को कम कर सकते हैं यह योगासन, आप भी कीजिए रोजाना अभ्यास

पिछले दो दशकों में तमाम तरह के कैंसर के मामलों में इजाफा देखा गया है। इसमें भी स्तन कैंसर के केस सबसे तेजी से बढ़े हैं। अमेरिकी महिलाओं में यह सबसे आम कैंसर बन गया है, आंकड़ों से पता चलता है कि हर 8 में से 1 महिला इस कैंसर का शिकार हो जाती है। स्तन कैंसर, अन्य प्रकार के ही कैंसर की तरह जानलेवा माना जाता है, इससे बचाव बहुत आवश्यक होता है। राष्ट्रीय कैंसर संस्थान के अनुसार, योग के माध्यम से इस कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। योग उन हार्मोन (इंसुलिन और एस्ट्रोजन सहित) के स्तर को भी कम करने में सहायक होते हैं, जिनके चलते स्तन कैंसर का जोखिम बढ़ जाता है। अध्ययनों का कहना है कि ब्रेस्ट कैंसर के निदान के बाद शारीरिक गतिविधि और योग के माध्यम से इसकी जटिलताओं और गंभीरता को कम किया जा सकता है। आइए स्तन कैंसर में फायदेमंद ऐसे ही कुछ योगासनों के बारे में जानते हैं।

कैट काउ पोज

ब्रेस्ट कैंसर के जोखिम को कम करने के लिए कैट काउ पोज का अभ्यास फायदेमंद हो सकता है। यह पीठ के निचले हिस्से को मजबूती देने के साथ कूल्हे के दर्द को कम करने और रीढ़ की गतिशीलता के साथ-साथ रीढ़ की हड्डी में द्रव परिसंचरण को बढ़ाता है। इस योगासन को करने के लिए सबसे पहले अपनी कलाइयों और घुटनों की मदद से चौपाया जानवरों जैसी मुद्र बना लें। अब गहरी श्वास लें और छोड़ें। इसके बाद सांस लेते हुए छत की ओर देखें और सांस छोड़ें। इस योग को रोजाना 5-10 मिनट तक करें।

मत्स्यासन पोज- मत्स्यासन योग को हार्ट ओपनर योग भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है कि यह आपकी छाती, पसलियों, फेफड़े और पीठ के ऊपरी हिस्से को खोलती है। यह स्तनों और पेक्स में लिंफेटिक ड्रेनेज को उत्तेजित करके ब्रेस्ट कैंसर के खतरे को कम करता है। योग विशेषज्ञों के मुताबिक इस योग के नियमित अभ्यास से इम्यूनिटी को भी बढ़ाया जा सकता है, जो कैंसर को जोखिम को कम करती है।

प्राणायाम

गहरी सांस लेने वाले योग आपके डायाफ्राम का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करने में मदद करते हैं। डायाफ्राम को मजबूत करके ऑक्सीजन के संचार को बढ़ाया जा सकता है। स्तन कैंसर के उपचार के दौरान और बाद में भी इसका अभ्यास करना फायदेमंद हो सकता है। गहरी सांस लेने से मन को शांत करने में मदद मिलती है। महिलाओं को इसका नियमित अभ्यास जरूर करना चाहिए।

नोटः यह लेख योगगुरु के सुझावों के आधार पर तैयार किया गया है। आसन की सही स्थिति के बारे में जानने के लिए किसी योगगुरु से संपर्क कर सकते हैं।

ठंड में इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए खाने के साथ खाएं लहसुन का अचार

सर्दियों में लहसुन सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। कई पोषक तत्वों का खजाना लहसुन आपकी इम्यूनिटी भी मजबूत करता है। लहसुन में प्रोटीन, वसा, कार्बोज, खनिज पदार्थ, आयरन होता है। इसके अतिरिक्त विटामिन ए, बी, सी एवं सल्फ्यूरिक एसिड विशेष मात्रा में पाई जाती है। आज हम आपको बता रहे हैं लहसुन का अचार बनाने की रेसिपी। इस अचार को आप रोटी, चावल, पराठे के साथ खा सकते हैं।

लहसुन का अचार बनाने की सामग्री-

एक कटोरी लहसुन बिना छिलकों के

एक कटोरी सरसों का तेल

एक छोटी चम्मच मेथी दाना

एक छोटी चम्मच कलौंजी

एक छोटी चम्मच सौंफ

एक छोटी चम्मच सरसों के दाने

एक छोटी चम्मच हींग

लाल मिर्च पाउडर स्वादानुसार

हल्दी 1 छोटी चम्मच

सिरका आधा कप

नमक स्वादानुसार

लहसुन का अचार बनाने की विधि-

सबसे पहले एक कड़ाही या पैन में सरसों का तेल लें और उसे अच्छी तरह से पका लें।

तेल गरम होने के बाद गैस को बंद करें और इसे नॉर्मल तापमान पर आने दें।

दोबारा गैस जलाएं और आंच को एकदम धीमी कर दें, अब इसमें लहसुन डालें और इसे थोड़ा नरम होने तक पकाए, याद रहें इसे जलाना नहीं है।

जब लगने लगे की लहसुन नरम हो गया है, तो इसमें हींग, कलौंजी, मेथीदाना, सरसों, सौंफ डालें और इन्हें कुछ देर हल्का से भूनें।

इसमें अब हल्दी, लाल मिर्च और नमक डालकर मिलाएं।

आंच को बंद कर दें और इसे थोड़ा ठंडा होने दें कुछ सेकेंड बाद इसमें सिरका डालकर मिक्स करें।

वेडिंग सीजन में इस तरह कैरी करें टाई-डाई ट्रेंड

टाई-डाई प्रिंट इन दिनों काफी ट्रेंड में है। आमतौर पर, इस ट्रेंड को अब तक केवल वेस्टर्न वियर के रूप में ही कैरी किया जाता रहा है। बॉलीवुड बालाएं भी इसे टी-शर्ट से लेकर पैंट्स और स्वेटशर्ट आदि में कैरी करती आ रही हैं। हालांकि, यह जरूरी नहीं है कि हर बार टाई-डाई प्रिंट को केजुअल्स और वेस्टर्न वियर में ही पहना जाए। यह फैशन एथनिक वियर में भी इतना ही स्मार्ट लगता है। इतना ही नहीं, अगर आप चाहें तो टाई-डाई प्रिंट को एथनिक वियर में स्टाइल करके वेडिंग फंक्शन में पहन सकती हैं। तो चलिए आज आपको वेडिंग फंक्शन में टाई-डाई प्रिंट को पहनने के कुछ अमेजिंग आइडियाज आपके साथ शेयर कर रहे हैं-

पहनें लहंगा -वेडिंग सीजन में हर उम्र की महिला लहंगा पहनना काफी पसंद करती है। ऐसे में अगर आप चाहें तो टाई-डाई लहंगा पहनकर सबको हैरान कर सकती हैं। इसमें आप लहंगे और चुनरी में टाई-डाई लहंगे को चुनें, जबकि ब्लाउज को आप हैवी सीक्वेंस वर्क या फिर एंब्रायडिड और मिरर वर्क में सलेक्ट कर सकती हैं। इस तरह हैवी ब्लाउज आपके पूरे लुक को वेडिंग रेडी बनाएगा। इस लुक में आप मेकअप को थोड़ा सटल ही रखें।

साड़ी में लगेंगी स्टनिंग

लहंग के अलावा साड़ी भी वेडिंग सीजन में काफी अच्छी लगती है। ऐसे में आप टाई डाई साड़ी के ऑप्शन पर विचार करें। आप टाई डाई साड़ी में व्हाइट एंड ब्लैक कलर या फिर कॉम्पलीमेंटरी कलर्स को सलेक्ट करें। आप साड़ी में स्लिट लुक भी स्टाइल कर सकती हैं। यह आपके लुक को और भी ज्यादा स्टनिंग बनाएगा। टाई-डाई साड़ी में सीक्वेंस लुक बेहद अच्छा लगता है। वहीं, इसके साथ स्टेटमेंट इयररिंग्स आपके लुक को कॉम्पलीमेंट करेंगे।

पहनें वनपीस आउटफिट

अगर आप वेडिंग फंक्शन या फिर सगाई सेरेमनी में टाई-डाई आउटफिट पहनना चाहती हैं तो ऐसे में वनपीस पहनना एक अच्छा आइडिया हो सकता है। आप टाई-डाई गाउन के साथ मिनिमल एक्सेसरीज और लाइट मेकअप के जरिए अपने लुक को खास बना सकती हैं। जब आप वन पीस पहन रही हैं तो कोशिश करें कि आप खुद को ओवर एक्सेसराइज ना करें।

टाई डाई दुपट्टा

टाई डाई को अगर आप पहली बार पहन रही हैं और उसे बतौर आउटफिट कैरी करने में कंफर्टेबल महसूस नहीं करती हैं तो सबसे अच्छा तरीका है कि आप टाई डाई दुपट्टा पहनें। आप लहंगे से लेकर शरारा सूट के साथ टाई डाई दुपट्टा पहनकर अपने लुक को खास बना सकती हैं। आप इसे वन शोल्डर या फिर फ्रंट पल्लू की तरह कैरी करें, ताकि आपके दुपट्टे की खूबसूरती निखरकर सामने आए।

काल भैरव पूजा से दूर होती हैं बीमारियां, दांपत्य जीवन में मिलेगी सुख-शांति

हिंदू कैलेंडर के अनुसार अगहन मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को काल भैरव पूजा करने का विधान है। इसे काल भैरवाष्टमी के रूप में मनाते हैं। काल भैरव को भगवान शिव का तीसरा रूद्र अवतार माना जाता है। पुराणों के मुताबिक मार्गशीष महीने के कृष्णपक्ष की अष्टमी के दिन ही भगवान काल भैरव प्रकट हुए थे। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर-जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस बार काल भैरव अष्टमी 16 नवंबर को है। इस कृष्णाष्टमी को मध्याह्न काल यानी दोपहर में भगवान शंकर से भैरव रूप की उत्पत्ति हुई थी। भगवान भैरव से काल भी डरता है। इसलिए उन्हें कालभैरव भी कहते हैं। ब्रह्मवैवर्त पुराण के मुताबिक कालभैरव श्रीकृष्ण के दाहिनी आंख से प्रकट हुए थे, जो आठ भैरवों में से एक थे। काल भैरव रोग, डर, संकट और दुख दूर करने वाले देवता हैं। इनकी पूजा से हर तरह की मानसिक और शारीरिक परेशानियां दूर हो जाती हैं। सभी पौराणिक देवी मंदिरों के साथ ही काल भैरव के मंदिर भी हैं। इस दिन काल भैरव का सिंदूर और चमेली के तेल से श्रृंगार करना चाहिए। हार-फूल चढ़ाएं, धूप-दीप जलाएं। भैरव महाराज को इमरती का भोग लगाएं। ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि शिवपुराण के अनुसार इस दिन भगवान शंकर के अंश से काल भैरव की उत्पत्ति हुई थी। अपने अंहाकर में चूर अंधकासुर दैत्य ने भगवान शिव के ऊपर हमला कर दिया था। उसके संहार के लिए भगवान शिव के खून से भैरव की उत्पत्ति हुई। काल भैरव शिव का ही स्वरूप हैं। इनकी आराधना करने से समस्त दुखों व परेशानियों से छुटकारा मिल जाता है।ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि स्कंद पुराण के अवंति खंड में लिखा है कि भगवान भैरव के 8 रूप हैं। इनमें से काल भैरव तीसरा है। शिव पुराण के अनुसार माना जाता है कि जब दिन और रात का मिलन होता है। यानी शाम को प्रदोष काल में शिव के रौद्र रूप से भैरव प्रकट हुए थे। भैरव से ही बाकी 7 और प्रकट हुए जिन्हें अपने रूप और काम के हिसाब से नाम दिए हैं। उनके नाम, रुरु भैरव, संहार भैरव, काल भैरव, असित भैरव, क्रोध भैरव, भीषण भैरव, महा भैरव और खटवांग भैरव।बटुक भैरव- बटुक भैरव को भैरव महाराज का सात्विक और बाल स्वरूप माना जाता है। इनकी पूजा से भक्त को सभी तरह के सुख, लंबी आयु, अच्छी सेहत, मान-सम्मान और ऊंचा पद मिल सकता है।काल भैरव- ये स्वरूप भैरव का तामस गुण को समर्पित है। ये स्वरूप भक्तों के लिए कल्याणकारी है, इनकी कृपा से भक्त का अनजाना भय दूर होता है। काल भैरव को काल का नियंत्रक माना गया है। इनकी पूजा से भक्त के सभी दुख दूर होते हैं, शत्रुओं का प्रभाव खत्म होता है।आनंद भैरव- ये भैरव का राजस स्वरूप है। देवी मां की दस महाविद्याएं हैं और हर एक महाविद्या के साथ भैरव की भी पूजा होती है। इनकी पूजा से धन, धर्म की सिद्धियां मिलती हैं।भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि भैरव का अर्थ है भय को हरने या जीतने वाला। इसलिए काल भैरव रूप की पूजा से मृत्यु और हर तरह के संकट का डर दूर हो जाता है। नारद पुराण में बताया है कि काल भैरव की पूजा से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। बीमारियां और तकलीफ भी दूर होती हैं। काल भैरव की पूजा पूरे देश में अलग-अलग नाम से और अलग तरह से की जाती है। कालभैरव भगवान शिव की प्रमुख गणों में एक हैं।भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि शास्त्रों में कुल तीन तरह के गुण बताए गए हैं- सत्व, रज और तम। इन तीन गुणों से मिलकर ही सृष्टि की रचना हुई है। शिव पुराण में लिखा है कि शिव जी कण-कण में विराजित हैं, इस कारण शिव जी इन तीनों गुणों के नियंत्रक हैं। शिव जी को आनंद स्वरूप में शंभू, विकराल स्वरूप में उग्र और सत्व स्वरूप में सात्विक कहा जाता है। शिव जी के ये तीनों गुण भैरव के अलग-अलग स्वरूपों में बताए गए हैं।कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि जिन व्यक्तियों की जन्म कुंडली में शनि, मंगल, राहु तथा केतु आदि पाप ग्रह अशुभ फलदायक हों, नीचगत अथवा शनि की साढ़े-साती या ढैय्या से पीड़ित हों, उन्हें भैरव जयंती अथवा किसी माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी, को बटुक भैरव मूल मंत्र की एक माला (108 बार) प्रारम्भ कर प्रतिदि न रूद्राक्ष की माला से 40 जाप करें, अवश्य ही शुभ फलों की प्राप्ति होगी।भविष्यवक्ता डा. अनीष व्यास ने बताया कि काल भैरव जयंती के दिन भैरव जी के मंदिर जाकर विधि-विधान से पूजा अवश्य करनी चाहिए. मान्यता है कि ऐसा करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और आपको उत्तम फल की प्राप्ति होती है। इस दिन भैरवनाथ जी के सामने दीप भी जलाना चाहिए। ऐसा करने से भगवान महाकाल अपने भक्तों की अकाल मृत्यु से सुरक्षा करते हैं। भविष्यवक्ता डा. अनीष व्यास ने बताया कि जो लोग दांपत्य जीवन में हैं उनको सुख-समृद्धि के लिए काल भैरव की पूजा अवश्य करनी चाहिए। इसके लिए भैरव जी की जन्मतिथि के दिन शाम के समय, शमी वृक्ष के नीचे सरसों के तेल का दीपक जरूर जलाएं। ऐसा करने से रिशतों में प्रेम और बढ़ता है।

दहकती खबरें
स्वामी प्रकाशक,मुद्रक एवं सम्पादक सिराज अहमद द्वारा 86/98 प्वाइंट ऑफसेट,कुर्मी टोला गुरु गोविन्द सिंह मार्ग लालकुआं, लखनऊ से मुद्रित तथा म.न.09,फर्रुखाबाद चिल्लावां,थाना सरोजनीनगर, तहसील लखनऊ,जिला लखनऊ,उत्तरप्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक – सिराज अहमद । मो0. 9369491542 ,सह–सम्पादक: इम्तियाज अहमद A ek0- 9044777902 RNI NO.- UPHIN/2011/39283, E-mail: dahaktikhabrain2011@gmail.com नोट: समचार पत्र से सम्बन्धित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगाA